रायपुर। बुधवार, 19 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 17 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ प्रदेश उन्नति हुड्डा की जीत से शानदार आगाज...
@ विचार लगन की पैनी धार और मुस्कुराती मंजिलें...
@ व्यापार वित्त वर्ष 2026 में सामान्य बीमा उद्योग 9 प्रतिशत...

सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

जंतर-मंतर के प्रदर्शन से जुड़ा मामला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को छोड़कर बाकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई की। एक याचिका में मांग की गई है कि जंतर-मंतर की जगह धरना-प्रदर्शन के लिए कोई और जगह तय की जाए।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'जिन प्रदर्शनकारियों के आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या, रेप, पॉक्सो जैसे गंभीर अपराध के मुकदमे हैं, उन्हें छोड़कर बाकी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इस बात से सहमति जताई।

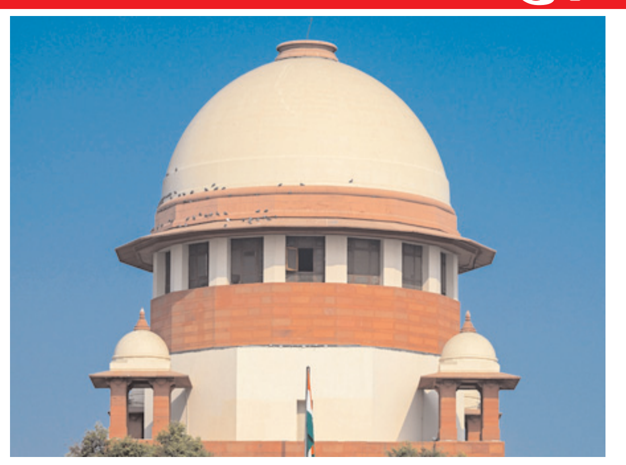

सीजेआई ने कहा कि जहां तक छात्रों की बात है, वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट में हिस्सा ले रहे थे। उनका मकसद कुछ मुद्दों पर कानूनी और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना था। हम शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि आदतन आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की ही जांच होनी चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पुलिस ने अब तक 2873 ऐसे लोगों की पहचान की है जिनके आपराधिक रिकॉर्ड हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस झड़प में 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

सीजेआई ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'प्रदर्शनकारियों में निर्दोष छात्र भी थे। उन्होंने अपना भविष्य बनाने के लिए जी-तोड़ मेहनत की है। उनके अभिभावकों ने अपनी जी-तोड़ मेहनत और खून-पसीने की कमाई उनकी पढ़ाई में लगाई है।' पूरे मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक हाईपावर कमेटी बनाने का ऐलान किया। कोर्ट ने कहा कि यह कमेटी पूर्व जजों और डीजीपी स्तर के रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों की देखरेख में काम करेगी। यह कमेटी स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्णायक जांच करेगी।

सीजेआई ने कहा कि कमेटी सिर्फ एक गोपनीय रिपोर्ट जमा नहीं करेगी। जैसे-जैसे नए मामले सामने आएंगे, कमेटी उनकी जांच करेगी और समय-समय पर रिपोर्ट देगी, ताकि कोर्ट आगे के निर्देश दे सके। जरूरत पड़ने पर अंतरिम निर्देश भी जारी किए जा सकेंगे।

सीजेआई ने बताया कि कमेटी में सीबीआई के एक पूर्व डायरेक्टर जनरल, जो कुछ साल पहले रिटायर हुए हैं और एक राज्य के पूर्व डीजीपी को शामिल करने की सहमति ली गई है। दोनों का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हम अभी ओपन कोर्ट में नाम नहीं बताना चाहते, ताकि किसी अधिकारी को दिक्कत न हो। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि वह बुधवार को कमेटी की आधिकारिक घोषणा कर देगा।

कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि वे एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। सभी सबूत और सामग्री नोडल अधिकारी को सौंपी जाए, जो उसे कोर्ट तक पहुंचाएगा। इससे सुनवाई आसान हो जाएगी।

याचिकाकर्ताओं की वकील वृंदा ग्रोवर ने पैलेट गन से घायल हुए और अन्य लोगों का जिक्र किया। वहीं घायल पुलिसकर्मियों की वकील ने कहा कि पुलिस पर पथराव किया गया था। एक याचिकाकर्ता ने पूर्व सैनिक की पत्नी सुदेश के साथ हुई प्रताड़ना का मुद्दा भी उठाया। याचिकाकर्ता के वकील रिजवान अहमद ने बताया कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी।

छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल ने लॉन्च किया 'राखी स्पेशल गिफ्ट बॉक्स'

संवाददाता ■ रायपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व को और अधिक खास बनाने के लिए भारतीय डाक विभाग के छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल द्वारा एक विशेष पहल की गई है। डाक विभाग इस वर्ष भाई-बहन के अटूट और अनमोल रिश्ते के लिए एक बेहद आकर्षक और प्रीमियम 'राखी स्पेशल गिफ्ट बॉक्स' लेकर आया है। 'अनमोल तोहफा, अनमोल रिश्ते के लिए' के संदेश के साथ तैयार यह बॉक्स उत्सव की खुशियों को दोगुना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आम जनमानस की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष गिफ्ट बॉक्स मात्र 520/- (पांच सौ बीस रुपये मात्र) की बेहद किफायती कीमत पर नजदीकी डाकघरों में बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया गया है।

मीडिया से बात करते हुए प्रणव कुमार (मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमंडल) ने कहा कि 'छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल ने इस बार एक विशेष 'राखी स्पेशल गिफ्ट बॉक्स' तैयार किया है। मात्र ?520 की बेहद किफायती कीमत पर उपलब्ध इस प्रीमियम बॉक्स में दो आकर्षक राखियों के साथ-साथ पारंपरिक अक्षत-कुमकुम, बैज, फ्रिज मैग्नेट, पिक्चर पोस्टकार्ड और की-रिंग जैसी सर्व-सुविधाजनक वस्तुएं दी गई हैं ताकि बहनों को पूजा और उपहार के लिए अलग-अलग न भटकना पड़े।

इसके साथ ही, हमने पूरे डाकघरों को राखी वितरण हेतु बेहद सख्त निर्देश जारी किए हैं। आरएमएस केंद्रों को यह स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि रक्षाबंधन के पर्व से पहले ही एक भी राखी या राखी मेल पेंडिंग न रहे — सभी डाक क्लियर होकर गंतव्य के लिए रवाना हो जानी चाहिए। हमारा लक्ष्य 100% ऑन-टाइम डिलीवरी सुनिश्चित करना है ताकि त्यौहार के दिन किसी भी बहन की राखी पहुँचने में देरी न हो। भारतीय डाक समय पर और भरोसेमंद डिलीवरी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

भारतीय डाक विभाग का यह कदम उन भाई-बहनों के लिए एक बेहतरीन अवसर प्रस्तुत करता है जो दूर-दराज के क्षेत्रों में रहते हैं। इस सर्व-सुविधाजनक गिफ्ट बॉक्स के माध्यम से लोग बिना किसी परेशानी के रक्षाबंधन की सभी आवश्यक सामग्रियां एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं और डाक विभाग के विश्वसनीय नेटवर्क के माध्यम से अपने परिजनों तक पर्व का स्नेह पहुंचा है।

संक्षिप्त खबर

पाक सुप्रीम कोर्ट बोला-इमरान को 2 दिन में अस्पताल भेजें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अस्पताल भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि इमरान को 48 घंटे में शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ट्रांसफर किया जाए। उनकी सेहत की जांच और इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड भी बनाया जाएगा। कोर्ट ने इमरान की बहनों से मुलाकात को लेकर भी सवाल उठाया। जस्टिस शाहिद वहीद ने कहा कि बहनों से मुलाकात कराना कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका मौलिक अधिकार है। अदालत ने पिछले तीन साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई सभी मुलाकातों की जानकारी मांगी। इमरान के बेटों से उनकी बातचीत और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जानकारी भी देने को कहा गया है। इमरान खान 3 साल से जेल में हैं। उन्हें अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था। इमरान की बहन उजमा खानम ने आखिरी बार 2 दिसंबर 2025 को इमरान खान से मुलाकात की थी। उन्होंने तब कहा था कि इमरान की सेहत ठीक नहीं है।

ट्रम्प ने होर्मुज को अमेरिका का नया इलाका बताया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताते हुए सोशल मीडिया पर मैप पोस्ट किया है। ट्रम्प के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताना सिर्फ एक गलतफहमी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प को जल्द ही समझ आ जाएगा कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का कोई अधिकार नहीं है।

छत्तीसगढ़ में 22 आईएएस अफसरों के तबादले

गरियाबंद। मुंगेली समेत 6 जिलों के कलेक्टर बदले, ढ्ढस्नस् विवेक आचार्य वापस वन विभाग भेजे गएछत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। आदेश के अनुसार 22 ढ्ढस् अधिकारियों और एक ढ्ढस्नस् अधिकारी की नई पदस्थापना की गई है। इस फेरबदल में 6 जिलों के कलेक्टर भी बदले गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव नगरीय प्रशासन विभाग में हुआ है। 1999 बैच के ढ्ढस् अधिकारी सोनमणि बोरा को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। उनके पास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। विवेक आचार्य (IFS), जो वर्तमान में प्रबंध संचालक, पर्यटन मंडल के पद पर थे, उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से उनके पैतृक विभाग वन विभाग को वापस कर दी गई हैं।

तारापीठ अग्निकांड : 15 होटल अनिश्चितकाल के लिए बंद

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ स्थित बिदेशिनी होटल में आग लगने से नौ लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद प्रतिष्ठित देवी तारा मंदिर के निकट स्थित 15 होटलों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश दिया गया है।

पुलिस द्वारा होटल के मुख्य मालिक प्रोबिट पॉल को गिरफ्तार किए जाने के तुरंत बाद जिला प्रशासन ने नोटिस जारी किया। सोमवार को पुलिस ने मालिक के बेटे और सह-मालिक कल्याण पॉल को भी गिरफ्तार कर लिया था। आग लगने के बाद सवाल उठने लगे कि क्या मंदिर के पास तेजी से बन रहे होटलों में आग से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि न केवल बिदेशिनी, बल्कि हाल के वर्षों में बने अधिकांश होटलों और लॉजों में आग से सुरक्षा के उचित उपाय नहीं थे।

इसके बाद जिला प्रशासन ने मंदिर के आसपास के क्षेत्र में स्थित कई होटलों और लॉजों में अचानक जांच की। जांच के निष्कर्षों के आधार पर यह पाया गया कि 15 होटलों में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी के लिए वैकल्पिक निकास मार्गों का अभाव था। एक जिला प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि आग से सुरक्षा सुविधाओं और वैकल्पिक निकास मार्गों को सुनिश्चित करने में विफल रहने वाले होटल अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने आगे कहा, 'इस पवित्र शहर में प्रतिदिन आने वाले हजारों तीर्थयात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।' रामपुरहाट के सब-डिविजनल ऑफिसर राठौड़ अश्विन बाबू सिंह, जिनके अधिकार क्षेत्र में तारापीठ आता है, ने मीडियाकर्मियों को बताया कि सोमवार को प्रशासन ने इससे पहले आठ अन्य होटलों को बंद करने के नोटिस जारी किए थे।

देवेंद्र महतो बोले-अभी मिली पहली जीत व्यापक सुधार का आंदोलन जारी रहेगा

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में जेएसएससी-सीजीएल समेत टीडीपीएल एजेंसी के माध्यम से आयोजित 14 भर्ती परीक्षाओं को रद्द किए जाने के फैसले को आंदोलनकारी छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने आंदोलन की पहली बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा रद्द होना संघर्ष का अंतिम पड़ाव नहीं है और भर्ती व्यवस्था में व्यापक सुधार होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

देवेंद्र नाथ महतो ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिन परीक्षाओं में गड़बड़ी और धांधली के आरोप सामने आए थे, उन्हें रद्द किया जाना छात्रों के लंबे संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी एक परीक्षा को रद्द कराना नहीं, बल्कि झारखंड की पूरी भर्ती और परीक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी बनाना है।

उन्होंने कहा कि अब सरकार को ऐसी व्यवस्था की गारंटी देनी होगी, जिसमें भविष्य में पेपर लीक, प्रश्नपत्र की सेटिंग या परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली की गुंजाइश न रहे। इसके लिए प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा के हर चरण का ऑडिट होना चाहिए और परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी से लेकर संबंधित अधिकारियों तक की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

महतो ने कहा कि आंदोलन के दौरान छात्रों ने लंबा संघर्ष किया है। दो जुलाई से शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे व्यापक रूप लेता गया। 25 जुलाई को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से सत्याग्रह शुरू किया गया और बाद में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। दो अगस्त से छात्रों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल भी शुरू की।

कांवड़ यात्रा में महिला पर एसिड अटैक

संवाददाता ■ दुर्ग

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में सोमवार को कांवड़ यात्रा पर जा रही महिला पर युवक ने एसिड फेंक दिया, जिससे उसका चेहरा झुलस गया। इस दौरान 2 बच्चें भी एसिड की चपेट में आ गए। महिला को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नंदिनी नगर थाना क्षेत्र का है।

जांच में सामने आया है कि महिला और युवक एक-दूसरे को पहले जानते हैं। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला के बात नहीं करने से नाराज होकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। उसने महिला पर बैटरी का केमिकल फेंका था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।जानकारी के मुताबिक, मीना निषाद (35) और महेश दास बैरागी एक ही कंपनी में काम करते थे। इसी दौरान दोनों की जान-पहचान हुई थी। बाद में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। मीना करीब 6 महीने पहले ही नौकरी छोड़कर घर पर रह रही थी।

बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से महिला आरोपी से बातचीत नहीं कर रही थी। सावन सोमवार को महिला दुर्ग से धमधा की ओर शिव मंदिर जल चढ़ाने के लिए जा रही थी। इसी दौरान युवक ने उस पर एसिड फेंक दिया। हमले में 2 बच्चे भी एसिड की चपेट में आ गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वहां मौजूद लोगों ने महिला और दोनों बच्चों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों का इलाज जारी है।पहले से विवाद की बात आई सामने इधर, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच पहले से विवाद होने की बात सामने आई है। हालांकि, विवाद किस बात को लेकर था और एसिड अटैक की असली वजह क्या थी, इसकी जांच अभी जारी है।

तीर तेवर — सागर कुमार

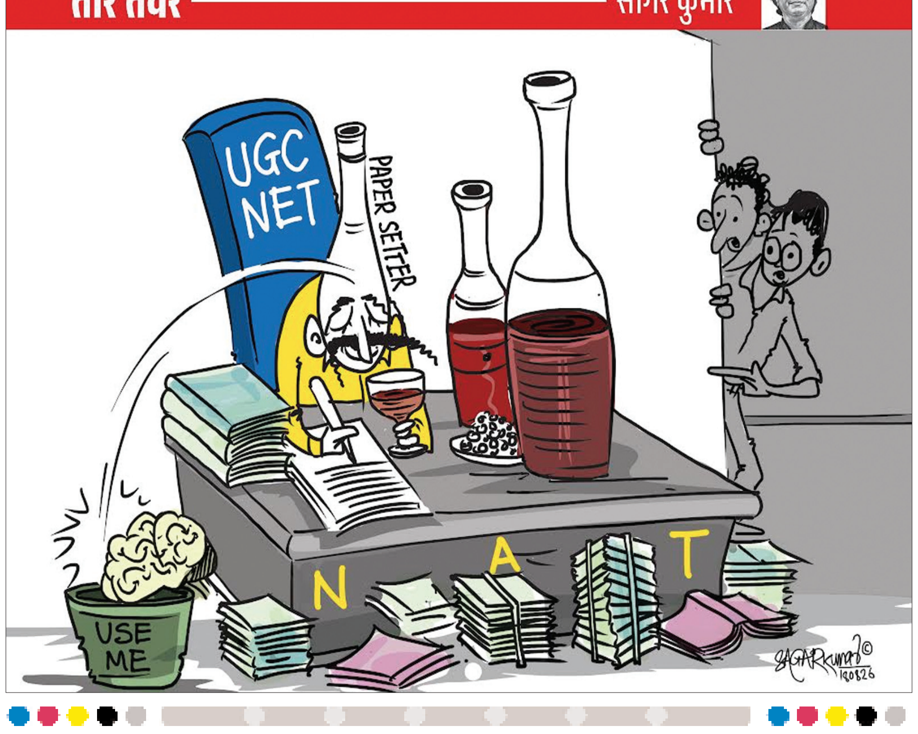

आसियान डिजिटल समझौता भारत के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया से गहरे डिजिटल जुड़ाव का मॉडल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आसियान का डिजिटल इकोनॉमी फ्रेमवर्क एग्रीमेंट (डेफा) भारत के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ डिजिटल क्षेत्र में व्यापक और गहरे जुड़ाव का एक मॉडल पेश करता है। एक नई रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

'द जकार्ता पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समझौते ने अलग-अलग देशों में समान घरेलू कानून लागू करने की जरूरत के बजाय साझा व्यावसायिक परिणामों और एक-दूसरे के अनुरूप प्रणालियों के जरिए 'प्रबंधित अंतर-संचालन' (मैनेज्ड इंटरऑपरेबिलिटी) का रास्ता तैयार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डेफा डिजिटल व्यापार और सेवाओं के लिए क्षेत्रव्यापी ढांचा तैयार करता है, लेकिन इसे आसियान-भारत व्यापार वस्तु समझौते में शामिल करना प्रतिकूल हो सकता है। इससे वस्तु-केंद्रित बातचीत का दायरा बढ़ने के साथ डेटा गवर्नेंस, निजता, प्रतिस्पर्धा और ऑनलाइन नियमन जैसे अनसुलझे मुद्दे भी वार्ता में शामिल हो जाएंगे। मई में मनीला में अंतिम रूप दिए गए डेफा में डिजिटल व्यापार, सीमा पार ई-कॉमर्स, भुगतान और ई-इनवॉयसिंग, डिजिटल पहचान, सीमा पार डेटा प्रवाह और डेटा संरक्षण, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा उभरती प्रौद्योगिकियों समेत नौ क्षेत्र शामिल हैं। वहीं, एआईटीआईजीए अभी भी वस्तुओं के व्यापार से संबंधित समझौता है। इसकी समीक्षा में बाजार पहुंच, मूल के नियम, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा, मानक, स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता संबंधी उपाय, व्यापार उपचार तथा कानूनी और संस्थागत प्रावधानों जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

आसियान और भारत ने 2026 में एआईटीआईजीए की समीक्षा पूरी करने का लक्ष्य रखा है। वार्ता में नई दिल्ली की वस्तु व्यापार घाटे को लेकर चिंता और आसियान की अधिक सरल एवं व्यापार-अनुकूल समझौते की मांग महत्वपूर्ण मुद्दे बने हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि डेफा का बातचीत के जरिए तैयार किया गया पाठ अभी सार्वजनिक नहीं हुआ है। इसलिए समझौते की वास्तविक गहराई, अपवादों और प्रावधानों को लागू कराने की क्षमता हस्ताक्षर के बाद ही स्पष्ट होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, समान कानूनी व्यवस्था बनाने के बजाय आसियान ने 'प्रबंधित अंतर-संचालन' का रास्ता अपनाया है। इससे अलग-अलग नियामक क्षमताओं वाले देश लचीलेपन, चरणबद्ध क्रियान्वयन और क्षमता निर्माण के जरिए सहयोग कर सकते हैं।

अमेरिका में सौ से ज्यादा इंडस्ट्री लीडर्स से गुजरात सीएम पटेल की मुलाकात

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को अमेरिका में सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी सेक्टर के 100 से ज्यादा लीडर्स के साथ कई राउंड-टेबल और वन-टू-वन मीटिंग की। उन्होंने राज्य को सिर्फ निवेश की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और सप्लाई-चेन डेवलपमेंट के लिए एक लंबे समय के रणनीतिक साझेदार के तौर पर पेश किया। अमेरिका यात्रा के दूसरे दिन, मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडटेक, हेल्थटेक, गेमिंग और डीपटेक के लीडर्स के साथ बातचीत की। इस बातचीत में अमेरिकी कंपनियों और राज्य के बीच निवेश, रिसर्च, स्किलिंग और बिजनेस सहयोग के मौकों पर चर्चा हुई। पटेल ने कंपनियों को अगले साल जनवरी में होने वाले 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027' में शामिल होने और बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) मीटिंग्स के जरिए संभावित पार्टनरशिप की संभावनाओं को तलाशने के लिए आमंत्रित किया।

सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी लीडर्स के साथ बातचीत के दौरान, पटेल ने सिलिकॉन वैली की टेक्नोलॉजी क्षमताओं को गुजरात के इंडस्ट्रियल बेस के साथ जोड़ने की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए एक पूरा इकोसिस्टम विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आर एंड डी और इनोवेशन से लेकर मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल विस्तार तक सब कुछ शामिल है। मीटिंग्स में शामिल इंडस्ट्री प्रतिनिधियों ने गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर, पॉलिसी में स्थिरता, तेज मंजूरी प्रक्रियाओं और बिजनेस-फ्रेंडली व सक्रिय दृष्टिकोण की तारीफ की। एआई, हेल्थटेक, एडटेक और गेमिंग के लीडर्स के साथ एक अलग राउंड टेबल मीटिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, रोबोटिक्स, एजुकेशन टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी और गेमिंग के उभरते इस्तेमाल पर चर्चा हुई।

पटेल ने कहा, 'अगली पीढ़ी के टेक्नोलॉजी हब की सफलता न केवल इनोवेशन पर निर्भर करेगी, बल्कि जमीन, बिजली, कनेक्टिविटी, पूंजी, टैलेंट और पॉलिसी में स्थिरता जैसी सभी सुविधाओं की एक साथ उपलब्धता पर भी निर्भर करेगी। गुजरात यह सब कुछ उपलब्ध कराने और टेक्नोलॉजी-आधारित निवेश को आसान बनाने के लिए तैयार है।' मीटिंग्स में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और उभरती टेक्नोलॉजी में अपनी स्थिति मजबूत करने की राज्य की महत्वाकांक्षा पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। गुजरात खुद को एक प्रमुख सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित कर रहा है।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कुख्यात अपराधी हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिलशाद आलम उर्फ जावेद (27) निवासी देवली, नई दिल्ली के रूप में हुई है। उसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में पहले से 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। दक्षिण जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ को 15 अगस्त को सूचना मिली थी कि दिलशाद आलम उर्फ जावेद अवैध हथियार और गोला-बारूद लेकर अपने एक साथी से मिलने देवली इलाके में आने वाला है।

सूचना के आधार पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और रणनीतिक तरीके से जाल बिछाया। इसके बाद पुलिस ने देवली क्षेत्र में आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने बरामद हथियार और कारतूस को जब्त कर नियमानुसार सील कर दिया। इस संबंध में टिगरी थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25/54/59 के तहत एफआईआर संख्या 237/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कार्रवाई को एएसआई दुष्यंत कुमार, हेड कांस्टेबल यशपाल, हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार और कांस्टेबल महेंद्र की टीम ने अंजाम दिया। अभियान का नेतृत्व स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर अनुज कुमार ने किया, जबकि एसीपी ऑपरेशंस बलराम सिंह बेनीवाल की निगरानी में पूरी कार्रवाई संपन्न हुई।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने केपीएससी अध्यक्ष साहूकार का निलंबन किया निरस्त, 7 दिन में बहाली का आदेश

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा बी. साहूकार को बड़ी राहत देते हुए उनके निलंबन को रद्द कर दिया है। जस्टिस सूरज गोविंदराज की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा 10 जुलाई को जारी निलंबन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि निलंबन आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है, क्योंकि मंत्रिमंडल ने केपीएससी अध्यक्ष के निलंबन की न तो सिफारिश की थी और न ही ऐसा कोई सुझाव दिया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल को मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुरूप कार्य करना चाहिए था। इसी आधार पर अदालत ने निलंबन आदेश को निरस्त और शून्य घोषित कर दिया। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि साहूकार को सात दिनों के भीतर केपीएससी

अध्यक्ष के पद पर बहाल किया जाए, हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि साहूकार अपनी बेटियों की नियुक्ति से संबंधित किसी भी मामले में कोई निर्णय नहीं लेंगे।

साहूकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण श्याम ने दलील दी थी कि निलंबन कानूनी प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। याचिका में साहूकार ने तर्क दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 317(1) के तहत राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा सुप्रीम कोर्ट को संदर्भ भेजे जाने तक राज्यपाल को उन्हें निलंबित करने का अधिकार नहीं है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब केपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर विवाद जारी है। पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में गड़बड़ियों की जांच भी चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कर्नाटक और अहमदाबाद में 21 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई केपीएससी द्वारा वेटरिनरी अधिकारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं के मामले में की गई। बेंगलुरु जोनल कार्यालय की ईडी टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत तलाशी अभियान चलाया। जिन स्थानों पर छापेमारी की गई उनमें केपीएससी कार्यालय, निलंबित अध्यक्ष साहूकार का आवास, केपीएससी सदस्य शांता होसमनी का घर, बिचौलियों के ठिकाने, चयनित अभ्यर्थियों के परिसर तथा परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन का कार्य संभालने वाली एडुटेस्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय शामिल हैं।

केवीएस-एनवीएस टियर-2 भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) में सरकारी शिक्षक बनने के लिए जो उम्मीदवार केवीएस और एनवीएस के दूसरे चरण की टियर-2 भर्ती परीक्षा में शामिल हुए थे और रिजल्ट जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनके लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) ने विभिन्न टीचिंग और नॉन-टीचिंग पदों के लिए टियर-द्वद्व भर्ती परीक्षा के नतीजे चरण-दर-चरण जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को केवीएस और एनवीएस के दूसरे चरण की टियर-2 भर्ती परीक्षा के नतीजे सीबीएसई, केवीएस और एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले सीबीएसई/केवीएस/एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद परिणाम से संबंधित लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा, वहां रजिस्ट्रेशन नंबर, पासवर्ड और कैप्चा कोड दर्ज करें। फिर परिणाम आपके स्क्रीन पर खुल जाएगा।

रिजल्ट को चेक करने के बाद उसे डाउनलोड कर लें। भविष्य के संदर्भ के लिए परिणाम का प्रिंट आउट निकाल कर रख लें। सीबीएसई की ओर से जिन पदों के लिए केवीएस-एनवीएस टियर-2 भर्ती परीक्षा परिणाम जारी किए गए हैं, उनमें पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स (पीजीटी) के पीजीटी (असमिया), पीजीटी (उर्दू), पीजीटी (बांग्ला), पीजीटी (गारो), पीजीटी (बायो-टेक्नोलॉजी), पीजीटी (मणिपुरी), पीजीटी (तमिल) और पीजीटी (तेलुगु) के परिणाम शामिल हैं।

वहीं, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर्स (टीजीटी) पदों में टीजीटी (मराठी), टीजीटी (तेलुगु), टीजीटी (असमिया), टीजीटी (मणिपुरी), टीजीटी (उर्दू), टीजीटी (बांग्ला), टीजीटी (नेपाली), टीजीटी (गुजराती), टीजीटी (ओड़िया), टीजीटी (कन्नड़), टीजीटी (पंजाबी), टीजीटी (मलयालम) और टीजीटी (तमिल) पदों के रिजल्ट जारी किए गए हैं। इसी के साथ बोर्ड ने नॉन-टीचिंग पोस्ट्स में असिस्टेंट इंजीनियर (सिविल), एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर और मल्टी-टास्किंग स्टाफ पोस्ट के भी नतीजे घोषित किए हैं।

उम्मीदवार अपने एप्लीकेशन पोर्टल पर लॉग इन करके, पोस्ट के हिसाब से अपना रिजल्ट/शॉर्टलिस्टिंग स्टेटस देख सकते हैं। वहीं, इस चरण में घोषित परिणाम से उम्मीदवारों को पता चलेगा कि उन्हें इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है या नहीं। कैंडिडेट्स ध्यान दें कि एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) टियर-द्वद्व भर्ती परीक्षा के नतीजे अलग से ईएमआरएस/एनईएसटीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित किए जाएंगे। इस भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत 2025 में हुई थी और टियर-1 परीक्षा 10 और 11 जनवरी 2026 को आयोजित की गई थी। टियर-द्व का रिजल्ट 28 फरवरी 2026 को जारी किया गया था, जिसके बाद टियर-2 परीक्षा 27 से 31 मार्च 2026 तक हुई और टियर-2 का रिजल्ट 17 और 18 अगस्त को जारी किया गया है।

तंबाकू उत्पादों के सरोगेट विज्ञापनों को भ्रामक मानकर कार्रवाई हो तय : विक्रम पचपुते

विश्व केसरी

मुंबई। भाजपा विधायक विक्रम बबनराव पचपुते ने पान मसाला, फ्लेवर्ड सुपारी और तंबाकू उत्पादों के विज्ञापनों में सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में फ्लेवर्ड तंबाकू, फ्लेवर्ड सुपारी और गुटखा प्रतिबंधित होने के बावजूद अलग-अलग ब्रांडों के विज्ञापन दिखाई देते हैं। उन्होंने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। पचपुते ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया था। जब राज्य में इन उत्पादों पर प्रतिबंध है, तो उनसे मिलते-जुलते या दूसरे नामों से चलने वाले ब्रांडों के विज्ञापन किस तरह प्रसारित हो सकते हैं, इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विधानसभा में उन्हें जवाब मिला था कि ऐसे विज्ञापनों को 'सरोगेटेड एडवर्टाइजमेंट' के तौर पर देखा जाता है और मौजूदा प्रावधानों के तहत सीधे कार्रवाई मुश्किल है।

तुकाराम मुंढे की ओर से कुछ अभिनेताओं को नोटिस जारी किए जाने को लेकर पचपुते ने कहा कि केवल नोटिस जारी करने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। यदि इन्हें मौजूदा कानून के तहत सरोगेटेड विज्ञापन माना जाता है, तो संबंधित सेलिब्रिटी कानूनी रास्ते से राहत हासिल कर सकते हैं। इसी वजह से मैंने एफएसएसएआई को पत्र लिखकर पूरे मामले को नए तरीके से देखने की मांग की है। एफएसएसएआई के अलावा केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी पत्र भेजा गया है।

भाजपा विधायक का कहना है कि ऐसे विज्ञापनों को केवल 'सरोगेटेड ऐड' के रूप में नहीं, बल्कि 'मिसलीडिंग ऐड' यानी भ्रामक विज्ञापन के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। इस पर प्रभावी नियमन जरूरी है। अभिनेता, खिलाड़ी और बड़े इन्फ्लुएंसर्स युवाओं के लिए प्रेरणा-स्रोत हैं। ऐसे में यदि इन्हीं चेहरों के माध्यम से किसी विवादित या स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह उत्पाद से जुड़े ब्रांड का प्रचार किया जाता है, तो युवाओं के गलत दिशा में जाने का खतरा हो सकता है। सेलिब्रिटी और इन्फ्लुएंसर्स की भी सामाजिक जिम्मेदारी है और उन्हें ऐसे विज्ञापनों में काम करने से बचना चाहिए। पचपुते ने कहा कि यह मुद्दा जनहित से जुड़ा है और इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष से भी इस विषय को उठाने की अपील की।

मुंबई में कई मतदाताओं के नाम डिजिटाइज नहीं, सरकार जवाब दे : असलम शेख

विश्व केसरी

मुंबई। कांग्रेस नेता असलम शेख, वेंकटेश और वर्षा गायकवाड़ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए विभिन्न मुद्दों पर पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने मुंबई कांग्रेस की बैठक, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता, बेरोजगारी, महंगाई, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और छात्रों के आंदोलन समेत कई मुद्दों पर बात की। कांग्रेस नेता असलम शेख ने कहा कि मुंबई कांग्रेस की वरिष्ठ

नेताओं की बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होती है। एसआईआर को लेकर उन्होंने दावा किया कि मुंबई में बड़ी संख्या में लोगों के नाम अभी तक डिजिटाइज नहीं हो पाए हैं। शिक्षकों और अधिकारियों को अलग-अलग सरकारी कार्यों में लगाने के कारण भी प्रक्रिया प्रभावित हुई। मुंबई जैसे बड़े शहर में प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचना और उसके मताधिकार को सुरक्षित रखना सरकार तथा चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची में शामिल नहीं हो पाए, तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पासपोर्ट और बिजली बिल जैसे दस्तावेजों का डेटा मौजूद है। ऐसे में पात्र लोगों को परेशान करने के बजाय उपलब्ध डेटा के आधार पर सत्यापन की प्रक्रिया को आसान बनाया जाना चाहिए।

राजस्थान पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ एडवाइजरी जारी की

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस ने मंगलवार को रक्षाबंधन से पहले एडवाइजरी जारी की, जिसमें लोगों को साइबर थीम वाले धोखाधड़ी के संबंध में चेतावनी जारी की गई है। खबरों के मुताबिक, धोखेबाज लोग त्योहार का फायदा उठाकर फर्जी एपीके फाइलें, फिशिंग लिंक, उपहारों के ऑफर और कूरियर संदेश भेजकर व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुरा रहे हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और अज्ञात फाइलों को डाउनलोड करने या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने का आग्रह किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) वीके सिंह ने कहा कि साइबर अपराधी व्हाट्सएप के माध्यम से 'रक्षाबंधनडॉटग्रिटिंगडॉटएपीके' और

'फैस्टिवल डॉट ग्रिफ्ट डॉट एपी के जैसी फाइलें भेज रहे हैं। इस तरह की एपीके फाइलों को डाउनलोड और इंस्टॉल करने से साइबर अपराधियों को मोबाइल फोन पर मौजूद संवेदनशील जानकारी और कार्यों तक पहुंच मिल सकती है, जिसमें कैमरा, गैलरी, संदेश और बैंकिंग एप्लिकेशन शामिल हैं। धोखेबाज रक्षा बंधन के विशेष ऑफर, मुफ्त गिफ्ट वाउचर, मोबाइल रिचार्ज और भारी छूट के आकर्षक संदेश भेज रहे हैं। इन संदेशों में अक्सर फर्जी वेबसाइटों के लिंक होते हैं, जिनका उद्देश्य बैंकिंग संबंधी जानकारी और अन्य व्यक्तिगत डेटा चुराना होता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34274/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2026
रायपुर, दिनांक 14.08.2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र. क्र. 34274
वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR 104A0210A जो की निगम अभिलेख श्री DULAR DAS पिता/पति श्री MAHETTAR DAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री BHUNESHWAR DAS पिता /पति श्री DULAR DAS ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ BATWARANAMA SAPATH PATRA TAX RASID / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34394/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2026
रायपुर, दिनांक 14.08.2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र. क्र. 34394
वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR 104H00275 जो की निगम अभिलेख श्रीमती MEENA GAYAKWARD पिता/पति श्री PRAKASH GAYAKWARD के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती INDRANI DHOBI पिता /पति श्री JITRAM DHOBI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ MALAMA BIKRINAMA TAX RASID SAPATH PATRA ADHAR CARD / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34402/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2026
रायपुर, दिनांक 14.08.2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र. क्र. 34402
वार्ड का नाम - 5- बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR 105D0426A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANTRAM SAHU पिता/पति श्री GAUKARAN SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री SHIVSING पिता /पति श्री LATE. SANTRAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SAHMATI PATRA ADHAR CARD TAX RASID SAPATH PATRA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34403/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2026
रायपुर, दिनांक 14.08.2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र. क्र. 34403
वार्ड का नाम - 5- बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR 105D0426B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANTRAM SAHU पिता/पति श्री GAUKARAN SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री PUNU RAM SAHU पिता /पति श्री SANTRAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SAPATH PATRA SEHMATI PATRA ADHAR CARD TAX RASID / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID -rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34393/न.पा.नि./
जोन क्र.- 1/2026
रायपुर, दिनांक 14.08.2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र. क्र. 34393
वार्ड का नाम - 5- बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR 105C0358A जो की निगम अभिलेख श्रीमती URMILA SHAH पिता/पति श्री LATE SURENDRA SHAH के नाम से दर्ज है जिसको श्री BAJRANGI SHAH पिता /पति श्री LATE. SURENDRA SHAH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ Sapth patra batwaranama adhar card tax rasid / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./32628/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 06.07.2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र. क्र. 32628
वार्ड का नाम - 66- वामनराव लाखे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 66 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR 664A00177 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AISHWARYA DEVI पिता/पति श्री KAMLESH KUMAR KAUSHIK के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती श्री AMAR SHAW पिता/पति श्री GANGA RAM SHAW ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री खीरसागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रिमझिम फुहारों के बीच खेल प्रतिभाओं ने भरी उड़ान

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। रिमझिम फुहारों के बीच खुशनुमा और उत्साहपूर्ण माहौल में मंगलवार को पेण्ड्रा के फिजिकल कॉलेज मैदान में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने ध्वजारोहण कर 18 से 21 अगस्त तक चलने वाली चार दिवसीय प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। उद्घाटन समारोह में खेल प्रतिभाओं के उत्साह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक मार्चपास्ट ने पूरे वातावरण को खेलमय बना दिया।

प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 540 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभागी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलने की दिलाई शपथ

उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल नियमों का पूर्ण पालन करते हुए सच्चे अनुशासन, निष्ठा और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। उन्होंने खिलाड़ियों से अपने खेल के गौरव, राज्य के सम्मान और खेल भावना की उच्च परंपराओं को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया।

उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों एवं अतिथियों का जीपीएम की धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि अब खेल को देखने का नजरिया बदल गया है। खेल में हम या तो जीतते हैं या सीखते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल को ऐसे खेलें कि वह पढ़ाई बन जाए और पढ़ाई को ऐसे पढ़ें कि वह खेल बन जाए।

साहू ने खिलाड़ियों को तनाव और अवसाद से मुक्त होकर पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता में जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चार खेल विधाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे 540 खिलाड़ी

चार दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिम्नास्टिक, कबड्डी, क्रिकेट और ताइक्वांडो की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए ट्रांसमिशन कंपनी के आठ अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी में क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले आठ अधिकारी एवं कर्मचारियों को आयोजित सम्मान समारोह में प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित अधिकारी-कर्मचारियों का चयन वर्षभर के दौरान तकनीकी दक्षता, परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, नवाचार, विद्युत प्रणाली की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता बनाए रखने तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उल्लेखनीय कार्य निष्पादन के आधार पर किया गया।

सम्मानित होने वालों में महासमुंद के 132/33 केव्ही उपकेंद्र झलप एवं बागबाहरा की सहायक अभियंता लता जगत को 63 एमव्हीए ट्रांसफार्मरों की समयबद्ध स्थापना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में विद्युत प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने, भिलाई के कर्मशाला संभाग के परिचारक श्रेणी-दो (ला.) वेदराम यादव को जटिल ट्रांसमिशन संरचनाओं एवं 220 केव्ही टावरों के लिए विशेष टेम्पलेट तैयार कर निर्माण कार्य को सरल बनाने, रायगढ़ के अति उच्च दाब (निर्माण) उपसंभाग के परिचारक श्रेणी-एक (लाईन) सत्य प्रकाश राठौर को ग्रामीण क्षेत्रों की चुनौतियों के बीच घरघोड़ा-बरौद 132 केव्ही लाइन निर्माण कार्य समय से पूर्व पूर्ण कराने, भिलाई के 400 केव्ही उपकेंद्र खेदामारा के परीक्षण सहायक श्रेणी-एक जे. कृष्णामूर्ति को 400/220/33 केव्ही 105 एमवीए यूनिट-1 की स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा आपात स्थिति में त्वरित तकनीकी कार्रवाई के लिए, अंबिकापुर के सिविल संभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटर सुमित कुमार सिंह को सीमित मानव संसाधनों के बीच कार्यालयीन कार्यों के सफल संचालन एवं उपकेंद्रों के लिए वन भूमि आबंटन में उल्लेखनीय सहयोग के लिए, रायपुर मुख्यालय की प्रबंधक (वित्त) अमृता व्यास को एपीआई आधारित मशीन-टू-मशीन भुगतान प्रणाली विकसित कर भुगतान प्रक्रिया के सफल डिजिटलीकरण के लिए, रायपुर के अति उच्च दाब (निर्माण) संभाग के लाइन सहायक श्रेणी-दो हीरा सिंह ध्रुव को एनएमडीसी बचेली के लिए 132 केव्ही लाइन निर्माण में विभिन्न विभागों एवं स्थानीय लोगों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर कार्य को सफल बनाने के लिए तथा बिलासपुर के 132 केव्ही उपकेंद्र तिफरा की सहायक अभियंता वीणा ध्रुव को नौ उपकेंद्रों का अतिरिक्त दायित्व निभाते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्य निष्पादन तथा नवीन पावर ट्रांसफार्मरों की सफल चार्जिंग में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एससी-एसटी कर्मचारियों को हाईकोर्ट से राहत, डिमोशन आदेश निरस्त

विश्व केसरी

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के पदावनति से जुड़े मामले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को बड़ी न्यायिक राहत मिली है। विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को उनके मौजूदा पदों से नीचे के पदों पर पदावनत किए जाने के फैसले के खिलाफ कर्मचारियों ने माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर का दरवाजा खटखटाया था।

मामले में आरोप था कि तृतीय वर्ग के कर्मचारियों को चतुर्थ वर्ग, द्वितीय श्रेणी लिपिक को निम्न श्रेणी लिपिक, प्रथम श्रेणी लिपिक को द्वितीय श्रेणी लिपिक, कनिष्ठ अधीक्षक को प्रथम श्रेणी लिपिक, वरिष्ठ अधीक्षक को कनिष्ठ अधीक्षक तथा कक्ष अधिकारी को वरिष्ठ अधीक्षक के पद पर पदावनत किया गया। बताया गया कि इस कार्रवाई से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के करीब 60 कर्मचारी प्रभावित हुए। कर्मचारियों ने पदावनति के खिलाफ आपत्तियां दर्ज कराईं, लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा उनकी आपत्तियों को खारिज कर दिया गया। इसके बाद प्रभावित कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद विश्वविद्यालय के निर्णय पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों को खारिज करने का विश्वविद्यालय का निर्णय कानून की दृष्टि से मान्य नहीं है।

'बने खाबो-बने रहिबो 2.0' अभियान के प्रथम दिवस प्रदेशभर में व्यापक कार्रवाई

विश्व केसरी

रायपुर। रक्षाबंधन सहित आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा 'बने खाबो-बने रहिबो 2.0' सात दिवसीय विशेष जन-जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के प्रथम दिवस 17 अगस्त को प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिठाई दुकानों, होटल-रेस्टोरेंट, कन्फेक्शनरी, थोक विक्रेताओं, खाद्य निर्माण इकाइयों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण एवं नमूना संकलन किया गया।

अभियान का उद्देश्य केवल मिलावटखोरी के विरुद्ध कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य निर्माण, उचित लेबलिंग, व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण तथा उपभोक्ताओं को जागरूक करना भी है।

महासमुंद में एनालॉग पनीर के विरुद्ध देर रात बड़ी कार्रवाई

महासमुंद जिले के भलेसर रोड स्थित वैद्य फूड प्रोडक्ट फैक्टरी में एनालॉग पनीर निर्माण संबंधी शिकायत पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा देर रात छापामार कार्रवाई की गई। लगभग तीन घंटे चली कार्रवाई में परिसर की गहन जांच की गई तथा मौके पर उपलब्ध लगभग 300 किलोग्राम तैयार पनीर को कोल्ड स्टोरेज में रखकर सील किया गया। पनीर के नमूने की जांच की कार्रवाई नियमानुसार आगे की जाएगी तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई निर्धारित होगी।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक नमूना संकलन एवं निरीक्षण

रायपुर के डूमरतराई होलसेल मार्केट से सोन केक, गुलाब जामुन एवं रसगुल्ला के 03 विधिक नमूने लिए गए। दुर्ग में कन्फेक्शनरी दुकानों का निरीक्षण कर 02 विधिक एवं 02 निगरानी नमूने संकलित किए गए। बालोद में पनीर, खोवा एवं बूंदी लड्डू के 03 विधिक नमूने लिए गए तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। बिलासपुर में मिथ्याछाप पाए गए बर्फी के 23 कार्टून, लगभग 102 किलोग्राम माल को सीज कर नमूना जांच हेतु भेजा गया। अन्य प्रतिष्ठान से खस्ता मिठाई का नमूना भी लिया गया। कोरबा में मैसूर पाक एवं नारियल लड्डू के विधिक नमूने लिए गए तथा लगभग 10,000 मूल्य के मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखे गए। रायगढ़ में खोवा, कलाकंद एवं पैक्ड नारियल लड्डू के नमूने लिए गए। बिना लेबल खाद्य पदार्थों के विक्रय एवं खरीद पर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। कांकेर में पेड़ा का 01 विधिक तथा गठिया एवं बूंदी के 02 निगरानी नमूने लिए गए। राजनांदगांव में पनीर का विधिक तथा दही, पेड़ा एवं लड्डू के निगरानी नमूने लिए गए।

कबीरधाम में खोया बर्फी एवं पनीर के विधिक नमूने संकलित किए गए। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में कन्फेक्शनरी मिठाई, घी, चॉकलेट/फ्रूट जैली एवं समोसा सहित कुल 04 विधिक नमूने लिए गए। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में कन्फेक्शनरी का विधिक नमूना तथा सीएम पोर्टल से प्राप्त शिकायत के आधार पर 01 विधिक एवं 01 निगरानी नमूना लिया गया।

निधन

रायपुर। बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के पूज्य पिता व्यास नारायण शर्मा का आज 16 अगस्त 2026 को निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे निरंजना शर्मा के पति एवं शुभांक शर्मा के पिता थे। उनकी अंतिम संस्कार दिनांक 17 अगस्त 2026 महासमुंद मुक्तिधाम में किया गया। बीज विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, पूर्व विधायक पूनम चंद्राकर, भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू सहित अन्य शहर की गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुप्रिया श्रीनेत और नेहा सिंह राठौर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी

रायपुर। तिरंगे को लेकर सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट के मामले में कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा सिंह राठौर के खिलाफ रायपुर में एफआईआर दर्ज हुई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता उज्जवल दीपक की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि धमतरी के कुरूद से जुड़ी पुरानी तस्वीरों और वीडियो को स्वतंत्रता दिवस के संदर्भ में शेयर किया गया।

शिकायत के मुताबिक, पोस्ट में दावा किया गया था कि भाजपा नेताओं ने राष्ट्रीय ध्वज की जगह क्ष्क्ष्क्ष्का झंडा फहराया। भाजपा का आरोप है कि संबंधित तस्वीरें और वीडियो 15 अगस्त के नहीं, बल्कि 22 मार्च 2026 के एक कार्यक्रम के हैं। पुलिस ने पहली नजर में BNS की धारा 336(4), 353(2) और 196 के तहत एफआईआर दर्ज की है। अब पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

1.8 लाख आगंतुक, 23 देशों के 347 विदेशी प्रतिनिधि, 5,000 करोड़ रुपए से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित : अमर पारवानी

विश्व केसरी

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि भारत मंडपम, नई दिल्ली में कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एवं इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चार दिवसीय भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ। यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल और आत्मनिर्भर भारत' के विज़न को आगे बढ़ाने वाला देश के सबसे बड़े व्यापारिक आयोजनों में से एक बनकर उभरा। CAIT के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी ने बताया कि महोत्सव में व्यापारियों, निर्माताओं, निर्यातकों, स्टार्टअप्स, निवेशकों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, उपभोक्ताओं तथा विदेशी खरीदारों सहित 1.8 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। खरीदार-विक्रेता बैठकों, व्यापारिक संवादों, सोर्सिंग चर्चाओं एवं साझेदारी वार्ताओं के परिणामस्वरूप 5,000 करोड़ रुपए से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित हुए हैं।

महोत्सव की एक प्रमुख विशेषता इसकी मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी रही। 23 देशों के 347 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लेकर भारतीय उद्यमों के साथ सोर्सिंग, रणनीतिक साझेदारी, संयुक्त उपक्रम, तकनीकी सहयोग, कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग तथा दीर्घकालिक व्यापारिक संबंधों की संभावनाओं पर चर्चा की।

छत्तीसगढ़ की बड़ी भागीदारी ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव

भारतीय व्यापार महोत्सव में छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में व्यापारियों एवं बिजनेस डेलीगेट्स ने सहभागिता की। ष्ठङ्क्ष् छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया की अमर पारवानी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल ने बड़ी संख्या में महोत्सव में सक्रिय भागीदारी निभाई।

नई उड़ान के साथ शुभम के मार्ट का 7वाँ वार्षिक सम्मेलन

विश्व केसरी

रायपुर। शुभम के मार्ट प्राइवेट लिमिटेड का 7वाँ वार्षिक सम्मेलन – वित्तीय वर्ष 2025-26, 18 अगस्त 2026 को प्रधान कार्यालय, रायपुर में उत्साह और गौरव के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम की विषय-वस्तु 'नई उड़ान' रही, जिसका संदेश था — 'हर व्यक्ति योगदान दे सकता है और हर व्यक्ति बेहतर परिणाम दे सकता है।'

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष श्री विजय कंकरीया जी एवं निदेशक श्री शुभम कंकरीया जी उपस्थित रहे। उनके साथ क्षेत्र प्रमुख, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ क्षेत्र के सभी शुभम के मार्ट स्टोरों के स्टोर प्रबंधक और सहायक स्टोर प्रबंधक की टीमों ने भाग लिया। स्टोर और प्रधान कार्यालय एवं कॉर्पोरेट टीम के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

यह वार्षिक सम्मेलन कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और टीम भावना को पहचान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। कार्यक्रम में बिक्री एवं संचालन – लक्ष्य बनाम उपलब्धि, सर्वश्रेष्ठ स्टोर प्रबंधक एवं सहायक स्टोर प्रबंधक, वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी 2025-26, क्षेत्रवार प्रदर्शन, स्टोर प्रशंसा, कॉर्पोरेट एवं प्रधान कार्यालय प्रशंसा तथा विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट प्रदर्शन सहित कई श्रेणियों में पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग एवं कमल विहार स्टोर टीम द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। इसके साथ ही मानव संसाधन विभाग के असाधारण प्रदर्शन को भी विशेष रूप से सराहा गया।

इस अवसर पर कंपनी के आगामी विस्तार की योजनाओं की भी घोषणा की गई। शुभम के मार्ट द्वारा जल्द ही बलौदा बाजार, जगदलपुर और डोंगरगढ़ में तीन नए स्टोर शुरू किए जाने की घोषणा की गई। कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि जल्द ही महाराष्ट्र में भी अपने कारोबार का विस्तार किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए कंपनी ने मार्च 2027 तक 1,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य कंपनी की विकास यात्रा को नई दिशा देने के साथ-साथ सभी कर्मचारियों के लिए एक नई चुनौती और अवसर भी प्रस्तुत करता है।

कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया और इसका नेतृत्व सुश्री शालिनी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम ने यह संदेश मजबूत किया कि कंपनी की सफलता केवल किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी के योगदान, टीमवर्क और सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

नई उड़ान की भावना के साथ शुभम के मार्ट ने अपने अगले विकास चरण की ओर कदम बढ़ाया है—जहाँ हर वर्ग योगदान देगा और बेहतर प्रदर्शन करेगा और पूरी टीम मिलकर नई ऊंचाइयों को हासिल करेगी।

बच्चों की लोटे फेवरेट चोको पाई पर एक्शन, छत्तीसगढ़ में लगेगा प्रतिबंध

विश्व केसरी

दुर्ग। बच्चों की लोटे फेवरेट चोको पाई को लेकर बड़ी खबर है,,दुर्ग में चोको पाई के एक पूरे बैच को अमानक पाए जाने के बाद खाद्य एवं औषधि विभाग ने इसकी बिक्री और भंडारण पर रोक लगा दी है,,अब पूरे छत्तीसगढ़ में इस पर बैन की तैयारी की जा रही है।

बच्चों को पसंद आने वाली चॉकलेट और उसके अंदर अगर क्वालिटी का सवाल खड़ा हो जाए तो चिंता होना लाजिमी है। मामला दक्षिण कोरिया के लोट्टे ग्रुप की चोको पाई से जुड़ा है,,भोपाल में हुई जांच की रिपोर्ट में एनएम 10 डीसी 2, 672 ग्राम पैक वाला पूरा बैच अमानक पाया गया है,,रिपोर्ट मिलते ही दुर्ग में इस बैच की बिक्री और स्टोरेज पर रोक लगा दी गई,,अब विभाग सैंपल की दोबारा जांच दिल्ली की केंद्रीय लैब से भी कराने जा रहा है, वहीं, पूरे छत्तीसगढ़ में प्रतिबंध लगाने के लिए कमिश्नर दुर्ग को पत्र भेजा गया है,,विभाग ने डिस्ट्रीब्यूटर और चेन्नई स्थित कंपनी से भी जानकारी मांगी है,,ताकि पता चल सके कि इस बैच का कितना उत्पादन हुआ और देश के किन-किन राज्यों में इसकी सप्लाई की गई,,दुकानदारों को साफ निर्देश हैं,,इस बैच की चोको पाई बेचनी नहीं है,,बल्कि डिस्ट्रीब्यूटर को वापस लौटानी है, फिलहाल रोक सिर्फ अमानक पाए गए इसी बैच पर है,,अब दिल्ली की केंद्रीय लैब की रिपोर्ट बताएगी कि मामला कितना गंभीर है और इसकी सप्लाई का दायरा आखिर कहां तक पहुंचा है।

संपादकीय

साहित्य और प्रकाशन के धूमकेतु थे संजीव कुमार

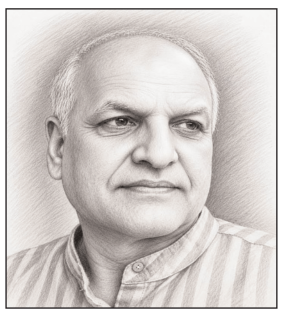

गिरीश पंकज

डॉ. संजीव कुमार साहित्य और प्रकाशन-जगत में पिछले कुछ वर्षों में धूमकेतु की तरह उदित हुए और 17 अगस्त की सुबह दुनिया तहलका मचा कर अस्त हो गए.कुछ वर्षों पहले तक इस नाम से साहित्य जगत परिचित नहीं था। धीरे-धीरे परिचित होना शुरू हुआ। इंडिया नेट बुक्स के माध्यम से लोग उन्हें जानने-पहचानने लगे। फिर उसी प्रकाशन से उनकी अपनी पुस्तकें भी प्रकाशित होने लगी। जिनकी संख्या 400 तक पहुँच गई.वे महत्वपूर्ण अधिवक्ता भी थे । सो विधि संबंधी उनकी तीस चालीस किताबें पहले से थी। वर्षों पहले वे एक कारपोरेट घराने से उच्च पद पर आसीन थे इसलिए स्वाभाविक है कि उनका लेखक रूप वहाँ रहते हुए प्रकट नहीं हो पाया। हालांकि उस समय भी लिख रहे थे। लेकिन जब उन्होंने व कॉरपोरेट हाउस छोड़ा और स्वतंत्र रूप से लेखन-प्रकाशन के क्षेत्र में सक्रिय हुए, तब उनके दोनों भव्य रूप लोगों ने देखे।

संजीव कुमार के साथ सबसे अच्छी बात यह थी कि वह प्रतिभाओं को भी पहचानते थे.यही कारण है कि कुछ वर्ष पहले जब वे पहली बार बिलासपुर में मुझसे मिले, तो उन्होंने आग्रह करके कुछ पुस्तकें अपने प्रकाशन से निकाली। उनकी कुछ पुस्तकों की भूमिकाएँ भी मैंने लिखी। एक लेखक प्रकाशक होते हुए उनका विनम्र स्वभाव अद्भुत था। नोएडा स्थित उनके निवास पर कई रुका। उनकी पत्नी डॉ. मनोरमा के सुव्यवहार

को भी देखा। ऐसे दम्पती कम दिखाई देते हैं। वे खुद अच्छी लिखती हैं लेकिन अब उनका लिखना कम हुआ है क्योंकि अब वे प्रकाशन-प्रबंधन अधिक देखती है। उन्होंने मुझसे यह कहा कि ''लिखने का जिम्मा मैंने संजीव कुमार जी को दे दिया है।''

संजीव कुमार की जब सौवीं पुस्तक 'आज की मधुशाला' प्रकाशित हुई, तो उनके परिवार ने दिल्ली में एक भव्य आयोजन किया। उसमें देश के कुछ चुनिंदा लोगों को शामिल होने का आत्मीय निमंत्रण संजीव जी ने दिया। मुझे भी उन्होंने बुलाया। अपने घर पर ठहराया। एक पंचतारा होटल में यादगार आयोजन हुआ, जिसमें दिल्ली के भी कुछ महत्वपूर्ण लेखक शामिल हुए । सबने संजीव कुमार की सक्रियता की तारीफ की। उनके बेटी-दामाद 'शतकवीर' के आयोजन में शामिल होने अमेरिका से आए। मैंने वहाँ यह बात कही कि लेखक और प्रकाशक के रूप में पहले भी कुछ लोग सक्रिय रहे हैं। मैंने दो नाम लिए, उपेंद्रनाथ अश्क और प्रेमचंद के। ये दोनों सक्रिय लेखक थे और प्रकाशक भी। उसी परंपरा में संजीव कुमार भी अब एक नाम है।

संजीवकुमार ने अहल्या, गौतम और इंद्र को लेकर जो प्रचलित आख्यान हैं, उसके विपरीत शोध करके अपनी एक अलग स्थापना दी है, वह बेहद महत्वपूर्ण है। आँखें खोल देने वाली। पुरानी मान्यताओं को खंडित कर के नई स्थापनाएँ देना या उससे परिचित कराना भी एक सजग कवि का धर्म है। मुझे कवि संजीव की अध्ययनशीलता अभिभूत करती थी । कवि ने अपनी इस कृति को काव्य-उपन्यास कहा। पौराणिक आख्यानों की भाषा खड़ी बोली में उतना सुखकर प्रतीत नहीं होती। तत्सम-प्रयोग से रचना की प्रभविष्णुता और सघन हो जाती है। 'अश्मा' शब्द हिंदी में कम प्रचलित है।

संजीव कुमार की एक और कृति है 'खामोशी की चीखें'। इसकी भूमिका में मैंने लिखा कि हमारे समय की जो खामोश चीखें हैं, उसे केवल कवि सुन सकता है। हर कवि नहीं, केवल सच्चा कवि। कश्मीर की पीड़ा को बहुत कम लोगों ने व्यक्त किया। कश्मीर के बाहर रहने वाले कुछ निकृष्ट लेखकों ने गलत इतिहास लिखने की भी कोशिश की, जो निंदनीय है। कश्मीर की हिन्दू महिलाओं के साथ होने वाले दुराचारों को पढक़र मन पीड़ा से भर उठता है। जब हजारों पंडित कश्मीर से पलायन करते हैं, तो मन गुस्से से भर जाता है। इन सब की पीड़ा को ईमानदारी के साथ स्वर दिया संजीव कुमार ने । डॉ. संजीव कुमार के विपुल लेखन को देखते हुए यही निष्कर्ष निकलता है कि वे बेहद परिश्रमी व्यक्ति थे और अपने सारे कामों के बीच संतुलन बना कर चलते थे । ऐसा संतुलन बहुत कम ही दृष्टव्य होता है, कि एक व्यक्ति अधिवक्ता भी थे,साहित्यकार भी और प्रकाशक भी। समाजसेवी भी थे ।

'लगन की पैनी धार और मुस्कुराती मंज़िलें'

डॉ. अरविन्द नेरल, एम. डी.

सफलता सरलता से नहीं मिलती है, लेकिन इतना जरूर ध्यान रखें कि इसे पाना सरल है ..... आसान नहीं। यह आमधारणा सही नहीं है कि सफल लोग ज़्यादा प्रतिभाशाली और योग्य होते हैं। दरअसल, जिनके जीवन का कोई लक्ष्य नहीं होता वे दूसरे को खुद से ज्यादा प्रतिभाशाली मानने लगते हैं । अपने ही भीतर छिपी योग्यताओं और गुणों को विकसित करने की कोशिश नहीं करते और उनका सकारात्मक दोहन करने से वंचित रह जाते हैं। दूसरों से तुलना के आधार पर वे अपनी अकर्मण्यता को तर्कसंगत ठहराने लगते हैं । दुनिया के सफ़ल व्यक्तियों के अध्ययन ने ये साबित किया है कि प्रतिभा, नैसर्गिक योग्यता और बाहरी छवि का सफलता से बहुत कम सरोकार होता है। कभी भी शिक्षा को बुद्धिमता के साथ भ्रमित न करें । जिनके पास पी. एच. डी. है, वे भी असफल हो सकते हैं । दृढ़ इच्छाशक्ति हमेशा योग्यता को हरा देती है। जब इच्छाएं मजबूत होती हैं, तब उन्हें पूरा करने अलौकिक शक्ति आ ही जाती है। कांटों से भी गुलदान सजा लेने का हुनर हो तो फूलों की जरूरत नहीं होती। मालूम हो कि कैक्टस भी खूबसूरत हो सकते हैं । लगन की धार पैनी हो तो मंज़िलें भी मुस्कुराती हैं।

'कदम चूम लेती है खुद आकर मंज़िल
मुसाफिर गर अपनी हिम्मत न हारे'

सफलता परिस्थितियों पर पूर्णत: आश्रित नहीं होती है। अनुकूल परिस्थितियाँ न होने के बहाने बनाकर कुछ लोग ईनामदार कोशिश ही नहीं करते हैं। वे भूल जाते हैं कि बिलगेट्स ने माइक्रोसॉफ्ट कंपनी 19 वर्ष की उम्र में बनाई थी , वहीं कर्नल सैंडर्स ने के. एफ. सी. की शुरुआत 65 साल की उम्र में की थी। जब सपने पर्याप्त बड़े हों, तो परिस्थितियों से कोई फर्क नहीं पड़ता है । बोगनविलिया की भांति विपरीत मौसम, कठोर जमीन और प्रतिकूल परिस्थिति में पनपते और खिलते रहने का जज़्बा होना चाहिए। सफल होने के लिए, सफल होने की इच्छा असफल होने के डर से ज़्यादा शक्तिशाली होना चाहिए। दौड़ते हुए घोड़ों ओर उगते हुए सूरज की तस्वीरें लगाने से सफलता नहीं मिलती। सफलता पाने के लिए सूरज से पहले जागना और घोड़ों से तेज़ भागना होता है ।अगर मेहनत आदत बन जाए तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है।

'मुश्किलें तो आयेंगी, हौसलों से रिश्ता रखिए
मंज़िलो को पाना है तो रास्तों से रिश्ता रखिए।'

ये मान लेना गलत है कि दुनिया में बड़े अवसर सिर्फ गिने-चुने होते हैं और वे कुछ खुशकिस्मत लोगों को ही मिल पाते हैं। सफलता कोई लॉटरी नहीं है, जिससे सिर्फ निश्चित संख्या में ही लोग सफल हो पायेंगे। तन-मन-धन से अपने सपनों का पीछा करें, खुशकिस्मती अचानक सामने खड़ी नज़र आयेगी। ऊंचे लक्ष्य, सकारात्मक दृष्टिकोण, सही जीवन मूल्य और कड़ी मेहनत हर इंसान की पहुंच के भीतर है। ऐसे कोई सफल और मजबूत इंसान नहीं हैं, जिनका अतीत आसान रहा हो। संघर्षों की कहानी पर ही सफलताओं के शीर्षक होते हैं। और फिर, संघर्ष की रात जितनी अंधेरी होती है, सफलता का सूरज उतना ही तेज़ चमकता है। कामयाब होने के लिए रफ्तार और निरंतरता दोनों का होना जरूरी है, क्योंकि कछुआ या खरगोश केवल कहानियों में ही जीतते हैं। कुछ बनना है तो वनवास भोगना होगा, घर की वातानुकूलित सुख-सुविधाओं में आप राम नहीं बन सकते। एक उदाहरण है: अमेरिका के तैराक माइकल फ्लेप्स , जिन्होंने ओलंपिक में 23 स्वर्ण के साथ कुल 28 पदक हासिल किये, जो आज भी एक रिकॉर्ड है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि यह कोई भाग्य का खेल नहीं था और न ही अचानक प्राप्त कोई उपलब्धि। ये कई सालों की तैयारी का प्रतिफल था, जिसमें वे 10 से 12 घंटे प्रतिदिन प्रैक्टिस करते थे। साल के पूरे 365 दिन औसतन रोज तीन कि.मी. की तैराकी किया करते थे। यह कोई मज़ाक नहीं। बहुत मुश्किल काम पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से किया, जिसे 'टारगेटेड प्रैक्टिस' कहते हैं।

'मैं कभी हाथों की लकीरों में नहीं उलझा
मैं जानता हूं किस्मत का लिखा भी बदलता है।'

सफल होने के लिए कुछ गलत अवधारणाओं को नज़रअंदाज़ कर नकार देना चाहिए। धोखा देकर, चोरी कर, झूठ बोलकर, भ्रष्टाचार और बेईमानी से कुछ समय के लिए सफल हुए लालची और महत्वाकांक्षी लोग लगभग हमेशा अपने जहाज को चट्टानों से टकरा देते हैं। ऐसे लोग न सिर्फ असम्माननीय और तिरस्कृत होते हैं, बल्कि बहुत दयनीय अंत के हक़दार होते हैं। वे धनवान तो बन जाएंगे लेकिन जीवन के सचमुच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शायद ही कभी दौलतमंद हो पायेंगे। चप्पल चूम कर मिली सफलता अस्थाई और असम्माननीय होती है, जबकि चप्पल घिसकर मिली सफलता स्थाई, सम्माननीय और वंदनीय होती है। इंसान महान उपलब्धियां तभी हासिल कर पाता है, जब वो अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाता है और अपने संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करता है। अपने सामर्थ्य का पूरा दोहन न करना स्वयं के प्रति एक अपराध है। सफलता का सबसे बड़ा दुश्मन है 'डर'। जब भी अवसर दरवाजा खटखटाए, साहस को दरवाजा खोलने के लिए भेजें। अगर अवसर दस्तक न दे तो नया दरवाजा बनायें। जब तक आप किनारे छोड़ने का साहस नहीं उठाएंगे तब तक नए द्वीप की तलाश असंभव है। महत्वाकांक्षा, साहस, प्रबल प्रेरणा, कड़ी मेहनत, जुनून और ईमानदार कोशिशों का प्रभावी समन्वय सफलता की गारंटी होती है। यदि आपने ऊंची उड़ान का हौसला बना लिया है तो कद आसमान का छोटा नज़र आयेगा।

''बुलंदी पर कभी होश में पहुंचा नहीं कोई
बुलंदी पर पहुंचना हो तो पागल होना पड़ता है।'

प्रोफेसर पैथालॉजी
रायपुर इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस 893098540

भारतीयता की वैचारिक लड़ाई

पार्थसारथि थपलियाल

भारतीय शिक्षा व्यवस्था केवल परीक्षा, डिग्री और रोजगार का माध्यम नहीं है। वह यह भी तय करती है कि आने वाली पीढ़ियाँ अपने देश, समाज, संस्कृति और इतिहास को किस दृष्टि से देखेंगी। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ज्ञान-परंपरा, भारतीय भाषाओं, प्राचीन शिक्षा-पद्धति और सांस्कृतिक विरासत को शिक्षा के मुख्य प्रवाह में अधिक स्थान देने की कोशिश हुई है। शिक्षा मंत्रालय भारतीय ज्ञान-प्रणाली को पाठ्यक्रम में समाहित करने को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण अंग मानता है। शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जिन्हें एक सुनियोजित योजना के अंतर्गत नीट पेपर लीक मामले में अराजकता का माहौल बनाकर त्यागपत्र देने के लिए मजबूर किया गया, उसी प्रकार की स्थिति में न पंजाब के मुख्यमंत्री से त्यागपत्र मांगा गया न झारखंड में मुख्यमंत्री से। नीट पेपर लीक मामले में अमेरिका से आये तिलचट्टा लोग जो अराजक आंदोलन में केजरीवाल की नीतियों के समर्थक रहे उसमें विदेशी फंडिंग के सहयोग से राजनीतिक स्वरूप दिया गया। आखिर ऐसा क्यों किया गया? इसी पृष्ठभूमि में धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यकाल को देखना चाहिए। उनके कार्यकाल में NCERT की नई पुस्तकों में भारतीय ज्ञान-परंपराओं और देशज ज्ञान को समाहित करने की दिशा में संस्थागत प्रयास हुए हैं। NCERT के अनुसार नई पाठ्यपुस्तकों में भारतीय ज्ञान-प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान तथा पारंपरिक ज्ञान-पद्धतियों को विभिन्न विषयों में शामिल किया गया है। यह परिवर्तन केवल पाठ्यपुस्तक का परिवर्तन नहीं है, यह उस दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत है जिसमें भारत के अतीत को केवल औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टि से देखने के बजाय भारतीय स्रोतों और अनुभवों को भी महत्त्व दिया जा रहा है। इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में पुरानी वैचारिक धारणाओं और नई इतिहास-दृष्टि के बीच संघर्ष स्वाभाविक है। भारतीय इतिहासलेखन में मार्क्सवादी इतिहासकारों का प्रभाव लंबे समय तक अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों में रोमिला थापर, इरफान हबीब, आर. एस. शर्मा और बिपिन चंद्र जैसे इतिहासकारों को मार्क्सवादी इतिहासलेखन की परंपरा के प्रमुख प्रतिनिधियों के रूप में पढ़ाया गया है। इसका अर्थ यह नहीं कि उनके समस्त शोध को असत्य अथवा बेईमानी कह दिया जाए, लेकिन जब हम भारत के गौरवमय इतिहास को जानना चाहते हैं उसमें भारतीयता का अभाव है। हमे भारत के गौरव की जगह मुगलों की महानता पढ़ाई गई। भारत के सांस्कृतिक वैभव का कहीं उल्लेखनीय इतिहास नहीं लिखा गया। सिख गुरुओं के बलिदान को संदर्भो में निबटा दिया गया। चित्तौड़ के शौर्य को केवल रानी पद्मिनी की सौंदर्य के लिए युद्ध के रूप में पढ़ाया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज, शंभा जी महाराज, महाराणा प्रताप, गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान, गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान की कहानी, भाई मति दास, सती दास, भाई परमानंद, को इतिहास में क्या स्थान मिला। भारतीय स्थापत्य को इतिहासकारों ने वह महत्व नहीं दिया, जो मिलना चाहिए था।भारत को सर्वधर्म समभाव की दृष्टि रखता है उसे जातीयता के रूप में इतिहासकारों ने लिखा। परंतु यह प्रश्न अवश्य पूछा जाना चाहिए कि क्या इतिहास-लेखन में किसी एक विचारधारा का अत्यधिक प्रभुत्व दूसरे स्रोतों, दृष्टियों और राष्ट्रीय अनुभवों को पर्याप्त स्थान देता रहा? यही वह प्रश्न है जिस पर आज गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। रोमिला थापर स्वयं इतिहास और विचारधारा के संबंध को स्वीकार करती रही हैं और उन्होंने इतिहास के राजनीतिक उपयोग पर बहस की है। इसलिए भारतीय इतिहास पर बहस को 'एक पक्ष सत्य और दूसरा पक्ष झूठ' की सरल श्रेणी में रखना उचित नहीं होगा।

धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांगों को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। हाल के वर्षों में परीक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, NTA और विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर उनके इस्तीफे की मांग उठी है। लोकतंत्र में ऐसी मांग विपक्ष और नागरिक समाज का वैध अधिकार है।

बोध कथा

कर्तव्य का बोध

एक किसान को विरासत में खूब धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता और गप्प हांकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते।

एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे।

यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुंचा। महात्मा ने किसान से कहा, 'हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।'

अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ।

किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फुर्ती से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन उसे श्वेत नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, 'तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ 'कर्तव्य' है।' यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

कविता

'मैं' से 'हम' तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

मैं से हम तक चल पड़े, बदले मन के भाव।
मिल-जुलकर जब बाँट लें, आधा हो हर घाव॥

मैं की सीमा छोड़कर, हम का थामें हाथ।
हाथ चलें तो दूर हो, जीवन की हर रात॥

मैं-मैं करते रह गए, छूट गया संसार।
हम बनकर जो जी लिए, मिल जाता परिवार॥

अपना सुख ही क्यों चुनें, बाँटें सबके भाग।
दूजों के चेहरे खिले, मिटे हृदय का दाग॥

तेरा-मेरा छोड़कर, अपना मानें गाँव।
मिल-जुलकर जब हम रहें, महके अपनी छाँव॥

एक अकेला दीप है, मिलकर बने उजास।
एकता की लौ जले, मिटे मनों की प्यास॥

मैं छोटा या तू बड़ा, इससे क्या सम्मान।
साथ खड़े जब हम रहें, ऊँचा हो इंसान॥

जाति-धर्म की दीवारें, मन से दें हम तोड़।
मानवता की राह पर, प्रेम-सुमन दें जोड़॥

स्वार्थों की इस भीड़ में, बाँटें प्रेम अपार।
'मैं' से 'हम' तक जो बढ़े, वह सच्चा संसार॥

हाथ मिले तो राह में, पर्वत जाएँ टूट।
मन से मन जब जुड़ गए, बंधन जाएँ छूट॥

मेरा तेरा भूलकर, सबका हो अधिकार।
साझा श्रम, साझा खुशी, यह सच्चा व्यवहार॥

अहंकार की आग को, प्रेम करे निष्काम।
'मैं' मिटते ही 'हम' बने, सुंदर हो हर धाम॥

अपनेपन की छाँव में, खिलें सभी के फूल।
'हम' की शक्ति से मिटें, जीवन के सब शूल॥

'मैं' से 'हम' तक जो चले, बदले मन संसार।
साथ-संगति, प्रेम से, जीवन हो गुलज़ार॥

व्यंग्य केसरी

मैं भी जिम्मेदार हूं

डॉ पुनीत कुमार

पिछले कुछ सालों से समस्याएं पेट्रोल के दाम की तरह लगातार बढ़ रही हैं। कभी कभी ऐसा प्रतीत होता है कि समस्याएं, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जैसी हैं। अक्सर लगता है कि तनाव खत्म हो गया, शांति हो गई, लेकिन होता नहीं है। हम समस्याओं के समाधान नहीं ढूंढ पा रहे हैं।

लेकिन एक बात अच्छी हुई है, इन समस्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है, यह हमारी शुभचिंतक सरकार ने सफलतापूर्वक खोज लिया है। सरकार इसके लिए बधाई की पात्र है। एक ऐसा व्यक्ति चिह्नित कर लिया गया है, जिसे हर बात के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, अपनी सहमति, असहमति जताने के लिए वह जिंदा भी नहीं है।

इसलिए सब कुछ आसान हो गया है।

हम हर दिन एक नई जिम्मेदारी उसके कंधों पर डाल रहे हैं। गोया एक सौ चालीस करोड़ की जनसंख्या वाले देश में, एक अकेला वही जिम्मेदार है, बाकी सब गैर जिम्मेदार हैं।

उस व्यक्ति में कमाल की सहनशक्ति है। वह चौराहों पर खड़े बुतों में,संग्रहालयों में लगे चित्रों में, किताबों में, हर जगह अब भी मुस्कराता हुआ मिल जाता है। उसकी स्वीकार्यता इतनी बढ़ गई है कि अब कहीं भी, कुछ भी हो, लोग बिना सोचे समझे उसको जिम्मेदार ठहरा देते है, और बाकी लोग भी, बिना किसी हील हुज्जत के, उसे स्वीकार कर लेते हैं।

उसके कंधे बहुत मजबूत हैं। जिम्मेदारियों के बोझ से ना झुकते हैं, ना टूटते है। उसको हम असीमित क्षमताओं वाला सुपरमैन भी कह सकते हैं।

मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो हम एक सौ चालीस करोड़ लोगों का फ़र्ज़ बनता है कि हम इसकी जिम्मेदारियों को बांटे। मैने यह लेख लिखकर, इस ओर एक छोटा सा कदम बढ़ाया है। मैं चाहता हूं कि कोई मुझे गैर जिम्मेदार ना समझे। यह तभी हो सकता है जब सबको पता चले कि मैं कोई जिम्मेदारी वाला काम कर रहा हूं।मेरा सभी सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन है कि थोड़ी सी जिम्मेदारी वे भी उठाएं और मेरे इस आलेख को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं।

मुरादाबाद 244001

इतिहास

19 अगस्त के इतिहास में छत्रपति शिवाजी महाराज का औरंगजेब की कैद से निकलना, पहला एक रुपये का सिक्का जारी होना और विश्व मानवतावादी दिवस जैसी प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं 1666: मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज आगरा में औरंगजेब की कैद से चालाकी से सुरक्षित बाहर निकले। 1757: ब्रिटिश राज के दौरान भारत में बंगाल की टकसाल से पहला एक रुपये का सिक्का जारी किया गया।

1907: पेरिस में मैरी क्यूरी और पियरे क्यूरी ने रेडियोधर्मिता (radioactivity) पर महत्वपूर्ण शोध कार्य आगे बढ़ाया। 1939: अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने विमानन के क्षेत्र में योगदान देने वाले ओरविल राइट के जन्मदिन पर 'राष्ट्रीय विमानन दिवस' की घोषणा की।

उफनती नदी की धार के मध्य थम गई गर्भवती महिला की सांस

मलेरिया से जूझ रही, तीन माह की गर्भवती महिला की अस्पताल पहुंचने से पहले नाव में मौत

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित शर्मा)। बस्तर वनांचल के अंदरूनी इलाकों में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था कितनी खराब और लचर है,इसकी पोल छोटेबेठिया के सितरम के अंदरूनी ग्राम कंदाड़ी के तीन माह की गर्भवती और मलेरिया से ग्रसित महिला की मौत ने खोल कर रख दी है। कंदाडी गांव से किसी मरीज को ईलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल लाना,वो भी बारिश के मौसम में उफनती नदियां पार कर किस तरह जानलेवा साबित हो रहा हैं,यह इस घटना ने साबित कर दिया है। ग्राम कंदाड़ी की तीन माह की गर्भवती महिला सुलाता जाड़े की अस्पताल पहुंचने से पहले ही नदी के बीच नाव में मौत हो गई। गंभीर हालत में परिजनों ने 102 महतारी एक्सप्रेस को फोन किया,लेकिन करीब एक घंटे बाद एंबुलेंस पहुंचने की सूचना मिली। महिला की हालत बिगड़ती देखकर परिजन निजी साधन से उसे नदी किनारे लेकर आये और नाव के जरिए अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। इसी दौरान नदी की जलधारा के बीच सुलाता की सांसें थम गईं।

परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सुलाता की तबियत दो दिनों से खराब थी,16 अगस्त को छोटेबेठिया के अस्पताल में लेकर गये थे,जंहा उसके ब्लड के जांच में पीएफ मलेरिया आया था। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर दवाई देकर,स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बड़े अस्पताल या विशेषज्ञ डॉक्टर से इलाज कराने की सलाह दी थी। इसके बाद सुलाता के परिजन उसे गांव लेकर आ गये थे। 17 अगस्त की दोपहर उसकी तबीयत अचानक ज्यादा खराब हो गई,परिजनों ने तत्काल 102 एंबुलेंस सेवा से संपर्क किया। एंबुलेंस के करीब एक घंटे बाद पहुंचने की जानकारी मिलने पर सुलाता के परिजन इंतजार नहीं कर सके। निजी वाहन से किसी तरह महिला को नदी किनारे तक लाया गया। इसके बाद नाव से नदी पार कर अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की गई,लेकिन उफनती नदी के बीच जलधारा में ही सुलाता ने दम तोड़ दिया। तीन माह के गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ मां की मौत से परिवार में सदमा और मातम छा गया।इस घटना ने एक बार फिर बस्तर के अंदरूनी गांवों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उफनती नदी ही बनी सबसे बड़ी बाधा

बारिश के दिनों में कंदाड़ी जैसे दूरस्थ अंचल के गांवों में लोगों के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाता है। गंभीर मरीजों को इलाज के लिए नदी पार कर छोटे बेठिया लाना पड़ता है। ऐसे में एंबुलेंस की सुविधा और सुरक्षित नदी पार होने की व्यवस्था दोनों ही बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। सुलाता की मौत ने बारिश के मौसम में बस्तर के दूरस्थ वनांचल के ग्रामीणों के सामने आने वाली स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों को फिर उजागर कर दिया है।सोता रहा स्वास्थ्य विभाग और गंभीर मलेरिया से गर्भवती महिला की मौत हो गई,अब अपनी लापरवाही और नाकामी छुपाने के लिए महिला के परिजनों और आदिवासी परिवार पर पीएम का दबाव बना रहा है,प्रशासन जिसका विरोध महिला के परिजन और आदिवासी समुदाय कर रहा है। अब जब मीडिया में खबर वाइरल हो गई और बवाल मच जाने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया और स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन की नाकामी छिपाने के लिए महिला के शव का पीएम करवाने के लिए आदिवासियों परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है,जिसका आदिवासी समुदाय विरोध कर रहा है।

एंबुलेंस में देरी की होगी जांच

महिला अस्पताल तक नहीं पहुंच पाई थी। 102 एंबुलेंस सेवा में देरी और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कराई जाएगी। जांच में जिस भी स्तर पर लापरवाही सामने आएगी, संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

-डॉ. संजीव वैष्णव,
खंड चिकित्सा अधिकारी पखांजूर

छुरा में आदिवासी छात्रावास परिवार ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस पखवाड़ा

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह)। नगर के समस्त आदिवासी छात्रावास परिवार द्वारा रविवार को सांस्कृतिक भवन में विश्व आदिवासी दिवस पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज गरियाबंद के जिलाध्यक्ष नीलकंठ ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशिष्ट उपस्थिति में मंडल संयोजक लोमश ध्रुव, समाजसेवी शीतल ध्रुव, अधीक्षक कुलेश्वर मरकाम, अधिवक्ता कु. भावना ध्रुव, तुलेश्वरी कंवर, सपना कंसारी, रोहित नेताम एवं नीलिमा यादव सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आदिवासी समाज के पुरखादेव, जननायक-नायिकाओं के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना एवं बड़ादेव की आरती के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत कु. पूनम ध्रुव, गजेंद्री, मेघा, कामिनी, कमलेश एवं चुमेस द्वारा पीला चावल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास की छात्राओं ने अतिथि स्वागत के साथ मनमोहक आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके बाद छात्रावास परिवार द्वारा आदिवासी सामूहिक नृत्य, सरगुजा नृत्य, बस्तर नृत्य, कमार नृत्य, सरहुल नृत्य सहित गोंडी एवं विभिन्न आदिवासी गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अधीक्षक कुलेश्वर मरकाम ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं आयोजन की जानकारी दी। इस अवसर पर सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा अधीक्षकगण को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि नीलकंठ ठाकुर ने विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार एवं अनुशासन के साथ अपने समाज और संस्कृति के प्रति गौरव की भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज एवं राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला है। विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, संस्कृति, प्रकृति संरक्षण एवं सामाजिक एकता के

छान्दनपुर में किसानों के खेतों से मोटर पंप व केबल वायर चोरी, पुलिस से कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। समीपस्थ ग्राम छान्दनपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में किसानों के खेतों से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने की लगातार घटनाओं से किसान बंधु परेशान हैं।

इस संबंध में ग्राम छान्दनपुर के दर्जनों किसानों ने 13 अगस्त 2026 को बसना थाना प्रभारी के नाम शिकायत पत्र सौंपकर अज्ञात चोरों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

किसानों की शिकायत के अनुसार विगत 11 अगस्त की रात किसान फगुलाल पटेल पिता स्व. जीताराम पटेल के खेत से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी हो गई। इसी रात किसान संतराम पटेल पिता स्व. दुकालू पटेल के खेत से भी मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने की बात शिकायत में कही गई है।

इसके अलावा किसान रामनाथ भोई पिता स्व. कृष्ण कुमार भोई के खेत से केबल वायर तथा किसान हिंगाल साव पिता दिनबन्धु साव के खेत से भी केबल वायर चोरी होने का उल्लेख किया गया है।

छान्दनपुर के किसानों ने बताया कि इससे पहले मई माह में भी किसान अमरनाथ पटेल पिता अवधराम पटेल के खेत से केबल वायर चोरी हुई थी।

वहीं किसान उदयम पटेल पिता ग्रहण पटेल के खेत से भी केबल वायर चोरी होने की शिकायत की गई है।

किसान लालमणि भोई पिता स्व. निलेश्वर भोई के खेत से केबल वायर के साथ स्टार्टर, आटो एवं सर्किट चोरी होने की बात भी आवेदन में कही गई है।

इसी प्रकार किसान जाधव भोई पिता स्व. लखो भोई के खेत से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने तथा किसान फगुलाल पटेल पिता स्व. जीताराम पटेल के खेत से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने की घटना का उल्लेख किया गया है।

अटल के विचार और राष्ट्रसेवा का संकल्प सदैव देश को दिखाता रहेगा मार्ग : महापौर रामू रोहरा

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे विराट व्यक्तित्व थे, जिन्होंने राजनीति को सेवा, सिद्धांत और राष्ट्रहित के साथ नई दिशा प्रदान की। वे एक कुशल प्रशासक, प्रखर वक्ता और संवेदनशील जननेता होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखा। उनके नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और राष्ट्रीय गौरव के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उनकी ओजस्वी वाणी, सरल व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरणा देता है। महापौर ने कहा कि आज अटल जी की पुण्यतिथि पर हम सभी उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लें। उनके सपनों के सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

दुर्गूकोंदल के नागहूर में घटिया प्रार्थना शेड तोड़ने के निर्देश, एसडीओ ने दिए दोबारा निर्माण के आदेश

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। विकासखंड दुर्गूकोंदल के अंतर्गत आने वाले ग्राम नागहूर स्थित माध्यमिक शाला में सरपंच और सचिव द्वारा कराए गए घटिया प्रार्थना शेड निर्माण कार्य पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और निम्न गुणवत्ता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ देवेंद्र हठिले ने बने हुए प्रार्थना शेड को तोड़कर नए सिरे से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

मामले की जानकारी के अनुसार, माध्यमिक शाला नागहूर में प्रार्थना शेड का निर्माण कराया गया था, जिसमें सरपंच और सचिव द्वारा भारी लापरवाही बरतते हुए घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। निर्माण की गुणवत्ता बेहद खराब होने के कारण ग्राम नागहूर के ग्रामीणों और जनपद सदस्य ने इस पर कड़ा विरोध जताया था। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। शिकायत के आधार पर जांच करने पहुंचे एसडीओ देवेंद्र हठिले ने स्थल निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता को स्तरहीन पाया। उन्होंने मौके पर ही संबंधितों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि इस घटिया शेड को तुरंत ध्वस्त किया जाए और निर्धारित मानकों के अनुरूप दोबारा मजबूत शेड का निर्माण कराया जाए।

अवैध शराब के खिलाफ धमतरी पुलिस की तीन अलग-अलग प्रकरणों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा शांति घाट नहर नाका के पास धमतरी में आरोपी गोविंद यादव पिता गणेश राम, उम्र 39 वर्ष, निवासी बनिया तालाब, धमतरी को अवैध रूप से शराब परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 20 नग देशी प्लेन शराब, 15 नग मसाला शराब एवं 01 स्कूटी बरामद की गई। बरामद शराब की कीमत 3,100/- एवं स्कूटी की कीमत 50,000/-, बिक्री रकम 53,100/- सहित कुल संपत्ति 53,100/- जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सांसद रूपकुमारी चौधरी भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त, दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया की कमान

विधायक रोहित साहू ने दी शुभकामनाएं

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के विस्तार में छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने महासमुंद संसदीय क्षेत्र की सांसद और पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही पार्टी के डिजिटल एवं संचार ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए दीपक म्हस्के को राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। विधायक रोहित साहू ने नई जिम्मेदारी मिलने पर सांसद रूपकुमारी चौधरी और सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रूपकुमारी चौधरी और दीपक म्हसके का जमीनी स्तर पर कार्य करने का लंबा संगठनात्मक अनुभव रहा है जिसका पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर लाभ होगा। रूपकुमारी चौधरी जी के नेतृत्व से देशभर में महिला कार्यकर्ताओं का मनोबल मजबूत होगा। इसी तरह लंबे समय से पार्टी के डिजिटल अभियानों और ऑनलाइन रणनीतियों से जुड़े रहे सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के की नियुक्ति से राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की डिजिटल नीतियों और जनसंचार माध्यमों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। विधायक रोहित साहू ने आगे बताया कि इस दोनों की नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा और महासमुंद लोकसभा के लिए गौरव की बात है।

पथरला विद्यालय में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। ग्रामोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरला में 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्ष उल्लास से मनाया गया। शाला विकास समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गड़तिया ने झंडा फहराया और अपने भाषण में बताया कि हमें आजादी कैसे मिली हमारे शहीदों को याद किया। अंग्रेजों से हमारे लोगों ने कैसे कैसे लड़ाइयाँ लड़ी।

राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् एवं राष्ट्रगान जन गण मन के साथ तिरंगे झंडे को सलामी दिया गया। प्रभात फेरी पथरला गांव के मोहल्ले में निकाली गई। पंचायत भवन में सरपंच भरत चौधरी ने झंडा फहराया आदिवासी छात्रावास में जनपद सदस्य विमला बहेरा व प्राथमिक कृषि सहकारी समिति में उसत प्रधान ने झंडा फहराया। विद्यार्थीयों द्वारा गीत, कविता, भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमकुमार गड़तिया अध्यक्ष शाला विकास समिति ने किया। कार्यक्रम में बच्चों को पेन, कॉपी, डायरी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे ग्राम गोटिया संजय प्रधान,अलेख प्रधान, श्रीधर प्रधान, हेमसागर प्रधान, संदीप चंद्राकर, सुरेश पांडे, सुभाष बंजारा, लोकेश प्रधान, जयदेव प्रधान, सहदेव प्रधान, संध्या प्रधान, मीना प्रधान, नित्यानंद गड़तिया, शासन मांझी, जहरीलाल गिरी, प्रदीप प्रधान, उमाकांत प्रधान, वासुदेव प्रधान, पूर्णचंद प्रधान, दयानिधि भोई, विनोद कुमार बरिहा, अभिमन्यु प्रधान भाजपा मंडल अध्यक्ष पिरदा ,विमल बहेरा, ज्योधा निषाद, ओमप्रकाश साहू, चंपकलाल चौहान एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं त्रिलोक पारेश्वर प्राचार्य एवं आसपास के गांव से आए हुए प्रबुद्ध जन व पालकगण उपस्थित हुए।

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह, देशभक्ति का दिखा जज्बा-उल्लास

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोटरी भवन एवं राष्ट्रीय पाठशाला में गरिमामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों स्थानों पर ध्वजारोहण के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रमों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक सेवा, आपसी सद्भाव एवं राष्ट्र निर्माण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

रोटरी भवन में ध्वजारोहण

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर के रोटरी भवन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात वंदे मातरम् गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रोटेरियन्स ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने वाले असंख्य नागरिकों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन एस. पी. चतुर्वेदी, अध्यक्ष रोटेरियन अमित चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव भारद्वाज, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन शैलजा शुक्ला, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. आर. के. सक्सेना, रोटेरियन डॉ. संजय ढंढारिया पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन आशीष अग्रवाल, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सतीश कुमार शाह, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन अनिल अग्रवाल सहित रोटेरियन रोहित शिवहरे, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन पायल लाठ, रोटेरियन आनंद खेमका, रोटेरियन सुरेंद्र गुम्बर, रोटेरियन डॉ. सी. पी. करन, रोटेरियन दीपक खंडेलवाल, रोटेरियन सिद्धार्थ भट्टाचार्य, रोटेरियन एल. पी. गुप्ता, प्रेसिडेंट इलेक्ट रोटेरियन श्याम सुंदर मित्तल, रोटेरियन डॉ. पी. के. श्रीवास्तव, रोटेरियन स्वाति वर्मा, रोटेरियन किरण सिंह एवं उदयवीर सिंह बाली सहित क्लब के अनेक वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं सदस्य उपस्थित रहे।

वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गौरव प्रदान किया। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने तथा समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने रोटरी के मूल मंत्र 'Service Above Self' — स्वयं से पहले सेवा की भावना को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

राष्ट्रीय पाठशाला में विशेष स्वतंत्रता दिवस समारोह

इसके पश्चात रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा राष्ट्रीय पाठशाला, बिलासपुर में भी 80वें स्वतंत्रता दिवस का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यहां राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद वंदे मातरम् गीत एवं राष्ट्रगान हुआ। विद्यालय परिसर में लहराता तिरंगा देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना से सभी को अभिभूत कर रहा था।

कार्यक्रम का नेतृत्व रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर के अध्यक्ष रोटेरियन अमित चक्रवर्ती ने किया। समारोह के विशेष अतिथि सेवानिवृत्त कर्नल राकेश सिंह बिसेन जी रहे। भारतीय सेना में अपने अमूल्य 38 वर्षों के योगदान के लिए समर्पित एवं देश की सेवा करने वाले इस गौरवशाली पूर्व सैनिक की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा सेवानिवृत्त कर्नल राकेश सिंह बिसेन जी का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। यह पूरे क्लब के लिए अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय रहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर क्लब की ओर से ऐसे वीर एवं समर्पित पूर्व सैनिक का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने जीवन के 38 महत्वपूर्ण वर्ष राष्ट्र की सेवा एवं सुरक्षा के लिए समर्पित किए। उनका अनुशासन, समर्पण, देशभक्ति एवं सेवाभाव उपस्थित सभी लोगों, विशेषकर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत रहा।

इस अवसर पर इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन शैलजा शुक्ला, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. आर. के. सक्सेना, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सतीश शाह, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन पवन नालोटिया, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव भारद्वाज, रोटेरियन पायल लाट, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन अंकित सिंघल एवं रोटेरियन सिद्धार्थ भट्टाचार्य सहित अन्य रोटेरियन्स उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से प्राचार्य माणिक भट्टाचार्य, मेहता मैडम, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। इनरव्हील क्लब की पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया और रोटरी परिवार के बीच सहयोग एवं fellowship की भावना को मजबूत किया।

व्यावसायियों को ट्रेड लाइसेंस बनाना अनिवार्य, लोक सेवा केन्द्रों पर उपलब्ध है सुविधा

विश्व केसरी

जगदलपुर (अरुण पाढ़ी)। राज्य शासन के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नगर पालिक निगम जगदलपुर के अंतर्गत सभी व्यावसायियों, माल, सिनेमा हॉल, जिम, क्लिनिक, लैब, कोचिंग सेंटर, गुमटी, होटल और रेस्टोरेंट, मोटरयान व्यवसाय एवं अन्य समस्त प्रकार के व्यवसाय करने वाले व्यावसायियों को ट्रेड लाइसेंस बनाना अनिवार्य है। आयुक्त नगर पालिक निगम जगदलपुर ने इस संबंध में जारी परिपत्र में आग्रह किया है कि निगम क्षेत्र के सभी प्रकार के निजी व्यावसायी अपने निकटतम च्वाइस सेंटर से संपर्क कर वांछित समस्त दस्तावेज प्रस्तुत कर आनलाइन आवेदन अपलोड करवाने के उपरांत निर्धारित शुल्क जमा करने सहित शीघ्र ट्रेड लाइसेंस बनवा लेवें।

वित्त वर्ष 2026 में सामान्य बीमा उद्योग 9 प्रतिशत बढ़कर 3.36 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सामान्य बीमा (जनरल इंश्योरेंस) क्षेत्र वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए 3.36 लाख करोड़ रुपए के सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम आय (जीडीपीआई) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है।

बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी बीमा कंपनियों, विशेष रूप से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सकल लिखित प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) 10 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपए हो गया। निजी बीमा कंपनियों ने बाजार विस्तार में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

वित्त वर्ष 2025-26 में निजी बीमा कंपनियों की जीडीपीआई वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों की वृद्धि 8 प्रतिशत दर्ज की गई। बीसीजी के अनुसार, बीमा कंपनियों ने इस

दौरान अपने मूल्य निर्धारण और पोर्टफोलियो रणनीतियों में बदलाव किए, जिसके चलते अंडरराइटिंग प्रदर्शन पुनर्संतुलन के दौर से गुजरा। उद्योग का संयुक्त अनुपात (कम्बाइंड रेशियो) 2 अंक बढ़कर 113 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं उद्योग का कर पश्चात लाभ (पीएटी) घटकर 10,000 करोड़ रुपए रह गया, जो सालाना आधार पर 23 प्रतिशत कम है। इसी अवधि में उद्योग का इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) भी 9 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत रह गया।

क्षेत्रवार प्रदर्शन में स्वास्थ्य बीमा सबसे बड़ा वृद्धि चालक रहा। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) युक्तिकरण के बाद पूरे वर्ष के दौरान स्वास्थ्य बीमा कारोबार में 17 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष की पहली छमाही में यह वृद्धि 10 प्रतिशत थी। इसके अलावा, मोटर बीमा क्षेत्र में भी लगभग 9 प्रतिशत वृद्धि हुई। हालांकि वाहन बिक्री में 10.4 प्रतिशत बढ़ोतरी के बावजूद नवीनीकरण-आधारित पोर्टफोलियो के कारण इसका पूरा लाभ बीमा कंपनियों को नहीं मिल पाया।

रिपोर्ट के अनुसार, अग्नि बीमा और फसल बीमा क्षेत्रों में अपेक्षाकृत सीमित वृद्धि हुई। बीमा कंपनियों ने वाणिज्यिक पॉलिसियों के नवीनीकरण में मूल्य निर्धारण अनुशासन बनाए रखा और प्रबंधन व्यय संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप फसल बीमा में छूट की रणनीति को संतुलित किया। इससे संकेत मिलता है कि उद्योग केवल व्यवसाय की मात्रा बढ़ाने के बजाय टिकाऊ और लाभदायक वृद्धि को प्राथमिकता देने लगा है।

बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप में प्रबंध निदेशक एवं भागीदार तथा भारत बीमा प्रमुख पल्लवी मलानी ने कहा, 'भारतीय सामान्य बीमा उद्योग लगातार बढ़ रहा है और अब यह अधिक परिपक्व चरण में प्रवेश कर रहा है।' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में वास्तविक प्रतिस्पर्धा इस बात पर होगी कि कौन-सी बीमा कंपनियां अपने बड़े कारोबार को लाभप्रद और अनुशासित अंडरराइटिंग में बदल पाने में सफल रहती हैं।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स करीब 500 अंक लुढ़का

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 492.70 अंक या 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,235.46 और निफ्टी 132.75 अंक या 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,154.90 पर था।

बाजार में गिरावट का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। निफ्टी रियल्टी 1.42 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.01 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 0.77 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.68 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 0.61 प्रतिशत, निफ्टी कंजम्पशन 0.50 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.29 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 0.40 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.30 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.21 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.20 प्रतिशत की मजबूती के

साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप में दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 277.60 अंक या 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,539.40 पर बंद हुआ। हालांकि, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स करीब सपाट 19,808.85 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी गेनर्स थे। एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टीसीएस, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी लूजर्स थे।

जानकारों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी बाजार के सेंटिमेंट पर मुख्य रूप से असर डालती रही। वहीं अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और कमजोर वैश्विक संकेतों ने भारतीय शेयर बाजार में गिरावट को बढ़ाया। अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की समाप्ति के बाद मध्य पूर्व में सुलह की उम्मीदें धूमिल होने से निवेशकों की चिंता बढ़ गई और मुद्रास्फीति के फिर से बढ़ने की आशंका भी बढ़ गई।

टाटा संस की एजीएम कोरम की कमी के चलते इतिहास में पहली बार स्थगित हुई

विश्व केसरी

मुंबई। टाटा संस की प्रस्तावित एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) मंगलवार को स्थगित कर दी गई है। यह कंपनी के इतिहास में पहला मौका है, जब टाटा संस की वार्षिक बैठक को टाल दिया गया है। यह जानकारी रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि एजीएम टालने की वजह कोरम की कमी होना था। कोरम, सदस्यों की वह न्यूनतम संख्या होती है जिसके होने पर ही बैठक में निर्णय लिए जा सकते हैं। सूत्रों ने आगे कहा कि यह घटनाक्रम सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) से जुड़ी एक पाबंदी से संबंधित था।

यह स्थगित बैठक ऐसे समय में हो रही है जब टाटा संस चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के अगले कार्यकाल के लिए न चुने जाने के फैसले के बाद नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर रही है। उनके इस कदम से नए

उत्तराधिकारी की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो गई है और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने खोजबीन शुरू कर दी है।

टाटा ट्रस्ट्स के प्रभाव को देखते हुए उत्तराधिकार प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखी जाएगी, टाटा ट्रस्ट्स के पास सामूहिक रूप से टाटा संस की लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन के रूप में, नोएल टाटा टाटा संस के अगले चेयरमैन के चयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, अंतिम नियुक्ति टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में उल्लिखित औपचारिक समिति तंत्र के माध्यम से की जाएगी।

यह बदलाव मई में हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में हुई बातचीत के बाद हो रहा है। इस बैठक में चंद्रशेखरन ने ग्रुप के कई नए बिजनेस जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और एविएशन के प्रदर्शन, ग्रोथ की संभावनाओं और कैपिटल की जरूरतों के बारे में जानकारी दी थी। उस बातचीत के दौरान, नोएल टाटा ने कुछ बिजनेस में हो रहे नुकसान को लेकर चिंता जताई थी।

उत्तराधिकार की प्रक्रिया में नोएल टाटा की भूमिका ऐसे समय में सामने आई है जब वे खुद टाटा ग्रुप की कई कंपनियों में बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के लिए रिटायरमेंट के नियमों के अनुसार, 70 साल की उम्र पूरी होने पर नवंबर में वे टाटा की छह कंपनियों के बोर्ड से रिटायर होने वाले हैं।

इससे पहले अगस्त में, टाटा ग्रुप के साथ चार दशक पूरे कर चुके चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर अपने मौजूदा कार्यकाल के 20 फरवरी, 2027 को खत्म होने के बाद दोबारा नियुक्ति न लेने का फैसला किया और इस्तीफा दे दिया।

बाल शोषण से संबंधित सामग्री पर कार्रवाई तेज करेगा मेटा, सरकार के साथ हुई चर्चाओं के बाद उठाए सख्त कदम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज मेटा ने भारत में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) के प्रसार और दोबारा अपलोड होने की घटनाओं को रोकने के प्रयास तेज कर दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम केंद्र सरकार के साथ चल रही चर्चाओं के बीच उठाया जा रहा है, जिसमें अवैध सामग्री के प्रबंधन और डिजिटल मंचों की जिम्मेदारियों पर विशेष जोर दिया गया है।

एनडीटीवी प्रॉफिट ने रिपोर्ट किया कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और मेटा के बीच हुई चर्चाओं का मुख्य फोकस उन अवैध सामग्रियों के प्रबंधन पर रहा है जिन्हें एक बार हटाए जाने के बाद फिर से प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जाता है। सरकार का मानना है कि केवल सामग्री हटाना पर्याप्त नहीं

है, बल्कि उसके दोबारा प्रसार को भी रोकना आवश्यक है।

मेटा ने इस दिशा में कई कदम उठाने शुरू किए हैं और कंपनी विशेष रूप से सतर्क है, क्योंकि बाल यौन शोषण सामग्री भारतीय कानून के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। कंपनी ऐसे मामलों की पहचान, हटाने और पुन: अपलोड को रोकने के लिए अपनी प्रणालियों को और मजबूत कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी उन मामलों पर भी काम कर रही है, जिनमें पहले चिन्हित और हटाई जा चुकी सामग्री किसी नए रूप या अलग माध्यम से दोबारा प्लेटफॉर्म पर दिखाई देती है। इसके लिए उन्नत तकनीकी प्रणालियों और पहचान तंत्र का उपयोग किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने मेटा सहित डिजिटल मंचों को स्पष्ट किया है कि यदि वे लागू भारतीय कानूनों का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें 'सेफ हार्बर' सुरक्षा का लाभ नहीं मिल सकता। यह सुरक्षा सामान्यत: डिजिटल मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा की गई सामग्री के लिए सीमित कानूनी संरक्षण प्रदान करती है।

हालांकि अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सेंसरशिप लागू करना नहीं है। सरकार का मुख्य ध्यान इस बात पर है कि डिजिटल मंच भारतीय कानूनों और नियमों का पालन सुनिश्चित करें। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का मानना है कि डिजिटल मंचों को सामाजिक हित और संभावित नुकसान के बीच संतुलन स्थापित करना चाहिए। विशेष रूप से सोशल मीडिया से जुड़ी लत (एडिक्शन), शोषणकारी सामग्री का प्रसार और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा जैसे मुद्दे लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि सामग्री निगरानी और नियंत्रण नीतियां बनाते समय भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

मुक्त व्यापार समझौतों से भारत के निर्यात को मिल रही नई रफ्तार, नए बाजारों में बढ़ रही भारतीय उत्पादों की पहुंच

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) देश के निर्यात को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, नए व्यापार समझौता साझेदार देशों के साथ भारत का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। इससे न केवल भारतीय उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ी है, बल्कि अधिक से अधिक कंपनियां इन समझौतों से मिलने वाले शुल्क संबंधी लाभों का भी उपयोग कर रही हैं।

फैक्टशीट के अनुसार, भारत के हालिया एफटीए साझेदार देशों के साथ व्यापारिक गतिविधियों में स्पष्ट वृद्धि दिखाई दे रही है। शुरुआती निर्यात लाभ, वरीयता प्राप्त मूल प्रमाणपत्र (प्रेफरेंशियल सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) के बढ़ते उपयोग और विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्यात में विस्तार इस बात का संकेत हैं कि भारतीय व्यवसाय इन समझौतों से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठा रहे हैं।

सरकार का कहना है कि निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंचाने और समझौतों के तहत उपलब्ध रियायतों का लाभ दिलाने के लिए विभिन्न पहल की जा रही हैं। इन प्रयासों से छोटे और मध्यम उद्यमों को भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। भारत द्वारा किए गए हालिया व्यापार समझौते दुनिया के कई महत्वपूर्ण बाजारों को कवर करते हैं। इससे देश के व्यापारिक संबंधों का दायरा बढ़ा है और निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात 863.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिसमें 441.8 अरब डॉलर का माल निर्यात शामिल था। यह सकारात्मक रुझान वर्तमान वित्त वर्ष में भी जारी है, और अप्रैल-जून 2026 के दौरान संयुक्त निर्यात 232.73 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 11.37 प्रतिशत अधिक है। भारत के कुल निर्यात प्रदर्शन में एफटीए साझेदार देशों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। शुरुआती सफलता शुल्क रियायतों के उपयोग और निर्यातित उत्पादों की बढ़ती विविधता में भी दिखाई दे रही है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय कंपनियां व्यापार समझौतों के अवसरों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही हैं।

इन देशों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं। यूएई को भारत का निर्यात 37.35 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है, जबकि ऑस्ट्रेलिया को निर्यात 7.28 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है। यह दोनों देशों के साथ हुए हालिया व्यापार समझौतों की शुरुआती सफलता को दर्शाता है।

सरकार ने कहा कि किसी एफटीए का वास्तविक लाभ केवल समझौता होने से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी उपयोग से मिलता है।

नारियल उत्पादन में भारत सबसे आगे, वैश्विक स्तर पर हिस्सेदारी 31 प्रतिशत से अधिक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत वैश्विक स्तर पर नारियल उत्पादन में 31.24 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ पहले और खेती के क्षेत्रफल के मामले में 17.90 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। यह जानकारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में मंगलवार को दी गई।

भारत ने 2024-25 के दौरान 2.19 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र से 20,301 मिलियन से अधिक नारियल का उत्पादन किया। इस दौरान औसत उत्पादकता 9,249 नारियल प्रति हेक्टेयर रही।

2025-26 में बागानों की स्थापना और रखरखाव के लिए 632.77 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिली। बयान में कहा गया कि 2024-25 के

दौरान 2,979 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को नई नारियल खेती के तहत लाने के लिए करीब 209.24 लाख रुपए का उपयोग किया गया। इस पहल से देश के विभिन्न राज्यों के 13,068 किसानों को लाभ मिला। देश में केरलम में नारियल की खेती का सबसे बड़ा क्षेत्र है, जो करीब 7.54 लाख हेक्टेयर में फैला है और यहां लगभग 5,149.87 मिलियन नारियल का उत्पादन होता है। नारियल उत्पादन में तमिलनाडु सबसे आगे है, जबकि उत्पादकता के मामले में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है। इसके बाद पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु का स्थान है। भारत का निर्यात पोर्टफोलियो पारंपरिक उत्पादों से आगे बढ़कर वर्जिन नारियल तेल, नारियल दूध और एक्टिवेटेड कार्बन जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों तक विस्तारित हुआ है।

बयान के अनुसार, सरकार मुख्य रूप से नारियल विकास बोर्ड के माध्यम से नारियल क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। 2025-26 में सीडीबी की गतिविधियों के लिए 147.21 करोड़ रुपए जारी किए गए। केंद्रीय बजट 2026-27 में स्थिरता, निर्यात और किसानों की आय को मजबूत करने के लिए नारियल संवर्धन योजना भी शुरू की गई।

बयान में कहा गया, 'लगातार मिल रहे नीतिगत समर्थन के साथ भारत का नारियल क्षेत्र उत्पादन, मूल्यवर्धन, निर्यात और आजीविका के क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रहा है।

भारत का सीनियर लिविंग मार्केट 2030 तक 1 लाख करोड़ रुपए के पार जाने की उम्मीद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का सीनियर लिविंग मार्केट 2030 तक 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का होने की उम्मीद है और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास की मांग करीब 30 लाख यूनिट तक पहुंच सकती है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, संगठित क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध आवास की संख्या मौजूदा करीब 25,000 यूनिट से बढ़कर 2030 तक लगभग 1 लाख यूनिट हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया, भारत का सीनियर लिविंग बाजार देश में सबसे आशाजनक वैकल्पिक रियल एस्टेट परिसंपत्ति वर्गों में से एक बनकर उभरा है। इसे उम्र-केंद्रित आवास की बढ़ती मांग और डेवलपर्स, हेल्थकेयर

ऑपरेटरों और निवेशकों की बढ़ती भागीदारी से समर्थन मिल रहा है।

भारत के सीनियर लिविंग बाजार ने हाल के वर्षों में मजबूत गति देखी है। यह क्षेत्र वर्तमान में करीब 300 अरब रुपए का है, जो 2024 के स्तर से लगभग 70 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट ने अनुमान लगाया कि इस क्षेत्र में बाजार की पहुंच मौजूदा 1.3 प्रतिशत से बढ़कर अगले तीन से चार वर्षों में करीब 4 प्रतिशत हो सकती है।

कोलियर्स ने बाजार के आकार का अनुमान 2024 में 180 अरब रुपए, 2026 में 300 अरब रुपए, 2028 में 700 अरब रुपए और 2030 तक 1,000 अरब रुपए से अधिक लगाया है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा, परिवारों का एकल परिवारों में बदलना, आय के बढ़ते स्तर, बेहतर सेवानिवृत्ति तैयारी और स्वास्थ्य एवं कल्याण पर बढ़ते ध्यान से उम्र के अनुरूप तैयार आवासीय समाधानों की मांग बढ़ रही है।

भारत की 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की आबादी का हिस्सा वर्तमान के 11 प्रतिशत से बढ़कर 2050 तक करीब 21 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2050 तक दुनिया की करीब 2.1 अरब बुजुर्ग आबादी (60 वर्ष और उससे अधिक उम्र) में भारत का हिस्सा का लगभग 16 प्रतिशत का हो सकता है।

20 की उम्र का पैशन, 40 का सुकून और 60 का साथ: उम्र के हर पड़ाव पर प्यार में क्या आता है बदलाव ?

रिश्ते में प्यार का रूप बदलना इस बात का संकेत नहीं कि भावनाएं कम हो गई हैं, बल्कि यह अक्सर रिश्ते के गहराने की निशानी होती है. आखिर उम्र के हर पड़ाव पर प्यार को महसूस करने का तरीका अलग हो सकता है, लेकिन एक-दूसरे की कद्र, सम्मान और साथ की जरूरत हमेशा बनी रहती है. जानिए 20, 30, 40, 50 और 60 की उम्र में प्यार किस तरह बदलता है और क्यों हर उम्र का प्यार अपने आप में खास होता है।

प्यार हर उम्र में खूबसूरत होता है, बस उसे महसूस करने का तरीका समय के साथ बदलता रहता है. 20 की उम्र में प्यार जहां दिल की धड़कन बढ़ाने वाला पैशन और एक्साइटमेंट देता है, वहीं 30 और 40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते रिश्ते में समझ और सुकून की जगह बनती है. फिर 50 और 60 की उम्र में यही प्यार एक-दूसरे का मजबूत साथ, दोस्ती और भरोसा बन जाता है. साइकोलॉजिस्ट के मुताबिक, 'रिश्ते में प्यार का रूप बदलना इस बात का संकेत नहीं है कि प्यार कम हो गया है. अक्सर यह इस बात की निशानी होता है कि रिश्ता समय के साथ और गहरा हुआ है. '

20 की उम्र में प्यार होता है बेहद एक्साइटिंग

20 की उम्र में प्यार में एक अलग तरह की ताजगी होती है. पार्टनर का मैसेज आते ही चेहरे पर मुस्कान आना, घंटों फोन पर बात करना, साथ घूमने की प्लानिंग करना और छोटी-छोटी चीजों को खास महसूस करना इस उम्र के प्यार की खूबसूरती है।

इस दौर में आकर्षण और एक्साइटमेंट रिश्ते को खास बनाते हैं. कपल एक-दूसरे को जानने के साथ अपने सपनों और भविष्य की कल्पनाएं भी शेयर करते हैं. यही नए रिश्ते की खुशी प्यार को और रोमांचक बनाती है।

30 की उम्र में प्यार में जुड़ती है समझ

30 की उम्र तक जिंदगी में करियर और परिवार जैसी जिम्मेदारियां बढ़ने लगती हैं. ऐसे में प्यार सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहता. पार्टनर का आपकी व्यस्त जिंदगी को समझना, आपके सपनों को सपोर्ट करना और मुश्किल दिनों में साथ खड़ा रहना ज्यादा खास लगने लगता है.

यही वह दौर है जब कपल एक-दूसरे की खूबियों के साथ कमियों को भी स्वीकार करना सीखता है. रिश्ता धीरे-धीरे ज्यादा मजबूत और भरोसेमंद बनने लगता है.

40 की उम्र में मिलता है प्यार का सुकून

40 की उम्र में प्यार का मतलब कई लोगों के लिए एक ऐसा रिश्ता होता है जहां उन्हें खुद को साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती. पार्टनर के साथ चुपचाप बैठना, दिनभर की बातें शेयर करना या बिना कहे एक-दूसरे का मूड समझ जाना भी प्यार का हिस्सा बन जाता है.

साइकोलॉजिस्ट कहते हैं, 'जब रिश्ते में भावनात्मक सुरक्षा बढ़ती है तो व्यक्ति पार्टनर के सामने खुद को ज्यादा सहज महसूस करता है. यही सहजता प्यार को सुकून में बदलती है.' इस उम्र में प्यार का मतलब महंगे गिफ्ट या हर दिन डेट पर जाना नहीं, बल्कि एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना भी हो सकता है.

50 की उम्र में प्यार बनता है दोस्ती

50 की उम्र में जब जीवन की कई जिम्मेदारियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं, तब कपल को एक-दूसरे के साथ समय बिताने का ज्यादा मौका मिल सकता है. साथ में घूमना, पुरानी तस्वीरें देखना, पसंदीदा फिल्म देखना या कोई नई हॉबी शुरू करना रिश्ते में नई खुशी ला सकता है. इस उम्र में पार्टनर सिर्फ जीवनसाथी नहीं, बल्कि सबसे अच्छा दोस्त भी महसूस होने लगता है।

आयुर्वेद के अष्टाग (8 प्रमुख शाखाएं)

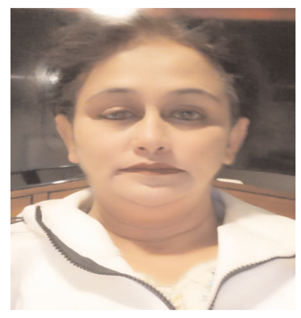

डॉ शगुफ्ता कुरैशी

एक शाखा जरा चिकित्सा ळमतपंजतपबे यह बुढापे के दूर रखने शरीर को नया जीवन देने और दीर्घायु (स्वदहमअपजल) प्राप्त करने पर केन्द्रित है। आयुर्वेदानुसार बढ़ती उम्र के साथ शरीर के वात दोष बढ़ता है और धातुए (प्िेनमे) कमजोर होने लगते है। इसे रोकने और दीर्घायु (स्वदहमअपजल) पाने के लिए आयुर्वेद मे रसायन थेरेपी (त्ेंलंद जीमतंचल) का वर्णन किया गया है। इसके मुख्य सिद्धांत और उपाय 1. रसायन का अर्थ है - शरीर के रस और धातुओं का पोषण करना। यह कोशिकाओं (ब्मससे) की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है। द्रव्य रसायन नियमित समय भोजन हमेशा तय समय पर और भूख के अनुसार ही कराए। सुपाचय पेय - गुनगुना पानी या पचने से आसान सूप का सेवल कराए। विहार (जीवनशैली और दैनिक चर्चा) 1. नियमित विश्राम - वृद्धो को अत्यधिक शारीरिक श्रम से बचाव और पर्याप्त आराम दें। 2. अभ्यंग (तेल मालिस) हल्के गुनगुने तेल (जैसा तिल का तेल) से नियमित मालिश करे जिससे बात का शमन होता है ओर मांसपेशियां मजबूत होती है। 3. हल्का व्यायाम शरीर की क्षमता के अनुसार टहलना या हल्के योग अभ्यास कराए। 4. शांत वातावरण मानसिक शांति के लिए तनावमुक्त और सकारात्मक माहोल बनाये। रसायन एवं औषधीय देवभाल बलवर्धक जड़ी बूटियां आयुर्वेद के अनुसार अश्वगंधा, शतावरी और आमलकी (आँवला) जैसी रसायन औषधियों का उपयोग किया जाता है। धातु वर्धक शरीर की कमजोरी दूर करने के लिए दूध और घी आधारित आयुर्वेदिक योगों का सेवन उपयुक्त माना गया है। जरा चिकित्सा और आयुर्वेद अनुसार दीर्घायु की प्राप्ति आयुर्वेद मे वृद्धों (बुजुर्गो) की देखभाल और उनकी जीवनशौली को वृद्ध परिचर्या या जरा चिकित्सा कहा जाता है। आयुर्वेदानुसार वात पित्त कफ तीन दोष माने गए है। बाल्यावस्था मे कफ दोष बाहुल्य, युवावस्था मे पित्त दोष बाहुल्य तथा वृद्धावस्था में वात दोष बाहुल्य होता है। आयुर्वेदानुसार वृद्धावस्था मे शरीर के वात दोष बढ़ जाता है और धातु क्षीण होने लगती है। इसलिए वृद्धो को विशेष शारीरिक मानसिक और अहारिय देखभाल की आवश्यकता होती है। आहार संबंधी नियम 1. पाचन योग्य भोजन हल्का ताजा गर्म और आसानी से पचने वाला भोजन दे। 2. स्निग्ध और इस युक्त आहार - वात दोष को शांत करने के लिए भोजन से घी तेल और रस युक्त पद्रार्थो की मात्रा रखे। ओजस बढ़ाने वाला भोजन गाय का शुद्ध घी, दूध, भीगे हुए बादाम और जाते मौसमी फल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (प्उउनदपजल) या ओजस को बढ़ाता हैं दिनचर्या और प्राकृतिक नियम (क्ंपसल स्पमिजलसम) 1. ठपवसवहपबंस बसवबा सुबह सूर्योदय से पहले ब्रम्हा मुहूर्त उठना दीर्घायु की पहली सीढी है। 2. अभ्यंग तेल मालिश रोज हल्के गुनगुने तेल से शरीर की मालिश करने से हड्डीयां और त्वचा बूढ़ी नही होती। 3. प्राणायाम और योग नियमित श्वास व्यायाम जैसे (अनुलोम विलोम) फेफड़ो और ह्रदय को जवान रखता है। 4. आहार विधि विधान ठंसंदबमक क्पमज हमेशा भूख से थोड़ा कम खाना/पेट का 1/3 हिस्सा खाली रखे ताकि पाचन तंत्र पर दबाव न पड़े। द्रव्य रसायन दीर्घायु के लिए च्यवनप्राश अश्वगंधा (म्दमतहल) ब्राम्ही (दिमाग) और आंवला ।दजपवगपकंदजे का नियमित सेवन करना है। आचार रसायन बिना किसी दवा के केवल अच्छा आचरण, सत्य बोलना, क्रोध न करना और मानसिक शांति बनाये रखना भी उम्र बढ़ाता हैं शोधन कर्म शरीर का डिटॉक्स रसायन औषधियों का पूरा लाभ उठाने से पहले शरीर से विषैले तत्वो (ज्वगपदे) को निकालना जरूरी है। पंचकर्म आयुर्वेदानुसार समय समय पर वमन विवेचन या बस्ती (एनिमा) कराने से उम्र बढ़ने की गति धीमी होती हैं और असमय बुढ़ापा अकलाजा जारा रूकवाता है।

न मेन्यू बदला, न रेसिपी... 1953 से आज तक इसी हलीम के दीवाने हैं लोग, जामा मस्जिद के पास ये छोटी दुकान क्यों खास?

जामा मस्जिद की गलियों में 70 साल पुरानी हलीम की दुकान आज भी दादा की रेसिपी और पारंपरिक स्वाद को कायम रखे हुए है. सुबह 4 बजे से शुरू होने वाली तैयारी के बाद यहां रोजाना ताजा हलीम तैयार होता है, जिसकी एक प्लेट महज 50 रुपये में मिलती है.

जहांगीरपुरी से पुरानी दिल्ली तक की भीड़भाड़ और संकरी गलियों के बीच जामा मस्जिद के पास एक छोटी-सी दुकान आज भी अपने पुराने स्वाद के लिए पहचानी जाती है. यह दुकान सिर्फ हलीम बेचती है और खास बात यह है कि यहां आजादी के बाद से अब तक स्वाद में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है. साल 1953 में नईमुद्दीन के दादा ने इस छोटे से फूड बिजनेस की शुरुआत की थी. उस वक्त दुकान के मेन्यू में सिर्फ एक ही चीज होती थी- हलीम. लेकिन खाने के शौकीनों को यह स्वाद इतना पसंद आया कि दुकान धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाती चली गई. आज 70 साल से ज्यादा समय बाद भी नईमुद्दीन अपने दादा की वही पुरानी रेसिपी लोगों को परोस रहे हैं.

इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट के अनुसार, करीम होटल के पास स्थित यह छोटी-सी दुकान अब 'नाइम भाई हलीम वाले' और 'बुंदू हलीम' के नाम से जानी जाती है. नईमुद्दीन के लिए यह सिर्फ कमाई का जरिया नहीं, बल्कि उनके दादा और पिता से मिली विरासत है. वह इसे अपने दादा की निशानी और आशीर्वाद मानते हैं.

नईमुद्दीन बताते हैं कि उनके दादा के समय हलीम की एक प्लेट की कीमत सिर्फ चार आने यानी करीब 25 पैसे थी।

बारिश के मौसम में टमाटर की फसल का कैसे रखें ध्यान? खेतों में जमकर होगी पैदावार, तस्वीरों से जानिए जरूरी टिप्स

बारिश के मौसम में टमाटर की फसल के लिए सबसे जरूरी है कि खेत में पानी जमा न होने दें. इसके लिए खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें. क्यारियों के बीच नालियां बनाकर अतिरिक्त पानी को खेत से बाहर निकालें. आइए टमाटर की फसल की देखभाल के कुछ खास उपाय जानते हैं.

बारिश का मौसम किसानों के लिए राहत के साथ कई चुनौतियां भी लेकर आता है. खासकर टमाटर की फसल में इस दौरान ज्यादा नमी, जलभराव और लगातार बादल छाए रहने से रोग और कीटों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है. खेत में पानी जमा होने से टमाटर की जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है और पौधों में सड़न जैसी समस्या देखने को मिल सकती है. ऐसे में अगर किसान समय रहते फसल की सही देखभाल करें, तो बारिश के मौसम में भी टमाटर की अच्छी पैदावार ली जा सकती है.

दरअसल रायबरेली जिले के राजकीय कृषि केंद्र शिवगढ़ के प्रभारी अधिकारी शिव शंकर वर्मा बीएससी एग्रीकल्चर (डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद) लोकल 18 से बात करते हुए बताते हैं कि बारिश के मौसम में टमाटर की फसल के लिए सबसे जरूरी है कि खेत में पानी जमा न होने दें. इसके लिए खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था करे. क्यारियों के बीच नालियां बनाकर अतिरिक्त पानी को खेत से बाहर निकालें. लगातार पानी जमा रहने से जड़ों में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और पौधे कमजोर पड़ने लगते हैं.

बारिश और तेज हवा के कारण टमाटर के पौधे जमीन पर गिर सकते हैं. इससे फल मिट्टी के संपर्क में आकर खराब होने लगते हैं और फफूंद का संक्रमण भी बढ़ सकता है. इसलिए पौधों को लकड़ी, बांस या अन्य उपयुक्त सहारे से बांधकर सीधा रखें. इससे पौधों में हवा का संचार भी बेहतर रहता है और फलों को जमीन से दूर रखा जा सकता है.

मानसून में वातावरण में नमी अधिक होने के कारण टमाटर की फसल में फफूंदजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है. पत्तियों पर धब्बे, पत्तियों का पीला या भूरा पड़ना और तने पर सड़न जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत प्रभावित हिस्सों को खेत से हटाएं. किसी भी फफूंदनाशी या रोग नियंत्रण उत्पाद का इस्तेमाल स्थानीय कृषि विशेषज्ञ की सलाह और लेबल पर दिए निर्देशों के अनुसार ही करें.

खेत में गिरे हुए पत्ते, सड़े फल और खरपतवार को समय-समय पर हटाते रहे. बारिश के बाद खेत में खरपतवार तेजी से बढ़ते हैं, जो पौधों से पोषक तत्व और पानी लेते हैं. इसके अलावा खरपतवार कई कीटों के लिए आश्रय का काम कर सकते हैं. इसलिए निराई-गुड़ाई करते रहना बेहद जरूरी है.

बारिश के दौरान टमाटर में सफेद मक्खी, माहू, फल छेदक और अन्य कीटों का प्रकोप हो सकता है. पौधों की पत्तियों की नियमित जांच करें. पत्तियों के नीचे की तरफ भी ध्यान दें, क्योंकि कई कीट वहीं छिपे रहते हैं. खेत में पीले चिपचिपे ट्रैप जैसे निगरानी उपायों का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

सावन की बारिश में बढ़ता है इस खस्ता मिठाई का स्वाद, महिलाओं की पहली पसंद, दुकानों पर बढ़ी डिमांड

बारिश की बूंदों के साथ इस खास मिठाई का स्वाद बढ़ जाता है. सावन में मिठाई बाजार पर राजस्थान का यह खास जायका छाया रहता है. और महिलाओं में इसका खास क्रेज देखने को मिलता है. जितनी अच्छी बारिश उतना ही इस मिठाई का कुरकुरी टेस्टी लगती है.

राजस्थान की मिठाइयों का स्वाद देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है. यहां हर मौसम के साथ खान-पान का रंग भी बदल जाता है. गर्मियों में ठंडी मिठाइयां पसंद की जाती हैं तो सर्दियों में गर्म तासीर वाले पारंपरिक पकवानों की मांग बढ़ जाती है. वहीं, सावन और बारिश के मौसम की बात हो तो सबसे पहले जिस मिठाई का नाम जुबां पर आता है, वह है घेवर.

मधुमक्खी के छत्ते जैसी बनावट और ऊपर से चाशनी की मीठी परत लिए घेवर देखने में जितना आकर्षक लगता है, स्वाद में उतना ही खास होता है. सावन के महीने में मिठाई की दुकानों पर इसकी मांग अचानक बढ़ जाती है. खासकर महिलाओं के बीच घेवर का अलग ही क्रेज देखने को मिलता है.

घेवर को राजस्थान की बारिश की खास मिठाई कहना गलत नहीं होगा. पारंपरिक तरीके से बनने वाले घेवर की खासियत उसकी जालीदार बनावट और खस्ता स्वाद में होती है. यही वजह है कि बरसात के मौसम में इसका स्वाद लोगों को सबसे ज्यादा भाता है. सावन महीने में इसकी माँग भी मिठाई बाजारों में जबरदस्त रहती है।

10 हजार कदम वॉक या 30 मिनट का वर्क आउट, कौन है ज्यादा फायदेमंद

अक्सर इस बात पर बहस होती रहती है कि वॉक करना ज्यादा बेहतर है या एक्सरसाइज करना. पिछले कुछ वर्षों से 10 हजार कदम चलने का चलन भी जोरो पर है. दुनिया भर में इसे लेकर कई तरह की रिसर्च भी हो रही हैं. निश्चित रूप से इसके फायदे हैं पर रोजाना एक्सरसाइज करने के भी कम फायदे नहीं है. ऐसे में सवाल यही है कि 10 हजार कदम सेहत के लिए ज्यादा बेहतर है या 30 मिनट का वर्क आउट. आइए इसके बारे में जानते हैं।

10,000 कदम चलना और 30 मिनट की एक्सरसाइज. कौन सा बेहतर है. यह सवाल पेचीदा है. दोनों के अपने-अपने फायदे हैं दोनों के अपने-अपने कुछ नुकसान भी. 10 हजार कदम चलने या 30 मिनट के वर्क आउट में किसमें ज्यादा फायदा है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका शरीर कैसा है. आपके शरीर को क्या जंच रहा है. यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप इन्हें कैसे करते हैं. मतलब 10 हजार कदम अगर आप 5 घंटे के अंदर चलेंगे तो इसका कोई फायदा नहीं होगा. वहीं 30 मिनट की एक्सरसाइज आप बहुत धीमे-धीमे कर रहे हैं तो इसका भी कोई फायदा नहीं होगा. इसलिए पहले तो यह जान लें कि 10,000 कदम कोई जादुई संख्या नहीं है. 10,000 कदम चलने का लक्ष्य फिटनेस के एक मानक के तौर पर काफी लोकप्रिय हो रहा है लेकिन यह किसी भी रिसर्च में नहीं प्रमाणित किया गया है कि 10 हजार कदम ही सर्वमान्य संख्या है जिससे सेहत दुरुस्त रहती है. इसलिए यह आधिकारिक शारीरिक गतिविधि संबंधी गाइडलाइन नहीं है. हमेशा फिट रहने के लिए यह जरूरी है कि आपके शरीर को किस तरह की एक्सरसाइज की जरूरत है. दोनों से आप फायदा उठा सकते हैं और दोनों से आप फायदा नहीं भी उठा सकते हैं.

10 हजार कदम चलने के फायदे- पहले बात करते हैं कि 10 हजार कदम चलने के क्या फायदे हैं. रोजाना 10 हजार कदम चलना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है. यह कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को सुधारकर दिल को मजबूत बनाता है. इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा कम होता है. नियमित चलने से कैलोरी बर्न होती है जो वजन घटाने और मोटापे को नियंत्रित करने में मदद करती है. यह शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाकर टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को घटाता है. पैदल चलने से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत बनती हैं तथा जोड़ों की लचक बनी रहती है. इसके अलावा यह एंडोर्फिन हार्मोन को बढ़ाकर तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है तथा बेहतर नींद में मदद करता है.

30 मिनट की एक्सरसाइज से क्या मिलता है-अब जानते हैं कि 30 मिनट की एक्सरसाइज से क्या मिल सकती है. इससे कम समय की कसरत में ज्यादा इंटेंसिटी हासिल हो सकती है. 30 मिनट की एक्सरसाइज से आपके शरीर में मध्यम से तेज तीव्रता वाली पर्याप्त शारीरिक गतिविधि हो सकती है. हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन-सी एक्सरसाइज कर रहे हैं. तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना, तैराकी या स्ट्रेंथ और कार्डियो का कॉम्बिनेशन आपकी हार्ट रेट को बढ़ा सकता है. यह पूरे दिन सामान्य तरीके से थोड़ा-थोड़ा चलकर 10,000 कदम पूरे करने की तुलना में अधिक प्रभावी हो सकता है.

तो फिर कौन-सा बेहतर है-अब सवाल है कि इनमें से कौन सा बेहतर है. यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे चलते-फिरते हैं. पूरे दिन में 10,000 कदम चलने में घर में घूमना-फिरना, काम पर आना-जाना और खरीदारी करना जैसी गतिविधियां शामिल हो सकती हैं. वहीं 30 मिनट की नियमित एक्सरसाइज में आप जानबूझकर मध्यम या तेज तीव्रता के साथ लगातार सक्रिय रह सकते हैं. दोनों तरीकों की तुलना करने वाली रिसर्च बताती है कि दोनों ही शारीरिक गतिविधि बढ़ाने में मदद कर सकते हैं लेकिन दोनों अलग-अलग चीजों को मापते हैं.अगर आप 10 हजार कदम में रनिंग भी करते हैं यह बहुत बेहतर है. वहीं यदि आप 30 मिनट की कठिन एक्सरसाइज करते हैं तो यह भी बहुत बेहतर है. आपके शरीर को क्या जरूरत है, इस हिसाब से यदि आप एक्सरसाइज या वॉक की रुटीन तय करेंगे तो ज्यादा बेहतर होगा.

लेकिन सिर्फ संख्या के पीछे न भागें. एक्सरसाइज की तीव्रता भी मायने रखती है. 10,000 कदम पूरे करने का मतलब यह नहीं है कि आपने 30 मिनट की एक्सरसाइज के बराबर कसरत कर ली है. कोई व्यक्ति दिनभर में 10,000 कदम पूरे कर सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति 30 मिनट में वास्तव में मध्यम या तेज तीव्रता वाली एक्सरसाइज कर सकता है।

न्यूयॉर्क में तिरंगा थामे नजर आईं पूजा हेगड़े,

इंडिया डे परेड में बनीं 'गेस्ट ऑफ ऑनर'

"यह पल मेरे लिए हमेशा याद रहेगा। जय हिंद।"

मुंबई। अभिनेत्री पूजा हेगड़े को न्यूयॉर्क में आयोजित 'इंडिया डे परेड' में गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर आमंत्रित किया गया। इस खास मौके पर पूजा हाथ में तिरंगा थामे नजर आईं और भारतीय समुदाय के साथ देश के प्रति अपना गर्व जाहिर किया।

पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर न्यूयॉर्क इंडिया डे परेड की कई तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में वह पूरे उत्साह के साथ भारतीय झंडा लहराती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह कार के ऊपर खड़ी होकर हाथ में तिरंगा थामे दिखाई दे रही हैं। सामानेह में उन्हें 'चीफ गेस्ट' लिखा हुआ पटका भी पहनाया गया।

भावुक कर देने वाला पल

तस्वीरों के साथ पूजा ने अपने अनुभव के बारे में भी विस्तार से लिखा। उन्होंनें कहा, "न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड में गेस्ट ऑफ ऑनर बनना मेरे लिए बेहद सम्मान और गर्व की बात है। न्यूयॉर्क में रह रहे भारतीयों को एक साथ अपने देश, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों का जश्न मनांते देखना मेरे लिए भावुक कर देने वाला पल रहा।"

44वीं वार्षिक 'इंडिया डे परेड'

दरअसल, न्यूयॉर्क में आयोजित यह 44वीं वार्षिक 'इंडिया डे परेड' थी। इसका आयोजन मैनहट्टन के मैडिसन एवेन्यू पर किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस की ओर से आयोजित यह परेड भारत के बाहर होने वाली सबसे बड़ी 'इंडिया डे परेड' के तौर पर जानी जाती है।

हर साल बड़ी संख्या में भारतीय और भारतीय मूल के लोग इसमें शामिल होते हैं। इस दौरान भारतीय संस्कृति, परंपराओं और देश के प्रति अपने जुड़ाव को खास अंदाज में जाहिर किया जाता है।

मुंबई। अभिनेत्री पूजा हेगड़े को न्यूयॉर्क में आयोजित 'इंडिया डे परेड' में गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर आमंत्रित किया गया। इस खास मौके पर पूजा हाथ में तिरंगा थामे नजर आईं और भारतीय समुदाय के साथ देश के प्रति अपना गर्व जाहिर किया।

पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर न्यूयॉर्क इंडिया डे परेड की कई तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में वह पूरे उत्साह के साथ भारतीय झंडा लहराती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह कार के ऊपर खड़ी होकर हाथ में तिरंगा थामे दिखाई दे रही हैं। समारोह में उन्हें 'चीफ गेस्ट' लिखा हुआ पटका भी पहनाया गया।

तस्वीरों के साथ पूजा ने अपने अनुभव के बारे में भी विस्तार से लिखा। उन्होंने कहा, ''न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड में गेस्ट ऑफ ऑनर बनना मेरे लिए बेहद सम्मान और गर्व की बात है। न्यूयॉर्क में रह रहे भारतीयों को एक साथ अपने देश, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों का जश्न मनाते देखना मेरे लिए भावुक कर देने वाला पल रहा।''

पूजा ने आगे फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस का आभार जताया। उन्होंने कार्यक्रम के शानदार आयोजन के लिए संस्था और न्यूयॉर्क के अधिकारियों को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा, ''इस आयोजन का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी विशेषाधिकार से कम नहीं है। यह पल मुझे हमेशा याद रहेगा। जय हिंद।''

दरअसल, न्यूयॉर्क में आयोजित यह 44वीं वार्षिक 'इंडिया डे परेड' थी। इसका आयोजन मैनहट्टन के मैडिसन एवेन्यू पर किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस की ओर से आयोजित यह परेड भारत के बाहर होने वाली सबसे बड़ी 'इंडिया डे परेड' के तौर पर जानी जाती है। हर साल बड़ी संख्या में भारतीय और भारतीय मूल के लोग इसमें शामिल होते हैं। इस दौरान भारतीय संस्कृति, परंपराओं और देश के प्रति अपने जुड़ाव को खास अंदाज में जाहिर किया जाता है। इस बार पूजा हेगड़े के अलावा अभिनेता अदिवी शेष भी इस आयोजन का हिस्सा बने। उन्हें भी चीफ गेस्ट और ग्रैंड मार्शल की जिम्मेदारी दी गई थी।

रणनीति बनाता हूं पर अपने फायदे के लिए किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता : मुनव्वर फारूकी

विश्व केसरी

मुंबई। अमेजन प्राइम वीडियो के पॉपुलर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' के पहले ही राउंड में कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी बाहर हो गए हैं, जिससे कई फैंस और दर्शक हैरान रह गए। शो से बाहर आकर उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि वह खेल में रणनीति जरूर बनाते हैं लेकिन अपने फायदे के लिए दूसरे लोगों का इस्तेमाल करना उन्हें पसंद नहीं है। उन्होंने अपने खेलने के तरीके और शो को लेकर अपनी सोच खुलकर साझा की है।

मीडिया से मुनव्वर ने कहा, 'मैं जिंदगी में भी काफी सोच-समझकर फैसले लेता हूं और रियलिटी शो में भी रणनीति के साथ आगे बढ़ता हूं। दोनों रियलिटी शो में मैंने शुरुआत से कोई खास योजना बनाकर खेल नहीं खेला। मैं परिस्थितियों को समझकर उसके हिसाब से फैसला लेने में भरोसा रखता हूं। जब किसी चुनौती या काम के लिए रणनीति की जरूरत पड़ती है, तभी मैं उस दिशा में सोचता हूं।'

मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी बात और अपने खेल पर भरोसा रखता हूं। मैं लोगों के साथ मिलकर खेल सकता हूं लेकिन सिर्फ अपने फायदे के लिए किसी को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए खेल का मतलब सिर्फ खुद को बचाना या जीत हासिल करना नहीं है बल्कि इस दौरान दूसरों को बेवजह नुकसान से बचाना भी है।''

अपने खेलने के तरीके को समझाते हुए मुनव्वर ने कहा, 'अगर मैं किसी व्यक्ति को किसी फैसले के लिए प्रभावित करता हूं, तो मेरी कोशिश रहती है कि उसका फायदा उस व्यक्ति को भी मिले। अगर किसी काम में मुझे 80 प्रतिशत फायदा मिलता है, तो सामने वाले को भी 20 प्रतिशत फायदा मिलना चाहिए। मैं किसी दूसरे व्यक्ति के पूरे हिस्से को अपने फायदे के लिए नहीं लेना चाहता।'

मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी वजह से किसी दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। रणनीति बनाना और किसी के साथ चालाकी करना दो अलग-अलग चीजें हैं। मैं रणनीतिक तरीके से खेलना पसंद करता हूं लेकिन ऐसी रणनीति नहीं अपनाना चाहता जिससे किसी दूसरे प्रतियोगी को बिना वजह नुकसान हो।''

'ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में अपने अनुभव को याद करते हुए मुनव्वर ने कहा, ''जब मैं शो में पहुंचा था, तब मेरे पास कोई तय रणनीति नहीं थी। मेरा मकसद सिर्फ खेल को समझना और परिस्थिति के अनुसार आगे बढ़ना था।

प्रीति झंगियानी : न ऑडिशन, न कोई प्लानिंग, अचानक आया फोन और मिल गई 'मोहब्बतें'

मुंबई। 'मोहब्बतें' फिल्म में सादगी और चेहरे पर मासूमियत लिए अभिनेत्री प्रीति झंगियानी ने साल 2000 में बड़े पर्दे पर कदम रखा और रातोंरात स्टार बन गईं। फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, जिमी शेरगिल, उदय चोपड़ा, शमिता शेट्टी और किम शर्मा जैसे कलाकार थे।

प्रीति के लिए यह शुरुआत किसी सपने जैसी थी, क्योंकि उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में सोचा भी नहीं था। हैरत की बात यह है कि जिस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दी, उसके लिए उन्होंने कोई ऑडिशन तक नहीं दिया था।

प्रीति झंगियानी का जन्म 18 अगस्त 1980 को मुंबई में एक सिंधी परिवार में हुआ था। एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले वह मॉडलिंग करती थीं। साल 1997 में उन्हें राजश्री प्रोडक्शंस के म्यूजिक एल्बम 'ये है प्रेम' में काम करने का मौका मिला। इस म्यूजिक वीडियो से उन्हें अच्छी पहचान मिली, और इसके बाद वह कई विज्ञापनों में भी नजर आईं।

फिल्मों में उनकी शुरुआत हिंदी सिनेमा से नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय फिल्मों से हुई। साल 1999 में उन्होंने मलयालम फिल्म 'मजहविल' में काम किया। इसी दौर में वह तेलुगु फिल्म 'थम्मुडु' में भी नजर आईं। इसके बाद उनके लिए बॉलीवुड का दरवाजा खुला। यहां पहुंचने की कहानी काफी अलग थी।

प्रीति ने एक इंटरव्यू में खुद बताया था कि उन्हें यशराज फिल्म्स के ऑफिस से अचानक फोन आया था। उन्हें आदित्य चोपड़ा से मिलने के लिए बुलाया गया। उन्होंने 'मोहब्बतें' के लिए कोई ऑडिशन नहीं दिया था। इसके बाद साल 2000 में 'मोहब्बतें' रिलीज हुई और प्रीति की जिंदगी बदल गई।

'अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है', अंधभक्त कहे जाने पर ईशा कोप्पिकर का जवाब

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने उन्हें दिए गए 'अंधभक्त' टैग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना और उस पर विश्वास करना 'अंधभक्ति' कहलाता है, तो उन्हें इस लेबल को अपनाने में गर्व है।

ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद और देश के लिए कुछ करने की जरूरत पर बात करती नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा, ''अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए। लेकिन मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है।''

ईशा ने कहा, ''इंसान जहां रहता है, उसे उस जगह का सम्मान करना चाहिए और उसे बेहतर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। सिर्फ यह कह देना कि हमें अपने देश से प्यार है, देशभक्ति नहीं है। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे।''

अभिनेत्री ने बच्चों का उदाहरण देते हुए आगे कहा, ''दो तरह के बच्चे होते हैं। एक बच्चा ऐसा होता है जो पूरी जिंदगी यह हिसाब लगाता रहता है कि उसके माता-पिता ने उसे क्या दिया और क्या नहीं दिया। वहीं दूसरा बच्चा ऐसा होता है जो माता-पिता से मिलने वाली चीजों को सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उससे अपने माता-पिता की जिंदगी को भी बेहतर बनाने की कोशिश करता है।''

ईशा ने कहा, ''दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि लोगों की सोच भी बदले। मेरी लोगों से अपील है कि वह नए भारत के निर्माण का हिस्सा बने। मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए या राष्ट्रवादी कहिए, मैं अपने विचारों को लेकर पीछे नहीं हटूंगी।''

वीडियो के आखिर में ईशा ने भारत के प्रति अपने प्यार को दोहराते हुए कहा, ''मैं अपने देश से प्यार करती हूं और भारत पर विश्वास करती हूं। जय हिंद।''

18 साल की उम्र में आमिर खान ने किया था सनी देओल के साथ काम, बोले- 'तब वह बड़े स्टार थे'

विश्व केसरी

मुंबई। आमिर खान और सनी देओल आज हिंदी सिनेमा के उन बड़े नामों में शामिल हैं, जिनकी अपनी अलग पहचान है। दोनों ने अपने लंबे करियर में कई यादगार फिल्में दी हैं और अब सालों बाद एक बार फिर पर्दे से जुड़े एक प्रोजेक्ट को लेकर साथ आए हैं। लेकिन इन दोनों कलाकारों का रिश्ता सिर्फ हाल के वर्षों का नहीं है।

आमिर खान का सनी देओल से जुड़ाव उस समय का है, जब उन्होंने खुद बतौर अभिनेता बॉलीवुड में कदम भी नहीं रखा था। आमिर ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प किस्सा सुनाया और बताया कि वह महज 18 साल की उम्र में सनी देओल की फिल्मों में सहायक निर्देशक के तौर पर काम कर चुके थे।

आमिर खान ने यह खुलासा क्विज-आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के 18वें सीजन में किया। इस खास मौके पर आमिर के साथ सनी देओल और प्रीति जिंटा भी मौजूद थे। शो में जब दर्शकों के साथ सवाल-जवाब चल रहा था, तब आमिर से सनी देओल के साथ पहली बार काम करने के बारे में पूछा गया। इसी सवाल के जवाब में आमिर ने अपने पुराने दिनों को याद किया और बताया कि सनी देओल के साथ उनका पहला काम उस समय हुआ था, जब वह सहायक निर्देशक थे।

आमिर ने कहा, 'जब मैंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, तब मेरी शुरुआत एक सहायक निर्देशक के तौर पर हुई थी। इसी दौरान मेरी मुलाकात सनी देओल से हुई। मेरे चाचा और मशहूर फिल्मकार नासिर हुसैन उस समय 'मंजिल मंजिल' और 'जबरदस्त' नाम की दो फिल्मों पर काम कर रहे थे। दोनों फिल्मों में सनी देओल मुख्य भूमिका में थे, और मैं इन फिल्मों में सहायक निर्देशक की जिम्मेदारी संभाल रहा था।'

आमिर ने आगे कहा, ''मैंने करीब तीन साल तक सनी देओल के साथ सहायक के रूप में काम किया। उस वक्त मेरी उम्र महज 18 साल थी, जबकि सनी देओल इंडस्ट्री में अपनी जगह बना चुके थे और बड़े सितारे माने जाते थे। सनी जैसे बड़े स्टार के साथ काम करने को लेकर मैं और मेरी टीम काफी उत्साहित रहती थी।

सामंथा रुथ प्रभु के लिए अब 'कंप्रेशन सॉक्स' ही हैं फैशन, पैरों की सूजन के साथ साझा किया नया पोस्ट

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी में जुटी हुई हैं और इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बदलते फैशन को लेकर एक ऐसी पोस्ट साझा की, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। दरअसल, उन्होंने पैरों में पहने जाने वाले कंप्रेशन सॉक्स को ही अपना नया फैशन बता दिया।

सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में उनके पैर सूजे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने कंप्रेशन सॉक्स पहने हुए है। इसी तस्वीर के साथ सामंथा ने बेहद छोटे लेकिन मजेदार अंदाज में लिखा, ''अब जिसे मैं फैशन कहती हूं- कंप्रेशन सॉक्स।'' दरअसल, आमतौर पर फैशन को कपड़ों, जूतों और गहनों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सामंथा ने अपनी मौजूदा स्थिति में आराम देने वाले सॉक्स को ही फैशन का नया नाम दे दिया।

गर्भावस्था के दौरान पैरों और पंजों में सूजन की समस्या आम होती है। ऐसे में कंप्रेशन सॉक्स पैरों में आराम देने और ब्लड सुर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। दरअसल, सामंथा ने जून 2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और उनके पति फिल्मकार राज निदिमोरु, अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी। मीडिया से बातचीत में सामंथा ने कहा था कि 'मा इंटी बंगाराम' के बाद उन्हें अपनी मौजूदा स्थिति को देखते हुए थोड़ा ब्रेक लेना पड़ेगा और इसके बाद वह एक और फिल्म के साथ अपने फैंस के बीच वापस लौटेंगी।

कपल की बात करें, तो सामंथा और राज निदिमोरु ने 1 दिसंबर 2025 को शादी की थी। इस शादी में करीबी लोग ही शामिल हुए थे। दोनों की पहली मुलाकात 'द फैमिली मैन 2' के दौरान हुई थी। सामंथा ने इस चर्चित सीरीज में राजी नाम की दमदार भूमिका निभाई थी। शुरुआत में दोनों का रिश्ता पूरी तरह पेशेवर था।

'द फैमिली मैन 2' के बाद सामंथा और राज ने एक बार फिर साथ काम किया। दोनों 'सिटाडेल: हनी बनी' में साथ नजर आए, जो चर्चित वैश्विक 'सिटाडेल' सीरीज का भारतीय संस्करण था। सीरीज को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन इसके निर्माण के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की खबरें सामने आई थीं।

मुंबई पहुंचे अमेरिकी राजदूत गोर ने की सीएम फडणवीस से मुलाकात, भारत-यूएस संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

मुंबई। भारत में अमेरिका के राजदूत ने मंगलवार को मबारष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। गोर मुंबई में आयोजित इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में शामिल हुए।

सीएम फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सर्जियो संग मुलाकात की जानकारी दी। तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ' मुंबई पहुंचे भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करते हुए खुशी हुई। हमने भारत-यूएस संबंधों को मजबूत करने और बेहतर सहयोग के मौके तलाशने पर अच्छी चर्चा की।

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) नेशनल कन्वेंशन 2026 को गोर ने संबोधित भी किया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'रीडिफाइनिंग द इंडिया-यूएस कॉम्प्रीहेंसिव स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' (भारत-अमेरिका व्यापक रणनीतिक साझेदारी को पुनर्परिभाषित करना) है।

गोर ने इस सम्मेलन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'सच में हम समय की एक खास दहलीज पर खड़े हैं। सिर्फ दो दशकों में, हमारे द्विपक्षीय व्यापार ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो लगभग 20 बिलियन डॉलर से बढ़कर 240 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है। यह 12 गुना बढ़ोतरी अचानक नहीं हुई है। कोई भी सेक्टर चुन लें, आप पाएंगे कि अमेरिका और भारत उसे पूरा करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'चाहे वह एआई हो, टेक्नोलॉजी हो, एयरोस्पेस हो, डिफेंस हो, या एनर्जी हो, दोनों देश रिकॉर्ड स्तर पर मिलकर काम कर रहे हैं, बाकी दुनिया से हम आगे हैं। यह गहरे, अटूट भरोसे को दिखाता है। 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का हमारा साझा मकसद हमारे सामने मौजूद मौके के बड़े पैमाने को दिखाता है। यह बेजोड़ क्षमता दर्शाता है।'

गोर के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत पर पूरा भरोसा है। आगे बोले, 'राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर भरोसा करते हैं, और उन्होंने पहले दिन से ही इस रिश्ते को बरकरार रखने पर काफी मेहनत की। अपने दूसरे दौर के कुछ ही हफ्तों में, उन्होंने और पीएम मोदी ने एक भरोसे की पहल शुरू की, जिससे रिश्ते बदल गए और एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, डिफेंस और ज़रूरी चीजों में कोऑपरेशन को तेज करने के लिए स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया।

ओपीकॉन को लेकर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति बोले-हमें अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करने की जरूरत

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि उनका देश आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को मजबूत करने पर ज्यादा जोर देगा। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उनका प्रशासन दक्षिण कोरियाई सेना का युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण (ओपीकॉन) अमेरिका से वापस लेने की दिशा में आगे बढ़ेगा। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, ली ने कैबिनेट की बैठक में कहा, ' ओपीकॉन का हस्तांतरण मेरे कार्यकाल के दौरान पूरा किया जाना चाहिए।

ली का वर्तमान कार्यकाल 2030 में समाप्त होगा। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया को अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करनी होगी, लेकिन यह कदम अमेरिका के साथ मजबूत सैन्य गठबंधन के समानांतर आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हासिल करने की परियोजना में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। उनके मुताबिक, स्वतंत्र रक्षा क्षमता और अमेरिका-दक्षिण कोरिया गठबंधन एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण की व्यवस्था लंबे समय से दोनों देशों के सैन्य गठबंधन का अहम हिस्सा रही है। ओपीकॉन का हस्तांतरण होने पर युद्ध की स्थिति में संयुक्त बलों का नेतृत्व करने की दक्षिण कोरिया की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। ली की यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका का वार्षिक 'उलची फ्रीडम शील्ड' सैन्य अभ्यास चल रहा है।

यह अभ्यास 27 अगस्त तक चलेगा और इसका एक उद्देश्य संभावित उत्तर कोरियाई हमले की स्थिति में दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता को मजबूत करना तथा दक्षिण कोरिया की संयुक्त बलों का नेतृत्व करने की क्षमता को परखना है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में बड़ी कटौती का निर्देश दिया है। पेंटागन ने कहा है कि वह ट्रंप के निर्देश को लागू करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था और ओपीकॉन हस्तांतरण की प्रक्रिया पर भी नजरें टिक गई हैं।

ली सरकार का जोर ऐसे समय में अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने पर है जब उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं।

संक्षिप्त खबर

पीओके में उड़ाई जा रहीं मानवाधिकारों की धज्जियां, उठे सवाल

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हुकूमत से इस बेहद गैर जिम्मेदाराना और क्रूर हमलों को लेकर लोगों में काफी गुस्सा है। इस बीच, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने पाकिस्तानी सेना के बढ़ते अत्याचारों की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा है। यूकेपीएनपी ने इस इलाके में आम लोगों की मौत, मनमानी गिरफ्तारी, लोगों को अगवा करने, कम्युनिकेशन ब्लैकआउट, आने-जाने पर रोक और शांति से काम करने वाले राजीनितक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार रक्षकों के खिलाफ सजा देने की खबरों पर गहरी चिंता जताई। पीओके में पाकिस्तानी सेना द्वारा आम लोगों पर किए जा रहे अत्याचारों पर रोशनी डालते हुए, संगठन ने कहा, 'न्यायेत्तर हत्याओं, लोगों को अगवा करने, यातना, गैर-कानूनी हिरासत, अत्यधिक बल प्रयोग, और घरों, दुकानों, बिजनेस और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या तोड़फोड़ के आरोपों की स्वतंत्र रूप से जांच होनी चाहिए। आपराधिक कार्यों में लिप्त लोगों को भरोसेमंद और निष्पक्ष कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' यूकेपीएनपी ने संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक समुदाय से अपील की कि वे पाकिस्तान को पीओके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और आम लोगों के खिलाफ 'अत्यधिक बल प्रयोग' करने से रोकें। उन पर दबाव डाला जाए।

बांग्लादेश में पुलिस ने पत्रकार को पीटा, मानवाधिकार संगठनों ने कार्रवाई की उठाई मांग

विश्व केसरी

पेरिस। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पुलिसकर्मियों द्वारा एक पत्रकार के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ कर्मियों ने पुलिस वैन में ले जाकर पत्रकार की पिटाई की। इस मुद्दे को मानवाधिकार संगठन ने प्रेस की आजादी पर हमला करार दिया है। कथित तौर पर पत्रकार ने पुलिसकर्मियों को एक महिला के साथ मारपीट करते हुए देखा और घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे जबरन पुलिस वैन में ले जाकर पीटा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश इन फ्रांस (जेएमबीएफ) ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से जेएमबीएफ ने बताया, ' यह घटना इसी महीने ढाका के बिजॉय सरानी चौराहे पर हुई। ग्लोबल टेलीविजन के पत्रकार बुलबुल हुसैन वहां इस्लामी छात्र शिबिर और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की कवरेज के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर कुछ पुलिसकर्मियों को एक महिला के साथ मारपीट करते देखा। बांग्लादेशी दैनिक ढाका ट्रिब्युन से बातचीत में बुलबुल ने बताया कि उन्होंने पत्रकारिता के दायित्व के तहत घटना को कैमरे में रिकॉर्ड करना शुरू किया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनसे वीडियो डिलीट करने को कहा।

जापान नई डील के तहत ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट कर पाएगा अपने हाइपरसोनिक मिसाइल

विश्व केसरी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच रक्षा सहयोग को लेकर डील हुई है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा है कि जापान आने वाले दशक में ऑस्ट्रेलिया की मिसाइल परीक्षण रेंज का इस्तेमाल अपने विभिन्न मिसाइल कार्यक्रमों के परीक्षण के लिए कर सकता है। इनमें जापानी हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल होंगे।

मार्ल्स ने मंगलवार को कैनबरा में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ मुलाकात के बाद कहा कि दोनों देश इस दिशा में एक बेहतर और विस्तारित व्यवस्था पर बातचीत आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत जापान को विभिन्न प्रकार की मिसाइल क्षमताओं के परीक्षण के लिए ऑस्ट्रेलिया की रेंज उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें जापान का हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम भी शामिल है। जापानी रक्षामंत्री ने इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा, अगर जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्स ऑस्ट्रेलिया में हाइपरसोनिक मिसाइलों जैसी स्टैंडऑफ मिसाइलों का टेस्ट लॉन्च कर पाती है, तो यह एक बहुत बड़ी घटना होगी। यही वजह है कि हम इस मकसद को पूरा करने के लिए बातचीत तेज करेंगे।

वहीं, मार्ल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच सैन्य तकनीक और क्षमताओं के क्षेत्र में सहयोग बढ़ सकता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब जापान अपनी रक्षा क्षमताओं को तेजी से मजबूत कर रहा है। क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों और उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रम के बीच टोक्यो लंबी दूरी की मिसाइलों और हाइपरसोनिक हथियारों समेत आधुनिक सैन्य प्रणालियों पर जोर दे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने रक्षा साझेदारों के साथ सैन्य सहयोग बढ़ा रहा है। जापान के साथ मिसाइल परीक्षण सुविधाओं को साझा करना दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को एक नए स्तर पर ले जा सकता है।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री झू रोंगजी का बीजिंग में किया गया अंतिम संस्कार

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन के पूर्व प्रधानमंत्री झू रोंगजी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार को राजधानी बीजिंग में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। राष्ट्रपति शी जिनपिंग और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) और देश के दूसरे वरिष्ठ नेताओं ने बाबाओशान रिवोल्यूशनरी कब्रिस्तान में झू को आखिरी विदाई दी। सरकार ने महत्वपूर्ण स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुकाकर उनके निधन पर औपचारिक शोक जताया।

सिंहुआ के अनुसार 98 वर्षीय झू रोंगजी का निधन 12 अगस्त को हुआ था। वह 1998 से 2003 तक चीन के प्रधानमंत्री रहे और देश के आर्थिक सुधारों के दौर के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनके कार्यकाल में सरकारी कंपनियों के पुनर्गठन, बैंकिंग और कर व्यवस्था में सुधार तथा महंगाई पर नियंत्रण जैसे बड़े कदम उठाए गए। चीन के विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शामिल होने की प्रक्रिया में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मंगलवार को तियानआनमेन स्क्वायर और बाबाओशान श्मशान घाट की ओर जाने वाले मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई। बाबाओशान वह स्थान है जहां चीन के शीर्ष नेताओं का आमतौर पर अंतिम संस्कार किया जाता है। झू के अंतिम संस्कार में शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी और कार्यक्रम को लेकर सरकारी स्तर पर पूरी गोपनीयता और नियंत्रण बनाए रखा गया था। झू रोंगजी की लोकप्रियता का एक कारण उनका बेबाक और स्पष्ट बोलने वाला व्यक्तित्व भी था। आर्थिक सुधारों को लागू करने के दौरान उन्होंने सरकारी क्षेत्र में बड़े बदलाव किए, जिनके कारण लाखों लोगों की नौकरियां भी गईं।

अफगानिस्तान में स्कूल के बाहर ब्लास्ट, कई लोग घायल

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिमी हिस्से में एक निजी स्कूल के बाहर हुए ब्लास्ट में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जदरान ने सोमवार रात इसकी पुष्टि की।

खालिद जदरान ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही संबंधित टीमें मौके पर पहुंच गईं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ब्लास्ट उस समय हुआ जब छात्र स्कूल से छुट्टी के बाद बाहर निकल रहे थे। घायलों में ज्यादातर लड़कियां शामिल हैं। एक चश्मदीद ने बताया कि लगभग 30 घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले जून में अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत हेलमंद में युद्ध के समय के बचे हुए दो विस्फोटक उपकरणों के फटने से एक बच्चे की मौत हो गई थी और 6 अन्य घायल हुए थे। इसकी जानकारी प्रांतीय सूचना और संस्कृति निदेशक मुल्ला अब्दुल बारी रशीद ने दी थी।

पहली घटना संगिन जिले में हुई। यहां तीन मासूम बच्चों को खिलौने जैसा एक सामान मिला और वे उससे खेलने लगे। तभी वह फट गया। इस हादसे में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। दूसरी घटना उसी दिन उसी जिले में कुछ घंटे बाद हुई, जिसमें 4 बच्चे घायल हुए। अधिकारी ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। 2 जून को पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में भी युद्ध के समय का एक बचा हुआ विस्फोटक फटने से एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया था। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के बयान के अनुसार, यह घटना गिलान जिले में हुई। यहां एक लड़के को खिलौने जैसा सामान मिला और वह उससे खेलने लगा, तभी वह फट गया।

अफगानिस्तान को दुनिया के सबसे ज्यादा बारूदी सुरंगों वाले देशों में गिना जाता है।

मास्को पर यूक्रेन का दो वर्षों में सबसे बड़ा ड्रोन हमला, 620 यूएवी से निशाना

विश्व केसरी

मास्को। रूस की राजधानी मास्को पर यूक्रेन ने बड़ा ड्रोन हमला किया है। ये पिछले दो वर्षों में किया गया सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। शहर के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम से मंगलवार सुबह पांच बजे तक मॉस्को क्षेत्र की ओर 620 मानवरहित विमान पहुंचे, जिनमें से 180 को रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया।

सोबयानिन ने कहा, ' जहां ड्रोन का मलबा गिरा उन स्थलों पर आपातकालीन दल काम कर रहे हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमले में किसी के हताहत होने या बड़े पैमाने पर नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। हवाई हमले के खतरे को देखते हुए मास्को के वनुकोवो, झुकोव्स्की और डोमोडेदोवो हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। वहीं, शेरेमेत्येवो हवाई अड्डे पर भी आंशिक प्रतिबंध लगाए गए। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी।

मॉस्को पर ड्रोन हमले का पिछला रिकॉर्ड रविवार रात बना था, जब करीब 600 ड्रोन के जरिए रूसी राजधानी को निशाना बनाए जाने की सूचना मिली थी। महज दो दिनों के भीतर यह दूसरा बड़ा ड्रोन हमला है, जिससे रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में हवाई हमलों की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इससे पहले 12 अगस्त को यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूस के नोवोरोस्सियस्क शहर में तीन लोगों की मौत और आठ अन्य के घायल होने की सूचना मिली थी। क्रास्नोडार के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने इसकी पुष्टि की थी।

हमले के बाद नोवोरोस्सियस्क के मेयर आंद्रेई क्रावचेंको ने आपातकाल की स्थिति घोषित की थी। ड्रोन हमले में कई शैक्षणिक संस्थानों को नुकसान पहुंचा था और पानी की दो मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थीं ।

इंडोनेशिया के सुमात्रा में 6.1 तीव्रता का भूकंप

विश्व केसरी

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में नियास द्वीप के पास मंगलवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जान माल के नुकसान की तुरंत कोई खबर नहीं मिली। एजेंसी ने बताया कि भूकंप दोपहर 1:02 बजे (स्थानीय समयानुसार) आया, जिसका केंद्र साउथ नियास रीजेंसी से लगभग 147 किमी दक्षिण-पूर्व में 29 किमी की गहराई पर था। इसने आगे कहा कि भूकंप से सुनामी आने का खतरा नहीं था।

यह इस महीने की शुरुआत में आए एक और तेज भूकंप के बाद आया है इंडोनेशिया के ईस्ट नुसा तेंगारा (एनटीटी) प्रांत में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। जिसमें जान माल का काफी नुकसान हुआ था। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी (बीएनपीबी) यानी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है। बीएनपीबी के प्रिवेंशन डिप्टी अब्दुल मुहरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, 'मौमंगराई रीजेंसी में 26, ईस्ट मंगराई में 24, नागेकेओ में आठ, सिक्का में चार, और एंडे, वेस्ट मंगराई और नगाडा में दो-दो लोगों की मौत हुई जबकि 213 अन्य घायल हुए हैं।'

भूकंप के बाद से कम से कम 1,576 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए थे। आदेश के अनुसार, भूकंप का केंद्र नागेकेओ रीजेंसी में मबे से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में 15 किमी की गहराई पर था।

वेनेजुएला में जून में आए दोहरे भूकंप से अब तक 6,438 लोगों की मौत

विश्व केसरी

कराकस। वेनेजुएला की सरकार ने 24 जून को आए दोहरे भूकंप से हुई मौतों के आधिकारिक आंकड़े को अपडेट करते हुए बताया है कि मृतकों की संख्या बढ़कर 6,438 हो गई है। पिछले सप्ताह जारी किए गए आंकड़े की तुलना में मृतकों की संख्या में 137 का इजाफा हुआ है।

सरकार की ओर से सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, भूकंप से प्रभावित परिवारों को अब तक 335 घर सौंपे जा चुके हैं। इसके अलावा, देशभर में 59,109 इमारतों का निरीक्षण किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे रहने के लिए सुरक्षित हैं या नहीं।

जिन इमारतों का आकलन किया गया, उनमें से 34,680 को रहने योग्य पाया गया है, जबकि 13,733 इमारतों को प्रतिबंधित पहुंच वाली श्रेणी में रखा गया है। वहीं, 10,696 इमारतों को उच्च जोखिम वाली इमारतों के रूप में चिन्हित किया गया है। इससे पहले जारी अपडेट में बताया गया था कि भूकंप से प्रभावित परिवारों को 287 से अधिक घर उपलब्ध कराए जा चुके हैं और देशभर में 43,679 इमारतों का मूल्यांकन किया गया है। वेनेजुएला सरकार ने इमारतों की रहने योग्य स्थिति का आकलन करने के लिए ट्रैफिक-लाइट आधारित टैगिंग प्रणाली लागू की है। इसके तहत हरे रंग का टैग उन इमारतों को दिया जाता है जिन्हें रहने के लिए सुरक्षित माना गया है। पीले रंग का टैग प्रतिबंधित पहुंच वाली इमारतों के लिए है, जबकि लाल रंग का टैग उन इमारतों पर लगाया जाता है जिन्हें उच्च जोखिम वाला माना गया है और जिन्हें गिराया भी जा सकता है।

24 जून को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप आए थे। इन दोनों भूकंपों के केंद्र क्रमश: पश्चिमी राज्य याराकुय और मध्य राज्य ला गुआइरा में थे। तटीय राज्य ला गुआइरा में इन दोनों भूकंपों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पहले की जानकारी के अनुसार, यहां 10,981 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। राजधानी कराकस में 6,133 और मध्य राज्य मिरांडा में 1,323 लोग आश्रय स्थलों में हैं।

इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने हाल ही में आए भूकंपों के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों की ओर से उपलब्ध कराई गई मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कराकस में एक संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद यह बात कही।

सैलून व मोची दुकान की आड़ में चल रहे अवैध सट्टा कारोबार का पुलिस ने किया भांडाफोड़!

आरोपियों से सट्टा पट्टी एवं कुल नगदी रकम 1510 रुपए जप्त

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अवैध जुआ, सट्टा एवं असामाजिक गतिविधियों पर पूर्णत: अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशों के तहत थाना कसडोल पुलिस द्वारा बाजार चौक कसडोल क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाकर सट्टा-पट्टी लिखने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।

मामला 01: सैलून दुकान में सट्टा लिखते पकड़ाया संचालक (अपराध क्रमांक 310/2026)- दिनांक 17/08/2026 को गश्त एवं टाउन पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बाजार चौक कसडोल स्थित सखा सैलून का संचालक अवैध रूप से पैसों का दांव लगवाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा है। पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर दबिश दी गई, जहां सैलून संचालक सखाराम श्रीवास को रंगे हाथों सट्टा-पट्टी लिखते पकड़ा गया।

जब्ती: 02 नग सट्टा-पट्टी, 01 नग डाट पेन एवं नगदी रकम 830 रुपए।

आरोपी: सखाराम श्रीवास पिता रामगोपाल निवासी वार्ड क्रमांक 12 बगदेवी पारा कसडोल थाना कसडोल (संचालक, सखा सैलून)

मामला 02: मोची दुकान की आड़ में सट्टा-पट्टी खिलाते पकड़ाया आरोपी (अपराध क्रमांक 311/2026)- इसी क्रम में दिनांक 17/08/2026 को शाम लगभग 16:55 बजे मुखबिर की सूचना पर बाजार चौक कसडोल स्थित एक मोची दुकान पर दबिश दी गई। वहां आरोपी रामचरण मिरी अपनी दुकान में कागजों पर अंकों का दांव लगवाकर अवैध सट्टा खिला रहा था।

जब्ती: 01 कोरा कागज (सट्टा-पट्टी लिखा हुआ), 01 नग डाट पेन एवं नगदी रकम ?680।

आरोपी: रामचरण मिरी पिता खेनूराम मिरी, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम असनीद, थाना कसडोल।

वैधानिक कार्रवाई:- दोनों मामलों में आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ राज्य जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 06 के तहत दंडनीय अपराध पाए जाने पर थाना कसडोल में पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों की पतातलाश जारी है। प्रकरण विवेचना में है।

रूपकुमारी चौधरी को भाजपा ने सौंपी देशभर की नारी शक्ति की कमान

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह)। महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर पूरे महासमुंद लोकसभा क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। छत्तीसगढ़ की बेटी को भाजपा संगठन में देशभर की महिला शक्ति का नेतृत्व करने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं, महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मंगलवार को नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के नेतृत्व में नगर पंचायत के पार्षदों ने सांसद निवास बसना पहुंचकर रूपकुमारी चौधरी से मुलाकात की और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने कहा कि रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी संगठनात्मक क्षमता, जनसेवा के प्रति समर्पण, कार्यकर्ताओं से जुड़ाव, महिलाओं के बीच उनकी सक्रियता और मजबूत नेतृत्व क्षमता पर विश्वास जताते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। निश्चित रूप से उनके अनुभव और कुशल नेतृत्व से महिला मोर्चा को देशभर में नई दिशा और नई ऊंचाई मिलेगी।

उन्होंने कहा कि रूपकुमारी चौधरी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की महिला शक्ति के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। महासमुंद लोकसभा की जनता के लिए यह बेहद गौरव की बात है कि यहां से निर्वाचित सांसद को आज पूरे देश की महिलाओं से जुड़े सबसे बड़े संगठनों में से एक की जिम्मेदारी संभालने का अवसर मिला है। इससे छत्तीसगढ़ की महिलाओं का सम्मान और मनोबल दोनों बढ़ा है। निषाद ने कहा कि आज महिलाएं देश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर अपनी भूमिका निभा रही हैं। राजनीति से लेकर प्रशासन, शिक्षा, चिकित्सा, खेल, उद्योग, विज्ञान, कृषि और सामाजिक क्षेत्र तक महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया है।

संक्षिप्त खबर

जीवन यादव को यादव समाज युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया

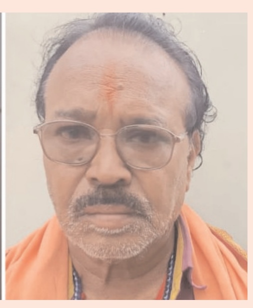

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। यादव समाज जिला धमतरी का कार्यकारिणी बैठक ग्राम बनरौद में रखा गया, जिसमें समाज के विकास तथा सामाजिक गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें युवा प्रकोष्ठ के वर्तमान जिला अध्यक्ष दिनेश यादव (डी के यादव) को सामाजिक अनुशासनहीनता पाए जाने के कारण जिला धमतरी युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद को समाप्त कर दिया गया। सर्वसम्मति से गोरेगॉव के उपसरपंच जीवन यादव को जिला युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष मनराखान यादव चिखली, उपाध्यक्ष गनेश यादव गड्डोंगरी, अंकालू यादव, गोबरा गोवर्धन यादव पांडरवही, चिरंजीव यादव, योगेश यादव, मन्नू यादव, जसवंत यादव, पतिराम यादव, अनिल यादव, महिला प्रकोष्ठ खेमिन यादव एवं जिला कार्यकारिणी सभी सदस्य उपस्थित थे।

नगर पंचायत नगरी में शान से लहराया तिरंगा

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। स्वतंत्रता दिवस का पर्व नगर पंचायत नगरी में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। नगर में पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्वजारोहण कर देश की आन-बान-शान तिरंगे को सलामी दी गई। नगर पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने ध्वजारोहण किया। वहीं नगर के बस स्टैंड में नगर पंचायत उपाध्यक्ष विकास बोहरा द्वारा तिरंगा फहराया गया। दैनिक बाजार में पार्षद अश्वनी निषाद एवं नरेश पटेल ने ध्वजारोहण किया। गांधी बाल उद्यान में पार्षद चेलेश्वरी साहू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसी क्रम में राजा बड़ा गांधी मैदान में नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, पार्षद यशकरण पटेल एवं डगेश्वरी साहू द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं बच्चों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी और देश की एकता एवं अखंडता का संकल्प लिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। हाथों में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जज्बा लिए नगरवासियों एवं स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भारत माता के जयकारे लगाए। पूरे नगर में देशभक्ति का माहौल नजर आया और आजादी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

साल्हेतराई विद्यालय में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया 80 वां स्वतंत्रता दिवस

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। पिथौरा विकास खण्ड अन्तर्गत शासकीय हाई स्कूल साल्हेतराई में स्वतंत्रता दिवस का समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुबह गांव में प्रभात फेरी निकाली गई। तत्पश्चात ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई। एवं राष्ट्रगान के साथ गगन भेदी नारे लगाए गए। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूतपूर्व प्रधान पाठक अयोध्या प्रसाद मिश्रा विराजमान रहे तथा अध्यक्षता शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामलाल मलिक ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के वंदना के साथ हुआ। स्वागत भाषण वरिष्ठ व्याख्याता जे पी ताडी ने दिया। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच ग्राम खुर्सीपहार श्रीमती कल्याणी कमल प्रधान, परमानंद पंडा, शिक्षाविद, ग्राम पंचायत के पंचगण, शाला विकास समिति के पदाधिकारी गण, गणमान्य नागरिक गण, शिक्षक, शिक्षिकाएं, आंगनबाड़ी की सहायिका, रसोईया एवं स्वीकार उपस्थित रहे। बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया और खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्येंद्र कुमार पाल, श्रीमती निलेश्वरी साहू, श्रीमती नीरा ठाकुर, श्रीमती खीर कुमारी पटेल, सुश्री कामायनी पंडा, श्रीमती डालीम बुडेक का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ व्याख्याता हितेश कुमार मिश्रा ने किया। आभार प्रदर्शन प्रभारी प्राचार्य महेश राम साव ने किया। अंत मे ग्राम पंचायत खुर्शीपहार द्वारा मिष्ठान वितरण किया गया।

पीआईबी तमिलनाडु के पत्रकारों ने जानी बस्तर की बदलती तस्वीर

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। बस्तर की जमीनी हकीकत, आदिवासी संस्कृति और विकास की बदलती तस्वीर से देश के अन्य हिस्सों के पत्रकारों को रूबरू कराने के उद्देश्य से पीआईबी तमिलनाडु की पत्रकारों की टीम बीजापुर पहुंची। टीम ने कलेक्टर विश्वदीप एवं पुलिस अधीक्षक उमेश गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण अंचलों का भ्रमण कर स्थानीय जीवनशैली, आदिवासी संस्कृति, शिक्षा और विकास कार्यों को करीब से जाना। भ्रमण के दौरान पत्रकारों ने ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र में आए बदलावों को समझने का प्रयास किया। टीम ने बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और ग्रामीण परिवेश को करीब से देखा। गांवों में शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ नई पीढ़ी में दिखाई दे रहे उत्साह को भी पत्रकारों ने महसूस किया। दौरे के दौरान बच्चों के हाथों में तिरंगा और ग्रामीणों के बीच विकास को लेकर बढ़ता भरोसा बस्तर में हो रहे बदलाव की तस्वीर पेश करता नजर आया। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं की पहुंच ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ने से लोगों के जीवन में बदलाव दिखाई दे रहा है। कभी नक्सलवाद के साये के लिए पहचाने जाने वाले बस्तर के कई इलाकों में अब शांति, शिक्षा और विकास की नई तस्वीर उभर रही है। सुरक्षा के साथ प्रशासन और सरकार की विकास योजनाओं की पहुंच गांवों तक बढ़ने से ग्रामीणों में विश्वास मजबूत हुआ है।

पीआईबी तमिलनाडु के डायरेक्टर पी. अरुण कुमार ने कहा कि पत्रकारों के लिए यह भ्रमण बस्तर को बाहर से देखने के बजाय यहां के लोगों के बीच जाकर समझने का महत्वपूर्ण अवसर है। पत्रकारों ने ग्रामीण जीवन, आदिवासी संस्कृति और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को करीब से समझा। पीआईबी अधिकारी बी. एस. ध्रुव ने भी भ्रमण के दौरान बस्तर की संस्कृति और विकास की तस्वीर को करीब से देखने के अनुभव साझा किए।

नागदेव मंदिर हटकेशर धमतरी में शिविर का आयोजन

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। संचनालय आयुष विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. कृपा राम ठाकुर सर के मार्गदर्शन में निशुल्क स्वास्थ्य एवं गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन नागपंचमी के शुभ अवसर पर नागदेव मंदिर हटकेशर धमतरी में किया गया।उक्त शिविर में 89 कुल रोगी लाभान्वित हुए शिविर मे बीपी एवं मधुमेह की जांच की गई तथा इनसे बचाव के लिए जीवनशैली कैसे होनी चाहिए बताया गया शिविर मे डॉ. जयालता साहू (आयुष चिकित्सक),टाकेश्वर सिन्हा (फॉर्मासिस्ट)दारा लोगो की जांच व उपस्थित हुए को गैर संक्रामक रोगों के कारण, लक्षण एवं बचाव के बारे मे तथा योग, प्राणायाम,दिनचर्या एवं ऋतुचर्या पालन के संबंध में जानकारी भी दी गई।

विधायक रोहित साहू ने पिपरछेड़ी को दी ग्राम सदन की सौगात

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। ग्राम पंचायत सेम्हरतरा-पिपरछेड़ी में ग्राम सदन लोकार्पण गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू जी उपस्थित रहे। अपने गृह ग्राम पहुँचने पर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने बाजे-गाजे, पुष्पहार और आतिशबाजी के साथ विधायक का अत्यंत भावुकता से स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सरपंच संघ गरियाबंद के जिला अध्यक्ष हरीश साहू ने की।

इस अवसर पर पिपरछेड़ी स्थित नवनिर्मित ग्राम सदन भवन में पट्टिका का अनावरण कर विधिवत लोकार्पण किया गया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि जिस माटी में मैं खेला-कूदा और पला-बढ़ा हूँ, आज जनप्रतिनिधि के रूप में उसी मातृभूमि और अपने परिजनों की सेवा करने का अवसर मुझे मिला है। गृहग्राम का स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

गांव का सर्वांगीण विकास, हर ग्रामीण तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना मेरी पहली प्राथमिकता है।उन्होंने आगे कहा कि ग्राम सदन भवन के बन जाने से गांव की बैठकों, सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों और अन्य गतिविधियों के संचालन में अपार सुगमता आएगी। विधायक ने क्षेत्र में आने वाले समय में सड़कों, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्धता दोहराई और ग्रामीणों की मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम पंचायत के सरपंच एवं जिला अध्यक्ष सरपंच संघ गरियाबंद हरीश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन हमारी ग्राम पंचायत सेम्हरतरा-पिपरछेड़ी के लिए ऐतिहासिक है। गाँव के सर्वांगीण विकास के लिए ग्राम सदन की अत्यंत आवश्यकता थी, जो आज साकार हो चुकी है। हमारे गांव के माटीपुत्र रोहित साहू जी निरंतर गाँव और क्षेत्र की जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन और सहयोग से हमारी पंचायत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस दौरान सभी अतिथियों ने नाग पंचमी के अवसर पर बारह नाग देवताओं की पूजा अर्चना की।

समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के सुपरहिट पंडवानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलाकारों द्वारा महाभारत के प्रसंगों पर जीवंत प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में नंद जी साहू उपसरपंच, ग्राम पंचायत पिपरछेड़ी,मंशा राम साहू अध्यक्ष, ग्राम विकास समिति,मंशा रामखाभन लाल साहू,कोषाध्यक्ष, ग्राम विकास समिति साथ ही गांव के वरिष्ठ नागरिक एवं गणमान्य जन विष्णु राम साहू, किशलाल साहू, ईश्वर लाल साहू, पन्ना लाल निर्मलकर आदि उपस्थित थे।

भारी बारिश के बीच छुरा नगर में निकली भव्य कांवड़ यात्रा, 12 शिवलिंगों में हुआ जलाभिषेक

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह)। बोल बम सेवा समिति के तत्वावधान में पवित्र सावन मास के तृतीय सोमवार एवं नागपंचमी के पावन अवसर पर छुरा नगर में भव्य कांवड़ यात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। लगातार हो रही बारिश भी शिवभक्तों के कदम नहीं रोक सकी। श्रद्धालु पूरे जोश और उत्साह के साथ 'बोल बम' एवं 'हर-हर महादेव' के जयघोष लगाते हुए यात्रा में आगे बढ़ते रहे। उनकी अटूट आस्था और भक्ति से पूरा छुरा नगर शिवमय हो उठा।

बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर नगर भ्रमण पर निकले और नगर के प्रमुख 12 शिवलिंगों में जलाभिषेक किया। डीजे पर गूंजते शिवभक्ति गीतों और जयघोष से नगर की गलियां भक्तिमय हो गईं।

12 शिवलिंगों में हुआ जलाभिषेक

कांवड़ यात्रा का शुभारंभ सुखा नदी एनीकट किनारे स्थित सुखेश्वर महादेव में विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक के साथ हुआ। इसके बाद कांवड़ियों का जत्था साखेश्वर महादेव (मामूलीपारा) पहुंचा, जहां पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु आगे बढ़े।

इसके पश्चात कांवड़ यात्रा संतोषेश्वर महादेव (संतोषीपारा), थानेश्वर महादेव (पुलिस थाना परिसर) होते हुए छुरेश्वर महादेव (रावणभाटा परिसर) पहुंची। इसके बाद श्रद्धालुओं ने नागेश्वर महादेव (शिक्षक कॉलोनी) में पूजा-अर्चना की।

आगे कांवड़ियों का जत्था हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित त्रिलोकेश्वर महादेव पहुंचा, जहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद लिलेश्वर महादेव (लीलाबाई हॉस्पिटल परिसर), विद्युतेश्वर महादेव (बिजली विभाग परिसर), वनेश्वर महादेव (वन विभाग परिसर) एवं शिवेश्वर महादेव (शिव चौक) में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया।

अंत में कांवड़ यात्रा मानस मंदिर परिसर स्थित यज्ञेश्वर महादेव पहुंची। यहां सभी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद भव्य महाआरती का आयोजन हुआ और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कांवड़ यात्रा का समापन हुआ।

धार्मिक झांकी ने मोहा मन

कांवड़ यात्रा में स्कूली बच्चों ने भगवान महादेव एवं माता पार्वती का रूप धारण कर आकर्षक धार्मिक झांकी प्रस्तुत की। बच्चों की सुंदर वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों का मन मोह लिया।

अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद भी हुईं शामिल

नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद भी कांवड़ यात्रा में श्रद्धापूर्वक शामिल हुईं। उन्होंने शिवभक्तों के साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा में सहभागिता की तथा विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति, नगर की एकता एवं आपसी भाईचारे का यह आयोजन छुरा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करता है। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से छुरा नगर में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उनकी सहभागिता से शिवभक्तों में उत्साह और बढ़ गया।

हर वर्ग की रही सहभागिता

कांवड़ यात्रा में नगर के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, महिला मंडलों, युवाओं, स्कूली बच्चों, मंदिरों के पुजारियों एवं महाराज सहित सभी वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महिलाओं और युवाओं की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही।

कांवड़ यात्रा ने छुरा नगर की सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और आपसी भाईचारे का सुंदर संदेश दिया। लगातार बारिश के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बना।

नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर किया सहयोग

यात्रा की सफलता में नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा। श्रद्धालुओं के लिए जल, प्रसाद एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लोगों ने स्वेच्छा से आगे आकर सहयोग किया। विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की गई।

रेजरपे ने लॉन्च किया भारत का पहला एआई-संचालित पेमेंट्स फाउंडेशन मॉडल 'रेजरपे वल्कन', डिजिटल ट्रांजैक्शन होगा अधिक सुरक्षित और प्रभावी

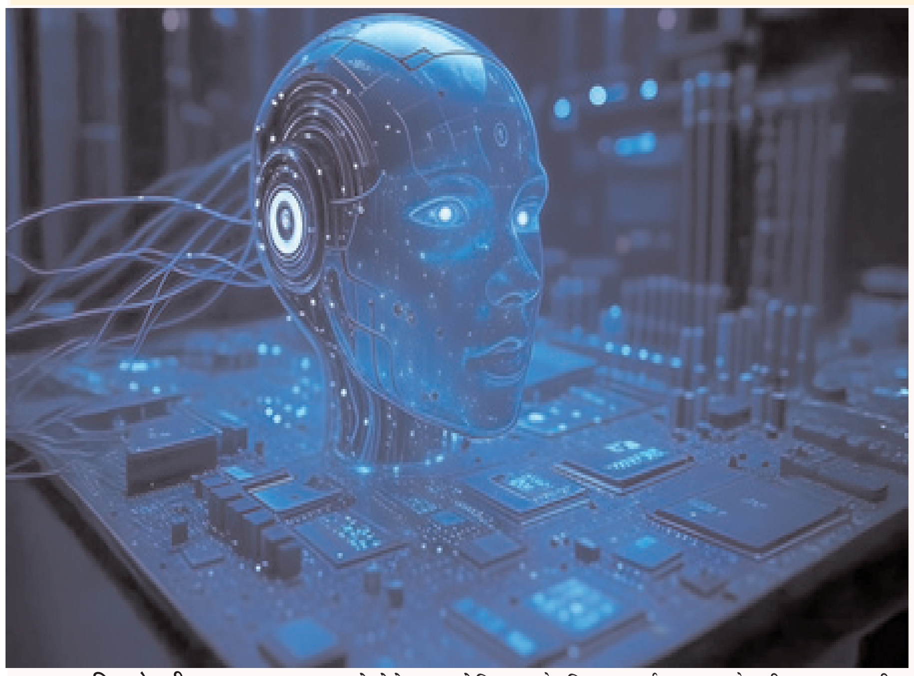

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे ने देश की डिजिटल भुगतान व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और कुशल बनाने के उद्देश्य से एआई-संचालित पेमेंट्स फाउंडेशन मॉडल 'रेजरपे वल्कन' लॉन्च किया है। कंपनी के अनुसार, यह भारत का पहला ट्रांसफॉर्मर-आधारित एआई फाउंडेशन मॉडल है, जिसे विशेष रूप से पेमेंट्स इकोसिस्टम के लिए विकसित किया गया है।

रेजरपे ने बताया कि यह मॉडल एनवीडिया और अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) की तकनीक के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य भुगतान विफलताओं, धोखाधड़ी, ट्रांजैक्शन रूटिंग और चेकआउट प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को कम करना है। भारत में तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच यह तकनीक ऑनलाइन ट्रांजैक्शन को और अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद करेगी।

कंपनी के मुताबिक, इस मॉडल को विकसित करने से पहले 15 लाख उपभोक्ताओं और 51,000 से अधिक व्यवसायों पर आधारित एक आंतरिक अध्ययन किया गया, जिसमें पाया गया कि भुगतान प्रक्रिया से जुड़ी समस्याएं केवल महानगरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों के उपभोक्ता भी इन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस एआई मॉडल के शुरुआती घटकों को पहले ही रेजरपे के पेमेंट नेटवर्क पर मौजूद लगभग 3 ट्रिलियन डेटा पॉइंट्स पर लागू किया जा चुका है। इसका उपयोग वास्तविक समय में ट्रांजैक्शन रूटिंग, जोखिम मूल्यांकन और धोखाधड़ी की पहचान के लिए किया गया।

कंपनी का दावा है कि इस तकनीक की मदद से पेमेंट सक्सेस रेट में 10 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय कार्ड धोखाधड़ी की पहचान और रोकथाम की क्षमता 8 गुना तक बढ़ी है। इसके अलावा मॉडल ने बिना अतिरिक्त अलर्ट बढ़ाए पांच गुना अधिक संदिग्ध और विवादित ट्रांजैक्शन की पहचान की है।

रेजरपे ने यह भी बताया कि उसके मैजिक चेकआउट प्लेटफॉर्म पर अब 40 प्रतिशत अधिक उपभोक्ताओं को उनकी पसंदीदा यूपीआई एप्लिकेशन दिखाई जा रही है, जिससे हर महीने अतिरिक्त 1 से 2 लाख खरीदारी ट्रांजैक्शन संभव हो रहे हैं।

रेजरपे के सह-संस्थापक और सीईओ हर्षिल माथुर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उन उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना है जो अभी भी नकद भुगतान और डिजिटल भुगतान के बीच निर्णय लेने की स्थिति में हैं।

उनके अनुसार, अधिक विश्वसनीय और निर्बाध भुगतान अनुभव डिजिटल लेनदेन को तेजी से अपनाने में मदद करेगा।

एनवीडिया में ग्लोबल इंडस्ट्री बिजनेस डेवलपमेंट एंड पेमेंट्स के प्रमुख पहल पटांगिया ने कहा कि भारत की तेजी से विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था भुगतान प्रणालियों को अधिक बुद्धिमान, सुरक्षित और कुशल बनाने का बड़ा अवसर प्रदान कर रही है।

वहीं एडब्ल्यूएस इंडिया एवं दक्षिण एशिया के एफएसआई और कॉन्ग्लोमेरेट्स प्रमुख किरण जगन्नाथ ने कहा कि अमेजन सेजमेकर पर निर्मित यह एआई फाउंडेशन मॉडल अरबों ट्रांजैक्शन से प्राप्त जानकारियों को एकीकृत कर एक ऐसा इंटेलिजेंट प्लेटफॉर्म तैयार करता है, जो लगातार सीखता रहता है और पारंपरिक मशीन लर्निंग मॉडलों की सीमाओं को पार करता है।

भारत में 2030 तक करीब 62 प्रतिशत लोगों के पास होगा 5जी कनेक्शन

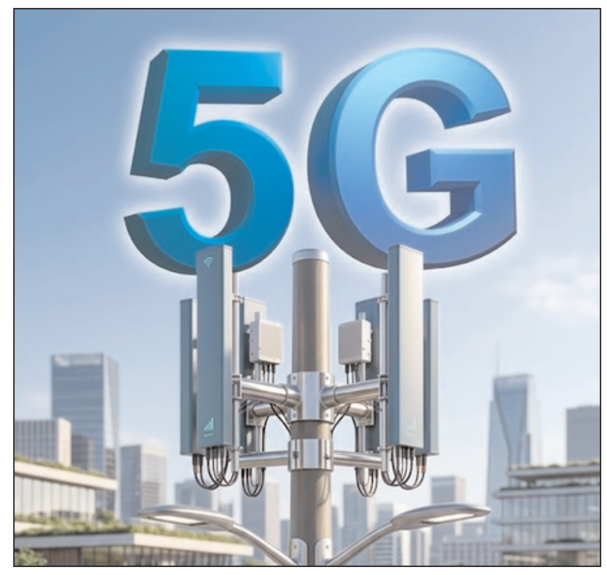

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में लगभग 2030 तक 62 प्रतिशत लोगों के पास 5जी कनेक्शन होने की उम्मीद है, यह एशिया प्रशांत क्षेत्र के औसत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जीएसएमए की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के साथ-साथ भारत को भी इस क्षेत्र के 'अग्रणी देशों' में गिना जाता है, जहां डिजिटल-इकोनॉमी की ग्रोथ को तेज करने और मोबाइल-इंडस्ट्री की स्थिरता को बनाए रखने के लिए रेगुलेटरी आधुनिकीकरण जरूरी है।

भारत में कनेक्टिविटी की चुनौती अब कवरेज से हटकर इस्तेमाल और अपनाने की ओर बढ़ रही है, क्योंकि दक्षिण एशिया में कवरेज का अंतर लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गया है।

इस वजह से मोबाइल इंटरनेट अपनाने में खर्च, डिवाइस तक पहुंच, डिजिटल स्किल्स, भरोसा और ऑनलाइन सुरक्षा मुख्य बाधाएं बन गई हैं।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि 2030 तक मोबाइल टेक्नोलॉजी और सेवाएं एशिया-प्रशांत की अर्थव्यवस्था में 1.4 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देंगी, जो आज के 1 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा है।

डिजिटल ग्रोथ का अगला दौर इस बात से तय होगा कि सरकारें, ऑपरेटर और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर चार अहम प्राथमिकताओं पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ना, डिजिटल भरोसे में कमी, ज्यादा मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग और डिजिटल संप्रभुता में बढ़ती रुचि शामिल हैं।

रिपोर्ट में इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की कोशिशों के उदाहरण के तौर पर भारतनेट और पीएमजीडीआईएसएचए का जिक्र किया गया है। पीएमजीडीआईएसएचए ने 6.4 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण नागरिकों को बुनियादी डिजिटल स्किल्स की ट्रेनिंग दी है।

भारत के लिए डिजिटल भरोसा एक आर्थिक प्राथमिकता बनता जा रहा है। 2026 में इन्फॉर्मेशन-सिक्योरिटी पर खर्च में 11.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जो साइबर-सिक्योरिटी, पहचान, प्राइवेसी और भरोसे से जुड़ी दूसरी सेवाओं की बढ़ती मांग को दिखाता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स' संवेदनशील डेटा को स्टोर करने, प्रोसेस करने और मैनेज करने के लिए भरोसेमंद माहौल बनाने की दिशा में योगदान दे रहे हैं। साथ ही, लोकल, ऑडिट-योग्य और सुरक्षित एआई वर्कलोड के लिए सॉवरेन क्लाउड एनवायरनमेंट में भी दिलचस्पी बढ़ रही है।

तनाव से राहत से लेकर एकाग्रता बढ़ाने तक, जानें रोज मेडिटेशन करने के फायदे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में लोगों के पास खुद के लिए समय काफी कम होता जा रहा है। काम का दबाव, घर की जिम्मेदारियां, भविष्य की चिंता और लगातार भागती दिनचर्या का असर मन पर भी पड़ता है। कई बार बिना किसी खास वजह के बेचैनी महसूस होने लगती है, छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है या किसी काम में मन लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कुछ मिनट खुद के लिए निकालना काफी मददगार हो सकता है।

इसी को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने लोगों को ध्यान (मेडिटेशन) को अपनी रोज की दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी है। आयुष मंत्रालय ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की। इसमें बताया गया है कि मेडिटेशन मन को शांत रखने और एकाग्रता बढ़ाने का आसान तरीका है।

मंत्रालय के मुताबिक, रोज कुछ समय मेडिटेशन करने से मन को शांति मिलती है, सोच को स्थिर रखने में मदद मिलती है और व्यक्ति अपने आसपास और अपने विचारों के प्रति ज्यादा सजग रहता है। इसके नियमित अभ्यास से धीरे-धीरे मन को एक जगह टिकाने की क्षमता बेहतर होती है।

मेडिटेशन का सबसे पहला फायदा मन को शांत रखने में मिलता है। जब हम दिनभर काम करते हैं तो दिमाग में एक साथ कई बातें चलती रहती हैं। कभी काम की चिंता होती है तो कभी घर या

भविष्य को लेकर ख्याल आते रहते हैं। मेडिटेशन के दौरान कुछ समय के लिए इन बातों को हटाकर सिर्फ अपनी सांसों पर ध्यान देने की कोशिश की जाती है। इससे दिमाग को थोड़ी देर आराम मिलता है और लगातार चल रहे विचारों की रफ्तार कम होती है। जिससे मेडिटेशन करने के बाद मन हल्का और शांत महसूस होता है।

मेडिटेशन डर, गुस्सा, उदासी और चिंता जैसी नकारात्मक भावनाओं से दूरी बनाने में भी मदद करता है। जब कोई व्यक्ति परेशान होता है तो वह उसी बात के बारे में बार-बार सोचता रहता है। मेडिटेशन के दौरान उसे धीरे-धीरे अपना ध्यान सांसों पर वापस लाने का अभ्यास करना होता है। रोज ऐसा करने से व्यक्ति अपने विचारों को समझना सीखता है। इससे किसी बात पर तुरंत गुस्सा करने या घबराने के बजाय शांत होकर सोचने की आदत बनती है। मेडिटेशन सकारात्मक सोच को बढ़ाने में भी मदद करता है। जब मन लगातार परेशान रहता है तो हर चीज नकारात्मक लगने लगती है। मेडिटेशन व्यक्ति को कुछ समय के लिए खुद के साथ शांत बैठने का मौका देता है। इस दौरान वह अपने विचारों को समझने की कोशिश करता है। धीरे-धीरे इससे छोटी परेशानियों को लेकर ज्यादा सोचने की आदत कम होती है और मन को शांत रखने में मदद मिलती है। एकाग्रता बढ़ाने में भी मेडिटेशन उपयोगी होता है। मेडिटेशन करते समय व्यक्ति को बार-बार अपना ध्यान सांसों पर लगाना होता है।

चीन से बाहर पिक्सल उत्पादन शिफ्ट करने की तैयारी में गूगल, 2027 तक पूरी मैन्युफैक्चरिंग हटाने की योजना: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा वैश्विक सप्लाई चेन में विविधीकरण की रणनीति के तहत अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल अपने पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स के उत्पादन को चीन से बाहर स्थानांतरित करने की योजना पर काम कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य 2027 तक पिक्सल उत्पादों का पूरा उत्पादन चीन से बाहर ले जाना है।

निक्केई एशिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि गूगल ने पिछले कुछ वर्षों में वियतनाम और भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार किया है और अब उसे भरोसा है कि वह 2027 तक पिक्सल डिवाइसों का संपूर्ण उत्पादन चीन से बाहर स्थानांतरित कर सकती है।

हालांकि वर्तमान में गूगल के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब भी चीन में होता है, लेकिन कंपनी ने इस वर्ष वियतनाम में अपने प्रीमियम पिक्सल स्मार्टफोनों के सफल विकास और उत्पादन के बाद अगला कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई-एंड स्मार्टफोन का निर्माण स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स की तुलना में अधिक जटिल होता है, इसलिए पिक्सल स्मार्टफोनों का सफल उत्पादन स्थानांतरण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

यदि यह रणनीति सफल रहती है, तो सैमसंग के बाद गूगल दुनिया की दूसरी बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन जाएगी, जिसने अपने स्मार्टफोन उत्पादन को पूरी तरह चीन से बाहर स्थानांतरित कर दिया हो।

रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के लिए यह बदलाव अपेक्षाकृत आसान हो सकता है क्योंकि कंपनी चीन में पिक्सल स्मार्टफोन नहीं बेचती। ऐसे में उसे स्थानीय उत्पादन बनाए रखने की उतनी आवश्यकता नहीं है जितनी कुछ अन्य वैश्विक ब्रांडों को होती है।

इस बीच कंपनी पिक्सल स्मार्टफोनों की बिक्री बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल ने अपने आपूर्तिकर्ताओं को संकेत दिया है कि वह इस वर्ष पिक्सल की शिपमेंट में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखती है। पिछले वर्ष कंपनी ने लगभग 1.2 करोड़ पिक्सल डिवाइस की शिपमेंट की थी।

विश्लेषकों का मानना है कि गूगल पिक्सल स्मार्टफोन को केवल एक हार्डवेयर उत्पाद नहीं, बल्कि अपने जेमिनी एआई इकोसिस्टम के विस्तार का माध्यम मानती है। कंपनी का विश्वास है कि अधिक पिक्सल उपयोगकर्ता सीधे तौर पर उसके एआई उत्पादों और सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देंगे। इसी वजह से वह बढ़ती कंपोनेंट लागतों, विशेषकर मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों, के बावजूद उत्पादन और बिक्री बढ़ाना चाहती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बेहतर शिपमेंट वॉल्यूम गूगल को मेमोरी चिप आपूर्तिकर्ताओं के साथ मूल्य वार्ता में अधिक ताकत प्रदान कर सकते हैं।

इसी उद्देश्य से कंपनी अपने क्लाउड कंप्यूटिंग कारोबार और स्मार्टफोन व्यवसाय के लिए आवश्यक चिप ऑर्डरों को एक साथ जोड़कर माइक्रोन, सैमसंग और एसके हाइनिक्स जैसे निर्माताओं के साथ बातचीत कर रही है।

उष्ट्रासनः रीढ़ को लचीला बनाए, पेट की चर्बी घटाए और आंखों की रोशनी बढ़ाए

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन और आत्मा को जोड़ने की एक प्राचीन कला है। योग की इन्हीं परंपराओं में से एक सरल लेकिन बहुत प्रभावी आसन उष्ट्रासन है, जिसके अभ्यास से कई शारीरिक समस्याओं, एकाग्रता और मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।

'उष्ट्र' एक संस्कृत भाषा का शब्द है और इसका अर्थ 'ऊंट' होता है। उष्ट्रासन को अंग्रेजी में 'केमिल पोज' कहा जाता है। उष्ट्रासन एक मध्यवर्ती पीछे झुकने वाला योग आसन है जो अनाहत (हृदय चक्र) को खोलता है। इस आसन से शरीर में लचीलापन आता है, शरीर को ताकत मिलती है तथा पाचन शक्ति बढ़ जाती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने ऊष्ट्रासन को एक ऐसा योगासन बताया है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है। यह योगासन आंखों की रोशनी बढ़ाने, पीठ और गर्दन के दर्द से राहत देने के साथ-साथ पेट की चर्बी कम करने और पाचन तंत्र को मजबूत करने में मददगार है। ऊष्ट्रासन रीढ़ को लचीला बनाता है और हृदय-श्वसन स्वास्थ्य को बेहतर करता है।

मंत्रालय ऊष्ट्रासन के अभ्यास का सही तरीका भी बताता है। इसके लिए सबसे पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें या घुटनों पर खड़े हों, पैरों को कूल्हों की चौड़ाई के बराबर रखें। धीरे-धीरे पीछे की ओर झुकें और अपने हाथों से एड़ियों को पकड़ें। सिर को पीछे की ओर झुकाएं और छाती को ऊपर की ओर लाएं। इस स्थिति में 20-30 सेकंड तक रहें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद धीरे-धीरे शुरुआती स्थिति में वापस आएं और विश्राम करें।

इसके अभ्यास से शरीर में ऊर्जा और लचीलापन आता है। हालांकि, इसे सही तरीके से और सावधानी के साथ करना जरूरी है। जिन्हें गंभीर पीठ दर्द, हर्निया, हाई या लो ब्लड प्रेशर की समस्या है या हाल में सर्जरी हुई हो, उन्हें यह आसन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। इसे खाली पेट करें और अधिक खिंचाव से बचें।

सोहा अली खान ने शेयर की प्रोटीन से भरपूर ओट्स रेसिपी, कहा-सुबह के लिए बेस्ट है

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री सोहा अली खान नियमित फिटनेस और हेल्दी और प्रोटीन से भरपूर खाने पर ज्यादा जोर देती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने प्रोटीन से भरपूर ओट्स की रेसिपी बताई और इसके खाने के फायदे पर भी जोर दिया।

सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे सुबह का हेल्दी और प्रोटीन से भरपूर ओट्स बनाती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि यह हेल्दी ब्रेकफास्ट महिलाओं के लिए पर्याप्त प्रोटीन का सोर्स भी हो सकता है। वीडियो में अभिनेत्री सोहा अली खान किचन में डिश बना रही हैं।

अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए इस बात पर भी जोर दिया कि प्रोटीन की आवश्यकता हर किसी को होती है। प्रोटीन सिर्फ जिम जाने वालों के लिए नहीं है। ये हर महिला के लिए बहुत जरूरी है। फिर भी हममें से कई भारतीय महिलाएं रोज पर्याप्त प्रोटीन नहीं ले पातीं।

उन्होंने प्रोटीन के फायदों पर जोर देते हुए लिखा, 'प्रोटीन से मसल्स मजबूत होती हैं, हड्डियां अच्छी रहती हैं, इम्यूनिटी बढ़ती है और उम्र के साथ हेल्दी रहते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, प्रोटीन की जरूरत और भी ज्यादा हो जाती है। अच्छी बात ये है कि ज्यादा प्रोटीन लेने के लिए घंटों किचन में खड़े होने या मुश्किल रेसिपी की जरूरत नहीं है। यहां एक सुपर जल्दी बनने वाला, वेजिटेरियन, प्रोटीन वाला नाश्ता है जिसे आप बिजी सुबह में भी बना सकती हैं। इसे बनाते वक्त सामान कम, मेहनत कम और पोषण भरपूर होता है।'

अभिनेत्री ने अपनी स्वादिष्ट प्रोटीन से भरपूर डिश का नाम नहीं बताया है। डिश की रेसिपी बताते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'एक पैन में 20-25 ग्राम रोल्ड ओट्स और पानी/दूध डालें। धीमी आंच पर 3-5 मिनट तक पकाएं, जब तक ओट्स नरम न हो जाएं, गैस बंद कर दें और थोड़ा ठंडा होने दें।

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं।

अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है। अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है, वे ब्रेड, ओट्स या दही के साथ ले सकते हैं। केला-दूध का शेक या स्मूदी बहुत आम है। केला कार्बोहाइड्रेट देता है, जबकि दूध प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व उपलब्ध कराता है। अगर किसी व्यक्ति को दूध और केला दोनों आसानी से पचते हैं तो यह कॉम्बिनेशन सामान्य डाइट का हिस्सा हो सकता है। समस्या तब आती है जब किसी को लैक्टोज से दिक्कत होती है। ऐसे में गैस या पेट फूलने की शिकायत हो सकती है लेकिन इसका इस स्थिति को सिर्फ केले से जोड़ना सही नहीं होगा।

उन्नति हुड्डा की जीत से शानदार आगाज

विश्व चैंपियनशिप के डेब्यू मैच में थुजार को सीधे गेम में हराया

एजेंसी ■

नई दिल्ली। भारतीय शटलर उन्नति हुड्डा ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेम में हराकर अपने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार डेब्यू किया। अगले राउंड में उन्नति का सामना कनाडा की 13वीं सीड मिशेल ली से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की पी. चिउ को 22-20, 21-12 से हराया।

मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गए कड़े मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का उतार-चढ़ाव जारी रहा, लेकिन कोई भी खिलाड़ी मजबूत बढ़त नहीं कर सका। 21 मिनट तक चली जबरदस्त रैलियों के बाद, हुड्डा ने पहला गेम 22-20 से अपने नाम किया।

कोर्ट बदलने के तुरंत बाद अपनी लय बदलते हुए, हुड्डा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच पर पूरी पकड़ बना ली और 11-1 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन भारतीय शटलर ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और आखिरी प्वाइंट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर/ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी को कनाडा की जोनाथन लाई/क्रिस्टल लाई की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

दिन में बाद में, स्टार शटलर लक्ष्य सेन का सामना ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड के मैच में होगा। वहीं, अशित सूर्या और अमृता प्रमुतेश का मुकाबला तुर्की के एमरे सोनमेज और यासेमेन बेक्तास से होगा।

विमेंस डबल्स के दूसरे राउंड में, ट्रीसा जॉली/गायत्री गोपीचंद का सामना अमेरिका की लॉरेन लैम/एलिसन ली से होगा। कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंघी की जोड़ी का मुकाबला बुल्गारिया की स्टेफनी स्टोएवा/गैब्रिएला स्टोएवा की जोड़ी से होगा।

पहले दिन, एशियन चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में सबसे बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने दबाव में भी संयम बनाए रखते हुए पहले राउंड में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन शी युकी को हरा दिया। युकी पर आयुष की जीत वर्ल्ड चैंपियनशिप के इतिहास में पहले राउंड के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक है, क्योंकि चीनी खिलाड़ी टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में बाहर होने वाले पहले डिफेंडिंग मेंस सिंगल्स चैंपियन बन गए हैं।

मेंस डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को 21-16, 6-4 (रिटायर्ड) से हराकर भारत के अभियान की शुरुआत की। इसके बाद, विमेंस डबल्स के शुरुआती राउंड में ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज को 21-9, 21-13 से आसानी से हरा दिया।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु ने आयरलैंड की सोफिया नोबल को 21-7, 21-11 से हराकर अपना शुरुआती विमेंस सिंगल्स मैच आसानी से जीत लिया। आखिर में, कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंघी की विमेंस डबल्स जोड़ी ने निकोल कारुला/कारमेन मारिया जिमेनेज के खिलाफ 22-20, 21-14 से जीत के साथ दिन का समापन किया।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा

तेजस्विन शंकर और दिव्या देशमुख सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा की। अलग-अलग क्षेत्र के 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। वहीं, 3 प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है।

भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग श्रेणी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है। अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), ट्रीसा जॉली (बैडमिंटन), पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित संतोष गुजराती (शतरंज), दिव्या जितेंद्र देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग), लालरेमसियामी (हॉकी), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), पूजा (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (शूटिंग) का नाम चुना गया है।

'अर्जुन पुरस्कार' खेल के क्षेत्र में पिछले चार वर्षों में अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल-भावना और अनुशासन की भावना दिखाने वाले एथलीटों को दिया जाता है। अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2025, आई अरुमनायगम (फुटबॉल) को दिया गया है। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मान देने और प्रेरित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने खेल के क्षेत्र में योगदान दिया है और खेल से संन्यास के बाद किसी न किसी रूप में जुड़कर उसे बढ़ावा देने में योगदान देते रहते हैं। द्रोणाचार्य अवॉर्ड 2025, परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग), और नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) को दिया गया है। द्रोणाचार्य अवॉर्ड उन प्रशिक्षकों (कोचों) को दिया जाता है जो लगातार बेहतरीन और काबिलियत भरा काम करते हैं और खिलाड़ियों को इंटरनेशनल इवेंट्स में बेहतर करने में मदद करते हैं। द्रोणाचार्य अवॉर्ड (लाइफटाइम) 2025 के लिए धर्मेंद्र सिंह यादव (बॉक्सिंग) और वीरेंद्र कुमार (कुश्ती) का नाम निश्चित किया गया है।

20 साल के जैकोबो ऑर्टेगा से रियल मैड्रिड को हुआ रिकॉर्ड वित्तीय लाभ

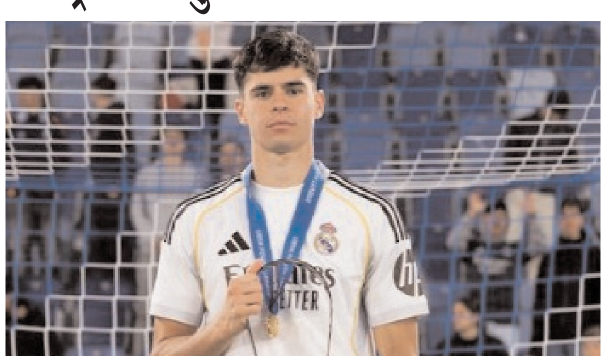

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड का यूथ सिस्टम उसे वित्तीय रूप से लाभ पहुंचा रहा है। 19 साल के सी-टीम खिलाड़ी जैकोबो ऑर्टेगा आरसी स्ट्रासबर्ग के साथ सोमवार को रिकॉर्ड कीमत में जुड़े। इससे रियल मैड्रिड को बड़ा फायदा हुआ है।

पिछले सीजन यूथ लीग में रियल मैड्रिड के लिए टॉप स्कोरर रहे ऑर्टेगा पर स्ट्रासबर्ग ने 10 मिलियन यूरो (करीब 11.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च किए हैं। इस डील के बाद ऑर्टेगा रियल मैड्रिड के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी के लिए सबसे महंगी सेल बन गए हैं जो कभी उनकी फर्स्ट टीम में नहीं खेला। रियल मैड्रिड की वेबसाइट के मुताबिक, 'रियल मैड्रिड सीएफ और आरसी स्ट्रासबर्ग अलसैस हमारे प्लेयर जैकोबो ऑर्टेगा के ट्रांसफर के लिए सहमत हो गए हैं। वह 2018 में 12 साल की उम्र में रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे और आठ सीजन से हमारी यूथ एकेडमी का हिस्सा रहे हैं।' शिन्हुआ के मुताबिक, 'ओर्टेगा ने स्ट्रासबर्ग के साथ पांच साल के अनुबंध पर साइन किया है। इस क्लब के ओनर (ब्लूको) प्रीमियर लीग टीम चेल्सी के ही हैं।' इस गर्मी में रियल मैड्रिड के लिए दूसरे यूथ टीम खिलाड़ियों ने आय अर्जित किया है। गोंजालो गार्सिया और सीजर पालासियोस ने लगभग 50 मिलियन यूरो कमाए, जबकि क्लब ने विक्टर मुनोज के ओसासुना से लिवरपूल में मूव करने से सेल-ऑन राइट्स में लगभग 20 मिलियन यूरो भी कमाए।

भगवान वेंकटेश्वर का दर्शन करने पहुंचे क्रिकेटर तिलक वर्मा

विश्व केसरी ■

तिरुमाला। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मंगलवार की सुबह आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की।

तिलक ने तिरुमाला मंदिर में सुप्रभात सेवा में हिस्सा लिया और पूरे विधि-विधान के साथ भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। तिलक इस दौरान पूरी तरह पारंपरिक परिधान में थे।

भारतीय क्रिकेटर ने मंदिर में उपस्थित अन्य श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के बाद फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

तिलक वर्मा फिलहाल क्रिकेट से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। भारतीय टी20 टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा में हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज का हिस्सा थे।

बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज को भारतीय मध्यक्रम का भविष्य माना जाता है। स्थिति के अनुकूल अपनी बल्लेबाजी क्षमता के कारण वह टीम के लिए बेहद अहम होते जा रहे हैं। 23 साल के तिलक ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के साथ दमदार प्रदर्शन के बाद 2023 में 3 अगस्त को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया था। 15 सितंबर 2023 को उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था।

अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में एक यादगार पारी खेलते हुए भारत को एशिया कप 2025 का चैंपियन बनाने वाले तिलक को टी20 में अब तक पर्याप्त मौके मिले हैं और उन्होंने अपने प्रदर्शन से इसे भुनाया भी है। तिलक 59 टी20 मैचों की 56 पारियों में 9 अर्धशतक और 2 शतक की मदद से 1,645 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 120 रन है। वर्मा का स्ट्राइक रेट 145.18 है। वहीं, 5 वनडे मैचों की 4 पारियों में 1 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 68 रन बनाए हैं। टेस्ट डेब्यू का उन्हें इंतजार है।

अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज सीरीज और एशियन गेम्स में तिलक वर्मा के प्रदर्शन पर भारतीय टीम मैनेजमेंट और फैंस की नजर रहने वाली है।

सिनसिनाटी ओपन : अलेक्जेंडर ज्वेरेव और राफेल जोडर ने अंतिम 16 में बनाई

विश्व केसरी ■

सिनसिनाटी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने टेरेंस अतमाने को 7-6 (4), 7-6 (8) से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई।

जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 6/4 पर दो मैच पॉइंट बनाए। अतमाने ने पहला ऐस आउट वाइड से मिटा दिया, और ज्वेरेव ने दूसरे पर डबल फॉल्ट करके टाई-ब्रेक को 6/6 पर बराबर कर दिया। 29 साल के ज्वेरेव ने खुद को संभाला, अगले दो पॉइंट लेकर दो घंटे और नौ मिनट में सीधे सेटों में जीत पक्की कर ली।

इस बीच, 19 साल के राफेल जोडार ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में एलेजांद्रो टैबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई, और अपने शानदार 2026 सीजन को जारी रखा। जोडार इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन के साथ शामिल हो गए। स्पेन के जोडर का अगला मुकाबला वर्ल्ड नंबर 10 फ्लेवियो कोबोली से होगा। कोबोली ने अलेक्जेंडर ब्लॉक्स को 7-5, 4-6, 7-5 से हराया था। इटैलियन कोबोली ने फाइनल सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद लगातार चार गेम जीते और अपने करियर में चौथी बार मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे राउंड में पहुंचे। जोडर को हाल ही में कैनेडियन ओपन में सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मुकाबले में, आर्थर फिल्स ने जिरी लेहेका की एक बड़ी चुनौती का सामना करते हुए नौवें सीड खिलाड़ी को 6-1, 6-7(7), 6-3 से हराया। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में फिल्स के पास 7/6 का मैच पॉइंट था, लेकिन लेहेका ने उसे रोककर तीसरा सेट जीत लिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने दो घंटे और एक मिनट में जीत पक्की कर ली। फिल्स का अगला मुकाबला पांचवीं सीड एलेक्स डी मिनौर से होगा।

भारतीय हॉकी के विकास में झारखंड अहम भूमिका निभा रहा, भविष्य और बेहतर

विश्व केसरी ■

रांची। झारखंड भारतीय महिला हॉकी के लिए 'हार्ट लैंड' बनकर उभरा है। राज्य की खिलाड़ी अपने बेहतरीन खेल की बदौलत राष्ट्रीय टीम में न सिर्फ जगह बना रही हैं, बल्कि देश में हॉकी के समृद्ध इतिहास को भी आगे बढ़ा रही हैं। इसका उदाहरण भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे हैं।

एकतरफ भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस समय नीदरलैंड और बेल्जियम में आयोजित हॉकी विश्व कप में हिस्सा ले रही है। वहीं, झारखंड के तीन जिले - सिमडेगा, खूंटी और गुमला - चुपचाप हॉकी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारतीय महिला हॉकी में झारखंड का अहम योगदान रहा है। इसमें वहां के खिलाड़ियों के बीच हॉकी को लेकर पैशन और सरकारी

सहायता स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के प्रतिभा विकास कार्यक्रम शामिल हैं। पूरे राज्य में 5,000 से ज्यादा लड़के और लड़कियां आवासीय और गैर-आवासीय कार्यक्रमों के जरिए ट्रेनिंग ले रहे हैं। झारखंड भारत की सबसे ज्यादा उत्पादक हॉकी नर्सरी में से एक के तौर पर अपनी पहचान बना रहा है।

झारखंड का हॉकी से रिश्ता 20वीं सदी के शुरुआती दशकों से है। कई आदिवासी समुदायों के लिए, यह खेल सिर्फ मनोरंजन से कहीं ज्यादा बन गया और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया। राज्य की हॉकी विरासत की जड़ें 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक्स में भारत की ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के कप्तान जयपाल सिंह मुंडा से जुड़ी हैं। उनकी कामयाबी ने छोटानागपुर पठार के युवाओं की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। दशकों से, उस विरासत को माइकल किंडो, सिल्वेनस डुंग डुंग, मनोहर टोपनो, अजीत लाकड़ा, बिमल लाकड़ा, बीरेंद्र लाकड़ा, असुंता लाकड़ा, और सुमराय टेटे, जो भारत के पूर्व कप्तान, कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट और ध्यानचंद अवॉर्ड विजेता हैं, जैसे आइकॉन ने आगे बढ़ाया।

साई मीडिया से बातचीत के दौरान जगन टोपनो ने कहा, 'झारखंड के तीन जिलों - खूंटी, सिमडेगा और गुमला - के हर घर में हर बच्चा हॉकी खेलता है। सुबह-शाम, आपको पूरे झारखंड में खेतों में गांव के बच्चे हॉकी खेलते हुए मिल जाएंगे।

गाले टेस्ट : दिनेश चांदीमल चोटिल, स्कैन के लिए भेजा गया अस्पताल

विश्व केसरी ■

गाले। श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन बड़ा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। चांदीमल को कंधे और गर्दन में चोट लगी है। उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मंगलवार को पहले सेशन में फील्डिंग करते समय बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय चांदीमल के दाहिने कंधे और गर्दन में चोट लग गई।

श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, 'टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सकों ने ग्राउंड पर उनकी जांच की और उन्हें एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है। स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद उनकी इंजरी का अपडेट दिया जाएगा।'

केएल राहुल के डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ से लगाए स्वीप को रोकने के लिए चांदीमल आगे बढ़े। उन्होंने गेंद को रोक दिया, लेकिन खुद को चोटिल कर बैठे। वे पूरी तरह से गिर गए, और उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया। उन्हें अपनी गर्दन का पिछला हिस्सा पकड़े हुए देखा गया। फिजियो देखने आए, फिर उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। चांदीमल श्रीलंका के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं। पहली पारी में वह महज 4 रन बना सके थे, लेकिन मैच की परिस्थितियों को देखते हुए दूसरी पारी में वह बेहद अहम हो सकते हैं। श्रीलंका चाहेगी कि उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर न हो।

मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए देवदत्त पड्डिकल के 167 और केएल राहुल के 82 रन की बदौलत पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमट गई और भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 178 रन से पिछड़ रही है। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में रिपोर्ट लिखे जाने तक 27.3 ओवर में 4 विकेट पर 111 रन बना लिए थे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251